● वर्ष-3
● अंक-45
रायपुर, शनिवार
30 सितंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› जाह्नवी कपूर ने किया शॉकिंग.....

खालिस्तानी बना रहे थे ब्लास्ट का प्लान

भारत के जेम्स बॉन्ड ने ऐसे संभाला मोर्चा

नईदिल्ली। दिल्ली में थे बाइडेन-सुनक, , जिन खालिस्तानी आतंकियों के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत से दुश्मनी मोल ली। उन्हीं खालिस्तानी आतंकवादियों ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान धमाके की साजिश रची। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खीचने के लिए सिख फॉर जस्टिस से जुड़े खालिस्तानी आतंकी दिल्ली एयरपोर्ट और मेट्रो स्टेशन को निशाना बनाना चाहते थे। जी20 से ठीक पहले हुई मल्टी एजेंसी सेंटर की मीटिंग में साजिश का खुलासा हुआ और इस मीटिंग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक 31 अगस्त को आतंकी संगठन एसएफजे से जुड़े एक सदस्य के भारतीय मोबाइल नंबर पर वॉयस मैसेज आया। ब्रिटेन से आए वॉयस मैसेज में खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस के सरगना गुरवंत सिंह पन्नू की आवाज भी थी।

इस वॉयस मैसेज में खालिस्तानी आतंकवादियों के जरिए दिल्ली में बॉम्ब ब्लास्ट की बात कही गई थी। ये बॉम्ब ब्लास्ट दिल्ली एयरपोर्ट और कई मेट्रो स्टेशन पर किए जाने थे। जिससे खालिस्तान रेफरेंडम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे। जबकि इसी 31 अगस्त को एक और कॉल इंटरसेप्ट किया गया। उसमें जी20 समिट के वेन्यू यानी भारत मंडपम और विदेशी डेलीगेट्स के रुकने वाले होटलों को भी निशाना बनाए जाने की बात कही जा रही थी।

खालिस्तानी आतंकी जी20 समिट के दौरान हमला करके पूरी दुनिया में भारत की छवि धूमिल करने के साथ साथ खालिस्तान रेफरेंडम की आवाज को ग्लोबल मंच देने की फिराक में थे। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के अनुसार पन्नू इन सब में फिलीपींस में रहने वाले गैंगस्टर मनप्रीत सिंह पीटा की मदद ले रहा था। मनप्रीत सिंह पीटा कनाडा में रहने वाले गैंगस्टर अर्श दल्ला का बेहद करीबी दोस्त है। लेकिन इससे पहले ही 11 अगस्त को एनआईए मनप्रीत सिंह पीटा और उसके भाई मनजीत को फिलिपींस से डिपोर्ट कर भारत ले आई।

मोदी के छग-मप्र-राजस्थान में तूफानी दौरे

राज्यों में कई रैलियों व जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

राहुल संपाल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान अभी तक नहीं हुआ है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी राज्यों का तूफानी दौरा करने जा रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश राज्यों में कई रैलियों व जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

2 अक्टूबर को पीएम मोदी राजस्थान और मध्यप्रदेश का दौरा करेंगे। सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर पीएम राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में कई विकास योजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद 11 बजकर 45 मिनट पर चित्तौड़गढ़ में सभा को संबोधित करेंगे। फिर पीएम एमपी के ग्वालियर में 3 बजकर 30 मिनट पर विकास योजनाओं की शुरुआत करेंगे और शिलान्यास के बाद सभा को संबोधित करेंगे।

30 सितंबर और 3 अक्टूबर को भी पीएम छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। 30 सितंबर को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर का दौरा करेंगे और दोपहर ढाई बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जबकि 3 अक्टूबर को सुबह 11 बजे छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में होंगे। 11 बजकर 45 मिनट पर उनकी रैली होगी।

1 अक्टूबर और 3 अक्टूबर को पीएम तेलंगाना का दौरा करेंगे। 1 अक्टूबर को तेलंगाना के महबूबनगर जिले के भूतपुर में एक

सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। जबकि 3 अक्टूबर के बाद पीएम छत्तीसगढ़ के बाद तेलंगाना का दौरा करेंगे। वे दोपहर 3 बजे निज़ामाबाद में विकास कार्यों की शुरुआत और शिलान्यास करेंगे और दोपहर 4 बजे निजामाबाद में एक रैली करेंगे।

5 अक्टूबर को प्रधानमंत्री फिर राजस्थान और एमपी का दौरा करेंगे। राजस्थान में 11 बजे जोधपुर में कार्यक्रम होगा और 12 बजे रैली होगी। पीएम 5 साल बाद राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे नई ट्रेन के साथ ही डबलिंग वर्क को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही एयरपोर्ट के नए भवन का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद पीएम मध्य प्रदेश पहुंचेंगे। वे 3 बजकर 30 मिनट पर जबलपुर में होंगे। इस दौरान वे कई योजनाओं का शिलान्यास करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।

इस साल के अंत में छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और मिजोरम में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। अभी इन राज्यों में चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि चुनाव आयोग इन राज्यों में चुनाव कराने को लेकर पूरे जोर शोर से जुटा है। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में इन राज्यों में चुनावों की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। इससे पहले पीएम मोदी इन राज्यों में कई बड़ी रैलियों और जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में लगे हैं।

1 और 3 अक्टूबर को तेलंगाना का दौरा करेंगे पीएम मोदी, सार्वजनिक रैलियों को भी करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर, 2023 को तेलंगाना का दौरा करेंगे। लगभग 2:15 बजे, प्रधानमंत्री महबूबनगर जिले में पहुंचेंगे, जहां वह 13,500 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे। देश भर में आधुनिक सड़क बुनियादी ढांचे के विकास के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को गति प्रदान करने वाले एक कदम में, कार्यक्रम के दौरान कई सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।तेलंगाना में इस साल विधानसभा के चुनाव हैं। इसलिए मोदी का यह दौरा अहम माना जा रहा है।

आज बिलासपुर आएंगे पीएम मोदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनावी सरगर्मी उफान पर है। पीएम नरेंद्र मोदी 15 दिन के अंदर दूसरी बार छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वो 30 सितंबर को बिलासपुर के सीपत रोड स्थित साइंस कॉलेज मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। बीजेपी की परिवर्तन रथ यात्रा के समापन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह भरेंगे। उनका मनोबल बढ़ाएंगे। पीएम मोदी का ये तीसरा छत्तीसगढ़ दौरा है। 4 दिन बाद 3 अक्टूबर को जगदपुर में फिर चुनावी बिगुल फूंकेंगे। बीजेपी ने बिलासपुर में होने वाले कार्यक्रम का नाम परिवर्तन महासंकल्प रैली रखा है। बीजेपी इस रैली को ऐतिहासिक बनाने में लगी है। चुनावी साल में रायपुर संभाग के बाद बिलासपुर संभाग में पीएम मोदी की ये दूसरी चुनावी सभा है। ऐसे में विधानसभा चुनाव से हिसाब से बेहद अहम मानी जा रही है। यहां पर पीएम मोदी कुछ बड़े एलान भी कर सकते हैं। संभाग के मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। बीजेपी कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी की सभा में करीब 1 लाख से ज्यादा भीड़ जुटाने का टारगेट दिया गया है। बिलासपुर संभाग में पीएम मोदी का ये दूसरा दौरा है। इससे पहले पीएम 14 सितंबर को रायगढ़ के कोड़ातराई में चुनावी सभा को संबोधित किए थे।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत मंडपम, प्रगति मैदान,नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में बेस्ट टूरिज्म विलेज प्रतियोगिता के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सरोदा दादर ग्राम को सर्वश्रेष्ठ ग्रामों की सिल्वर कैटेगरी में सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य अपने नयनाभिराम स्थलों, पर्यटन नवाचारों और पर्यटन विकास गतिविधियों के साथ पर्यटकों को उत्तम सेवा प्रदान करने में सक्षम है। ग्रामीण पर्यटन, सस्टेनेबल टूरिज्म एवं रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म की अवधारणा को विकसित करने में छत्तीसगढ़ अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता चला आ रहा है।

63 थानों में वाहन नहीं, 628 में टेलीफोन नहीं, 285 में वायरलेस नहीं

जितेंद्र भारद्वाज

गत माह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को प्रतिस्थापित करने और आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए विधेयक पेश किया था। तीनों विधेयकों को संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा गया है। गृह मंत्री शाह ने आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने वाले विधेयकों की कई विशेषताएं बताई थीं। संसद की मंजूरी के बाद जब ये विधेयक कानून का रूप लेंगे तो बहुत कुछ डिजिटल हो जाएगा। विधेयक में साक्ष्य एकत्रित करना, समन/वारंट जारी करना, एफआईआर दर्ज करने से लेकर केस डायरी के रखरखाव व आरोप पत्र

दाखिल करने और फैसला सुनाने तक की पूरी प्रक्रिया का डिजिटलीकरण करने की बात कही गई है। दूसरी तरफ देश में 63 थानों में वाहन नहीं हैं। 628 पुलिस स्टेशन ऐसे हैं, जिनमें टेलीफोन नहीं हैं। इसके अलावा 285 पुलिस थानों में मोबाइल/वायरलेस ही नहीं है। ऐसे में आईपीसी, सीआरपीसी व साक्ष्य अधिनियम के डिजिटल प्रावधान कैसे लागू होंगे।

इन राज्यों के पुलिस थानों की स्थिति

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, देश में कुल 17535 पुलिस स्टेशन हैं। असम के 329 पुलिस स्टेशनों में से 126 में टेलीफोन ही नहीं हैं, जबकि इन थानों में कंप्यूटरों की संख्या 266 है। बिहार के 1056 पुलिस स्टेशनों में 2025 कंप्यूटर हैं। 957 पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी लगे हैं। छत्तीसगढ़ में 456 पुलिस स्टेशन हैं, जिनमें से 22 में टेलीफोन नहीं हैं। हालांकि इन पुलिस स्टेशनों में 443 सीसीटीवी और 4884 कंप्यूटर बताए गए हैं। गुजरात के 745 पुलिस स्टेशनों में से 622 में सीसीटीवी लगे हैं। हिमाचल प्रदेश के 151 पुलिस स्टेशनों में से दो थानों में वाहन ही नहीं हैं। सीसीटीवी कैमरे 136 पुलिस स्टेशनों में लगे हैं। झारखंड में 564 पुलिस स्टेशन हैं। इनमें से 47 थानों में वाहन नहीं हैं। 211 पुलिस स्टेशन ऐसे हैं, जिनमें टेलीफोन नहीं हैं। 31 पुलिस स्टेशन ऐसे हैं, जिनमें न तो मोबाइल इंटरनेट है और न ही वायरलेस सिस्टम है। अगर सीसीटीवी कैमरों की बात करें, तो 136 थानों में लगे हैं। मध्यप्रदेश में 1159 पुलिस स्टेशन हैं। इनमें से 859 में ही सीसीटीवी लगे हैं। महाराष्ट्र में 1168 पुलिस स्टेशन हैं, जिनमें से 663 में ही सीसीटीवी लगा है।

मोबाइल इंटरनेट व वायरलेस सिस्टम तक नहीं है

मणिपुर में 84 पुलिस स्टेशन हैं। इनमें से सात थानों में वाहन नहीं हैं। 64 थानों में टेलीफोन नहीं है। चार पुलिस स्टेशन ऐसे हैं, जिनमें न तो मोबाइल इंटरनेट है और न ही वायरलेस सिस्टम है। मेघालय में 76 पुलिस स्टेशन हैं। इनमें से पांच में वाहन नहीं है, जबकि 60 थानों में टेलीफोन ही नहीं है।

प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को दी मंजूरी

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में कानून बन गया। राष्ट्रपति मुर्मू की सहमति मिलने के बाद भारत सरकार ने

शुक्रवार को महिला आरक्षण विधेयक के लिए एक गजट अधिसूचना जारी की। अब इसके अधिनियम बन जाने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33न सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा। जिससे यह भारतीय संसद द्वारा एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई क्योंकि इसने 19 सितंबर को अपना संचालन नए संसद भवन में स्थानांतरित कर दिया। केवल एआईएमआईएम ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इससे केवल सवर्ण महिलाओं का उत्थान होगा क्योंकि मुस्लिम महिला प्रतिनिधियों के लिए कोई आरक्षण नहीं है। कांग्रेस ने भी ओबीसी आरक्षण की मांग की और संसद में इसके पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद भी इसे लागू होने में लगने वाले लंबे समय पर सवाल उठाया।

पीओके खुद-ब-खुद भारत में हो जाएगा शामिल : वीके

नईदिल्ली। देश 2024 चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। चुनाव में कई मुद्दे रहने वाले हैं। इसमें एक मुद्दा पाक अधिकृत कश्मीर का भी रहने वाला है। इन सबके बीच केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने पीओके

को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिस तरीके से वर्तमान में पाकिस्तान का माहौल है, उसको देखते हुए ऐसा ही लगता है कि एक दिन पाक अधिकृत कश्मीर खुद हमारे पास वापस आ जाएगा। दरअसल, वे लगातार पाकिस्तान में चल रही समस्याओं की ओर इशारा करना चाह रहे थे जिसमें महंगाई, बिजली की बढ़ी हुई दर आदि शामिल है। वीके सिंह ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने नरेंद्र मोदी से हाल में ही सहायता की गुहार भी लगाई थी। क्क्य पर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा कि जिस तरह से पाकिस्तान में चीजें चल रही हैं, जिस तरह से पाकिस्तान में विभिन्न ताकतें अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ी हो गई हैं... बहुत बड़ा मंथन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का अहसास है कि यह क्षेत्र, जो कि पाकिस्तान द्वारा बल प्रयोग और फिर संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी के कारण अर्ध-स्थायी हो गया।

पोक्सो में सहमति की उम्र घटा 16 न करें: विधि आयोग

नईदिल्ली। भारत के विधि आयोग ने बाल यौन शोषण कानून के तहत सहमति की उम्र को घटाकर 16 साल करने के खिलाफ सिफारिश की

है, लेकिन एक संशोधन का प्रस्ताव दिया है, जो अदालतों को उन मामलों में कम सजा देने की अनुमति देगा जहां किशोर किसी महिला के साथ सहमति से यौन संबंध बनाते हैं। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम वर्तमान में नाबालिग के यौन उत्पीड़न के लिए न्यूनतम 10 साल की जेल की सजा निर्धारित करता है। अवस्थी ने कानून मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट में कहा कि न्यायमूर्ति रितु राज की अध्यक्षता वाले आयोग ने कहा, 16 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के किशोर अभी भी बच्चे बने हुए हैं, जिन्हें कानून के उच्च संरक्षण का आनंद लेना चाहिए और सहमति की उम्र को कम करके या सीमित अपवाद पेश करके परेशान नहीं किया जा सकता है। पैनल की सिफारिश पॉक्सो के तहत सहमति की उम्र पर चल रही बहस के बीच आई है। पिछले कुछ वर्षों में कई उच्च न्यायालयों ने चिंता व्यक्त की है।

156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टर खरीदेगी भारतीय वायुसेना

नईदिल्ली। केंद्र की मेक इन इंडिया पहल को आगे बढ़ाते हुए भारतीय वायु सेना हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 156

और प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों के लिए ऑर्डर देने की योजना बना रही है। भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना द्वारा पूर्वी और पश्चिमी दोनों क्षेत्रों में हेलिकॉप्टरों को तैनात किया जाएगा, जिससे चीन और पाकिस्तान सीमाओं पर सेना को और अधिक ताकत मिलेगी। दोनों सेवाओं ने पिछले 15 महीनों में दुनिया के सबसे खराब मौसम की स्थिति और इलाके में परीक्षण करने के बाद इनमें से 15 हेलिकॉप्टरों को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने एएनआई को बताया कि भारतीय वायु सेना ने संयुक्त अधिग्रहण मामले के रूप में 156 और प्रचंड हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए सरकार के पास एक प्रस्ताव रखा है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावना है। हाल ही में, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने घोषणा की थी कि भारतीय वायु सेना लगभग 100 और हल्के लड़ाकू विमान मार्क 1ए खरीदने पर विचार कर रही है।

20 करोड़ की डकैती, बिलासपुर से दो लोग गिरफ्तार

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भोगल इलाके में आभूषण की एक दुकान से 20 करोड़ रुपये की डकैती के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। दिल्ली और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस ने बिलासपुर से दो लोगों को हिरासत में लिया है और उनके पास से सोने और हीरों के करीब 18.5 किलोग्राम आभूषण बरामद किए गए हैं। बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि अपराध निरोधक तथा साइबर इकाई और बिलासपुर जिले में सिविल लाइन पुलिस थाने के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने बिलासपुर शहर में चोरी की कई घटनाओं की जांच के दौरान यह अभियान चलाया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लोकेश श्रीवास और शिवा चंद्रवंशी के तौर पर की गई है। लोकेश बिलासपुर में चोरी के सात मामलों में संलिप्त है। श्रीवास के, छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कवर्धा शहर में मौजूद होने की गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने बुधवार को वहां छापा मारा और चंद्रवंशी को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 23 लाख रुपये कीमत के आभूषण बरामद किए। इस बीच श्रीवास फरार हो गया। टीम ने इसके बाद श्रीवास को दुर्ग जिले के स्मृतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक घर में पकड़ा।

वसुंधरा को नजरअंदाज करना भाजपा के लिए आसान नहीं, वे ही दिलाएंगी जीत!

राजस्थान को लेकर यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेगी। इसका बड़ा कारण यह है कि उसके पास कोई पसंदीदा उम्मीदवार भी नहीं है। अगर अब भी कोई संदेह था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जयपुर में एक रैली में दोहराया, 卐मैं हर बीजेपी कार्यकर्ता से कहना चाहता हूं कि हमारी पहचान और शान केवल कमल है।卐 इससे कहीं ना कहीं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने की कोशिश की गई कि इस बार पार्टी सामुहिक नेतृत्व पर जोर दे रही है। ऐसे में सवाल यह है कि वसुंधरा राजे का क्या होगा? फिहलाह ऐसा लगता है कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने दो कार्यकाल की पूर्व मुख्यमंत्री को तीसरी बार पद के लिए दावेदारी से लगभग अलग कर दिया है।

नजरअंदाज करना नुकसानदेह

भाजपा इस बात को भी अच्छी तरीके से जानती है कि राजस्थान में चुनाव से पहले वसुंधरा राजे को साइड करना उसके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वसुंधरा राजे को नजरअंदाज करना राजस्थान में कहीं से भी पार्टी के लिए हितकारी साबित नहीं होने वाला। हाल में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और वरिष्ठ नेता अमित शाह जयपुर में पार्टी की कोर कमेटी की एक बड़ी बैठक में शामिल हुए थे। हालांकि, इस बैठक से पहले दोनों नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ भी अलग मीटिंग की। इस बैठक के बाद दो चीजें हुई। पहली चीज की आलाकमान के सामने वसुंधरा

राजे को सीएम का चेहरा बनाने की मांग करने वाले पूर्व विधायक देवी सिंह भाटी की पार्टी में वापसी हो गई। दूसरा यह की वसुंधरा राजे भी सक्रिय दिखाई दे रही हैं। ऐसे में अब यह भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वसुंधरा राजे को चुनाव के बाद किसी प्रकार की बात को लेकर आश्वासन दिया गया है?

जलेकिन इतना तो तय है कि राजस्थान में वसुंधरा राजे भाजपा के लिए जरूरी और मजबूरी दोनों है। 70 वर्षीय वसुंधरा राजे के पास सियासत का लंबा अनुभव है। साथ ही राजस्थान की राजनीति की अच्छी समझ है। वसुंधरा लोकसभा और विधानसभा दोनों में ही लगातार चुनाव जीतती रही हैं। 2003 तक बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकारों में उन्होंने अलग-अलग मंत्रालयों को भी संभालना है। 1985 से वह राजस्थान की सियासत में सक्रिय हैं। ऐसे में भाजपा उन्हें दरकिनार नहीं कर सकती। हाल में ही कर्नाटक चुनाव के दौरान हमने देखा था कि किस तरीके से बीएस येदियुरप्पा की अनदेखी करना पार्टी के लिए हानिकारक साबित हो गया।

वसुंधरा राजे बड़ी नेता

इसमें कोई भी दो राय नहीं है कि राजस्थान में भाजपा के भीतर वसुंधरा राजे से बड़ा कोई नेता नहीं है। इसके साथ ही वह राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत के मुकाबले एक बड़ी नेता है। राजस्थान की राजनीति 2003 के बाद से लगातार इन्हीं दोनों नेताओं की इर्द-गिर्द घूमती रही है। वसुंधरा राजे भाजपा की लोकप्रिय नेता भी बनी और उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव भी जीता। अभी भी भाजपा की ओर से सीएम चेहरे को लेकर जनता में वसुंधरा राजे सबसे पहली पसंद है। 2018 में भी जब तमाम जगह इस बात के दावे किए जा रहे थे कि इस बार राजस्थान में भाजपा की हालत बेहद खराब है तब भी वसुंधरा राजे ने कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी थी और भाजपा 73 सीटों पर चुनाव जीतने में कामयाब हुई थी।

राजस्थान में वसुंधरा राजे को जमीन से जुड़ी हुई नेता बताया जाता है। वैसी नेता है जो लगातार लोगों के बीच रहती हैं। लोगों से मिलती जुलती हैं। संगठन पर भी मजबूत पकड़ रखती हैं और पार्टी को भी साथ लेकर चलती हैं। हालांकि, यह बात भी सच है कि 2018 में मिली चुनावी हार के बाद संगठन पर उनकी पकड़ थोड़ी कमजोर हुई। हालांकि, उन्हें विधायकों का भरपूर साथ मिला। जब से सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, वसुंधरा राजे पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाने लगीं। उनकी नाराजगी को देखते हुए पूनिया को हटाकर सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। तब जाकर महारानी सक्रिय दिखाई देने लगे। हाल में भाजपा ने राजस्थान में परिवर्तन यात्रा निकाला था। परिवर्तन यात्रा को लेकर कई तरह की खबरें आईं। दावा किया गया कि राजस्थान के कई इलाकों में इस यात्रा में भीड़ नहीं जुट पाई।

महिला आरक्षण बिल के बंधनकारी प्रावधानों को हटाने की मांग, केंद्र के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

कोरबा। महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं की माने तो जिस बिल को पारित किया गया है,उसमें कई बंधनकारी प्रावधान हैं। जिन्हें तत्काल हटाने की आवश्यकता है।अपनी मांगों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला शक्ति के सशक्तिकरण के उद्देश्य से महिला आरक्षण बिल पारित किया गया है।इसलिए संसद में पारित महिला आरक्षण बिल में एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को शामिल करते हुए बंधनकारी प्रावधानों को हटाना चाहिए।

जातिगत जनगणना कराने की मांग– धरने में कांग्रेसियों ने कहा कि समाज के पिछड़े समुदाय के लोगों की सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक उन्नति को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जिससे देश में समता स्थापित हो। कानून के मुताबिक आरक्षण लागू किए जाने के लिए पूरे देश में जल्द से जल्द जातिगत जनगणना करायी जाए।

छत्तीसगढ़ में संशोधित आरक्षण लागू करने की भी मांग– कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान भूपेश बघेल सरकार ने क्रांटिफायबल डाटा समिति का गठन कर जनगणना कराई थी।इसके बाद क्रांटिफायबल डाटा के आधार पर विधानसभा में आरक्षण संशोधन विधेयक पास हुआ था। लेकिन इसे कानूनी मान्यता नहीं मिली।इस विधेयक को भी जल्द से जल्द कानूनी मान्यता मिले।ताकि सभी के लिए राष्ट्र हित में सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके।

राहुल गांधी भी कर चुके हैं जातिगत जनगणना की मांग– आपको बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में जातिगत जनगणना की बात की थी। कोरबा में हुए धरना प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल ने कहा कि राजनीतिक संगठन के घटक के तौर पर देश और समाज के हित के लिए यह आवश्यकता महसूस हो रही है। एक आदर्श लोकतंत्र की स्थापना समाज के प्रत्येक समुदाय के लिए सामाजिक न्याय और समता के अधिकार की सुरक्षा कानून के तहत होना जरुरी है। ताकि न सिर्फ भारत के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की सुरक्षा हो बल्कि उसे संविधान से मिले अधिकारों को सरल, सुविधाजनक और आनंददाई ढंग से उपयोग करने में सुविधा हो।

सुरेंद्र जायसवाल ने कहा देश के प्रत्येक समुदाय के लोगों को समानता की स्थिति में लाने के लिए उनकी जनसंख्या घनत्व के अनुसार उन्हें विशेष सरकारी आरक्षण तत्काल से तत्काल दिलाया जाना चाहिए। जिससे उनकी दयनीय स्थिति में परिवर्तन लाया जा सके।

आपको बता दें कि धरना प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप जायसवाल, प्रकोष्ठ अध्यक्ष गजानंद साहू, निगम सभापति श्याम सुंदर सोनी, अमरु दास महंत ,पूर्व पार्षद मुकेश राठौर, कृष्णी राठौर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद थे।

महिला के शरीर में मिला तीन किडनी, डॉक्टर हुए आश्चर्य

भिलाई। स्पर्श अस्पताल में एक दुर्लभ बीमारी का मामला सामने आया है जहां एक महिला के शरीर में तीन किडनी मिली है। पेट में इंफेक्शन एवं तेज दर्द के उपचार के लिए उक्त महिला अस्पताल पहुंची थी। सीटी स्कैन सहित अन्य जांच के बाद मामला सामने आया कि उस महिला के शरीर में तीन किडनी है, इसे देखकर डॉक्टर भी आश्चर्य हो गए।

न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर शिवेंद्र तिवारी ने बताया कि दुनिया भर में ऐसे लगभग 100 ही मामले इस तरह के होंगे, ऐसा उन्होंने मेडिकल रिसर्च की किताबों के आधार पर कहा। मेडिकल के क्षेत्र में इस तरह के मामले को सुपरन्यूमेरी किडनी कहा जाता है। मानव शरीर में 4 किडनी भी होती हैं लेकिन जीवन में पहली बार तीन किडनी देखकर उन्हें काफी आश्चर्य हुआ। उन्होंने बताया कि महिला के शरीर में इंफेक्शन और तेज दर्द था। जब उसका सीटी स्कैन किया गया तो रिपोर्ट में तीन किडनी होना पाया गया। अचानक रिपोर्ट को देखकर किसी को विश्वास नहीं हुआ इस वजह से दोबारा जांच कराई गई।

डॉक्टर तिवारी ने बताया कि महिला के शरीर में दो किडनी ट्यूब और ब्लेडर में आकर मिल रही थी। इसके अलावा एक ट्यूब ब्लाक था। उसी किडनी की वजह से महिला के शरीर में दिक्कत आने लगी थी। जांच के बाद उपचार करते हुए इंस्टेंट डाला गया। तीन-चार दिन बाद महिला पूरी तरह स्वस्थ हो गई इसके बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया।

सुकमा के कोंटा में पोलिंग बूथ शिफ्ट करने का विरोध ग्रामीणों ने गांव में ही वोटिंग करने की उठाई मांग

सुकमा। छत्तीसगढ़ में आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा से एक अच्छी तस्वीर सामने आई है। चुनाव का हिस्सा बनने की मांग को लेकर सुकमा जिले में सैकड़ों आदिवासियों ने गुरुवार को एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। नक्सलियों का डर दिखाकर निर्वाचन अधिकारी ने छह मतदान केंद्रों को शिफ्ट किया था। इन मतदान केंद्रों में वोट डालने वाले वोटर्स ने फिर से केंद्रों को पहले वाली जगह में ही करने की मांग की है।इसके लिए ग्रामीणों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के नाम सुकमा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है।

नक्सली दहशत हुई कम,तो क्यों पोलिंग बूथ में बदलाव ?

ग्रामीण प्रदर्शनकारी महिला ने बताया कि सुकमा जिले के गोन्डेरास, मारोकी, गुफडी, मानकापाल, गोंदपल्ली के 6 पोलिंग बूथ को करीब 10 से 12 किलोमीटर दूर शिफ्ट किया गया है। जब नक्सलियों का मूवमेंट था, उस दौरान के सभी चुनाव में ग्रामीण अपने ही पंचायतों में अपना मतदान करते थे।अब इन इलाकों में नक्सली बैकफुट पर हैं।

प्रदर्शनकारी महिला ने कहा नक्सलवाद को खत्म करने की बात कही जाती है। इन गांवों के पास सुरक्षाबल के कैम्प भी हैं। इसके बावजूद भी निर्वाचन आयोग ने पोलिंग बूथ को शिफ्ट कर दिया है। जो पूरी तरह से गलत है। जैसे पहले के चुनाव में मतदान होते थे। वैसे ही अभी भी मतदान केन्द्रों को पंचायत में ही कर देना चाहिए।

पहले के मुकाबले अब इलाका ज्यादा सुरक्षित

मारोकी के सरपंच छविंद्र मरकाम के मुताबिक जब पहले इलाका सुरक्षित नहीं था। उस दौरान पंचायतों में मतदान होता था।लेकिन अब जब गांव के पास ही कैंप बन गए हैं तो मतदान केंद्रों को 12 किलोमीटर दूर शिफ्ट कर दिया गया है।

सरपंच छविंद्र मरकाम ने कहा गांव और मतदान केंद्रों के बीच नदी, नाला, पहाड़ है। पंचायत के युवा को मतदान करने जा सकते हैं। लेकिन बुजुर्ग लोग वहां तक कैसे पहुंचकर मतदान करेंगे। यदि पोलिंग बूथ गांव में रहेगा तो ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना नहीं पड़ेगा।पोलिंग बूथ दूर शिफ्ट करने पर मतदान प्रतिशत घटेगा।

शिफ्ट किए गए बूथों में कितने मतदाता ?

सुकमा जिले के इन 6 मतदान केंद्रों में करीब 5 हजार मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हैं। यदि मतदान केंद्रों को शिफ्ट किया जाता है। तो मत प्रतिशत में कमी देखने को मिलेगी। 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कोंटा विधानसभा सीट पर जीत का अंतर लगभग 5 हजार वोट था।अब सुकमा जिले में 6 मतदान केंद्रों के मतदाता लोकतंत्र का हिस्सा बनने के लिए आंदोलन कर रहे हैं।यदि वक्त रहते इन पोलिंग बूथों को शिफ्ट नहीं किया गया,तो आने वाले चुनाव में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

बेमेतरा में डायरिया के कहर के बीच बड़ी लापरवाही

बेमेतरा। बेमेतरा का साजा डायरिया का हॉटस्पॉट बना हुआ है। साजा के डोंगीतराई में डायरिया के प्रकोप से एक बच्ची की मौत हो गई है। जबकि 9 लोग डायरिया की चपेट में हैं। सभी डायरिया पीड़ितों को साजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। साजा में डायरिया के बढ़ते मामलों से लगातार हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम हरकत में है। इधर डायरिया के बढ़ते केसों के बीच बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां सफाई कर्मी मरीजों को ड्रिप चढ़ाते हुए पाया गया। मामले ने तूल पकड़ा तो अब केस में जांच की बात कही जा रही है। साजा में डायरिया से 14 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची का नाम लक्ष्मी यादव बताया जा रहा है। इलाज के दौरान इस बच्ची की मौत हुई। डायरिया के बढ़ते केसों को देखते हुए साजा के एसडीएम विश्वास राव मास्के डोंगीतराई गांव पहुंचे। जहां डायरिया पीड़ितों का उन्होंने हाल चाल जाना। उन्होंने गांव में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से किए जा रहे इलाज की जानकारी ली। अस्पताल में भर्ती मरीजों से बात की और बीएमओ से जानकारी ली है।

डायरिया के बढ़ते केसों के बीच साजा में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां सफाई कर्मचारी पर मरीजों को ड्रिप चढ़ाने का आरोप लगा है। आखिर नर्सिंग और मेडिकल स्टाफ के होने के बाद भी सफाई कर्मी ने क्यों ड्रिप चढ़ाया। यह समझ से परे है। जिला प्रशासन जांच की बात कह रहा है। साजा एसडीएम विश्वास राव मस्के ने कहा कि सुबह यह जानकारी मिली थी कि डोंगीतराई के लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जिन्हें उल्टी दस्त की शिकायत है। डिहाइड्रेशन की शिकायत है। उन्होंने कहा कि मैंने गांव और अस्पताल जाकर जायजा लिया है। व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

दिल्ली का सोना 1200 किलोमीटर दूर छत्तीसगढ़ कैसे पहुंचा ?

बिलासपुर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 सितंबर को ज्वेलरी शोरूम से 25 करोड़ रुपये के सोने की चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर पुलिस ने चोरी किए गए सोने की ज्वेलरी के साथ ही दो चोरों लोकेश श्रीवास और उसके साथी शिवा चंद्रवंशी को भी गिरफ्तार कर लिया है जिसमें इसका मास्टरमाइंड भी शामिल है। दरअसल पुलिस ने जब आरोपी के ठिकाने पर छापेमारी को तो चादर पर बिछे सोने को देखकर पुलिस भी दंग रह गई। चादर पर सोने की 18 किलो से भी ज्यादा की ज्वेलरी रखी हुई। पुलिस जिस वक्त छापा मारने पहुंची थी उस समय इन गहनों को चादर, बैग और बोरे में छुपाकर रखा गया था। फिलहाल बड़ा सवाल ये है कि राजधानी दिल्ली में हुई लूट का सोना 1200 किलोमीटर दूर छत्तीसगढ़ कैसे पहुंचा? पुलिस इस एंगल से भी पूरे मामले की जांच में जुटी है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पुलिस की एसीसीयू और सिविल लाईन थाने की टीम ने अपने यहां सात चोरियों को अंजाम देने वाले लोकेश श्रीवास को दुर्ग के स्मृतिनगर थाना क्षेत्र से पकड़ा है। उसके पास से दिल्ली में ज्वेलरी शोरूम से चोरी किए गए अठारह किलो से ज्यादा सोने को भी बरामद किया गया है। आरोपी के कब्जे से दिल्ली के जंगपुरा के ज्वेलरी शॉप में की गई चोरी का 18 किलो से ज्यादा सोना- हीरे के आभूषण और बिलासपुर, कवर्धा में हुई चोरी के मामले में ज्वेलरी भी जब्त की है। पुलिस को ये बड़ी सफलता एसपी संतोष सिंह के नेतृत्व में मिली है। दिल्ली पुलिस भी बिलासपुर पुलिस के संपर्क में है।

दरअसल, बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सात चोरी की वारदातें हुई थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी संतोष सिंह ने एसीसीयू और सिविल लाइन पुलिस को जांच कर आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। पुलिस जांच के दौरान चोरी में शामिल दूर निवासी लोकेश के बारे में जानकारी मिली। इस सूचना के बाद बिलासपुर पुलिस, दुर्ग पुलिस और रायपुर पुलिस के सहयोग से दुर्ग समृतिनगर थाना क्षेत्र के एक घर से लोकेश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बिलासपुर में हुई चोरी के मामले में 12.50 लाख के माल की जब्ती की गई। वहीं आरोपी से कड़ाई से पूछताछ करने पर राजधानी दिल्ली के जंगपुरा में सनसनीखेज ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी की बात भी कबूल की। आरोपी के कब्जे से दिल्ली जंगपुरा में चोरी हुए 18 किलो से ज्यादा के सोना और हीरे के आभूषण बरामद किये गये हैं। आरोपी ने पूछताछ में कवर्धा निवासी अपने साथी शिवा चंद्रवंसी के बारे में भी जानकारी दी। बिलासपुर पुलिस ने शिवा को गुरुवार को ही कवर्धा से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से कवर्धा के ज्वेलरी दुकान में हुई 23 लाख की ज्वेलरी बरामद की गई है। इस मामले में दोनों आरोपियों को पुलिस बिलासपुर लेकर पहुंची है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मुंगेली डीईओ के निलंबन पर हाईकोर्ट का स्टे

मुंगेली। मुंगेली की निलंबित जिला शिक्षा अधिकारी सविता राजपूत को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। उच्च न्यायालय ने शासन द्वारा जारी किए गए निलंबन आदेश पर फिलहाल स्टे लगा दिया है। दरअसल, सविता राजपूत का रिटायरमेंट इसी माह सितंबर में होना है और रिटायरमेंट के 15 दिन पहले उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठाए बिना विभाग ने निलंबित कर दिया था। इसके पीछे की बड़ी वजह एरियर्स की राशि का भुगतान न होना पाया गया था। अपने निलंबन के खिलाफ सविता राजपूत ने उच्च न्यायालय में अपील की थी। जहां उनके वकील ने न्यायालय के समक्ष यह दलील पेश की की सविता राजपूत महज 15 दिनों में रिटायर होने वाली हैं और उन्हें विभागीय जांच बैठाए बिना ही निलंबित कर दिया गया। इसके खिलाफ सरकारी वकील ने भी अपनी बात रखी लेकिन जज ने सविता राजपूत के पक्ष में निर्णय देते हुए फिलहाल इस मामले में कोर्ट ने स्टे लगा दिया है और अब मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

गांधी जयंती पर शुष्क दिवस घोषित

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पदुम सिंह एल्मा ने आज एक पत्र जारी कर 2 अक्टूबर दिन सोमवार को गांधी जयंती पर शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश जारी किए हैं इस अवसर पर जिले में स्थित समस्त देशी/विदेशी मदिरा मद्य भण्डारण भाण्डागार बंद रहेगा। इस दौरान जिले में स्थित समस्त देशी मदिरा एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों, रेस्टोरेंट बार, भांग एवं भांगगोटा की फुटकर दुकानों को बंद रखा जाएगा। मदिरा की कोई भी दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब आदि एवं मदिरा बेचने, परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठान/व्यक्ति, चाहे वह जो भी हो, को मदिरा बेचने व परोसने की अनुमति न दी जाये। गैर मालिकाना क्लबों, रेस्टोरेंटों, स्टार होटलों आदि और किसी के भी द्वारा चलाये जाने वाले होटलों को भी उपरोक्तानुसार घोषित शुष्क दिवस में मदिरा बेचने व परोसने की अनुमति न दी जाएगी। उक्त अवधि के दौरान मदिरा के व्यक्तिगत भंडारण पर एवं गैर लाइसेंस प्राप्त परिसरों में मदिरा के भण्डारण पर सख्ती से रोक लगायी जाये और उन्हें जप्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

कृत्रिम गर्भाधान योजना से मिल रहा है आर्थिक संबल

महासमुंद। सुरेश कुमार यादव विकासखण्ड महासमुंद के ग्राम बिरबिरा के निवासी है। वे बताते है कि वर्ष 2019-20 में उनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। वे आय का नया जरिया तलाश करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के संपर्क में आए जिससे उन्हें राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान योजना के बारे में पता चला। जिसके तहत विभाग तथा प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता के द्वारा हितग्राहियों के घर पर जा कर उन्नत नस्ल के सांड के वीर्य के द्वारा पूर्णतः निःशुल्क कृत्रिम गर्भाधान किया जाता है। श्री सुरेश कुमार यादव अपने घर की गाय जो कि बहुत कम दुग्ध उत्पादन करती थी, पशुधन विकास विभाग द्वारा उन्नत नस्ल के साहीवाल सांड के वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान करवाया। उन्होंने पशुधन विकास विभाग के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार अपनी गाय का खान-पान एवं रख-रखाव किया। साथ ही समय-समय पर विभाग द्वारा चलाए गए निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम का भी लाभ लिया।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से गई जान

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले मे नैला के दर्री पारा में झोलाछाप डॉक्टर से इंजेक्शन लगवाने के बाद महिला किरन ताम्रकार की तबीयत बिगड़ने के बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है और कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। इधर आरोपी झोलाछाप डॉक्टर फरार बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कन्हाईबंद के रहने वाले राकेश ताम्रकार पत्नी किरन ताम्रकार के साथ गुरुवार की शाम करीबन चार बजे नैला रेलवे स्टेशन पर बने गणेश की मूर्ति देखने आए हुए थे। गणेश भगवान के दर्शन कर अपने घर जा रहे थे तभी किरन ने अपने पति को बुखार होने की जानकारी दी। जिसके बाद वे दोनो नैला के दर्री पारा में झोलाछाप डॉक्टर सुनील प्रधान के क्लीनिक गए और इंजेक्शन लगवा लिया। इंजेक्शन लगाने के बाद किरन की तबीयत खराब होने लगी तभी उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अंबिकापुर में सामूहिक गणेश विसर्जन कार्यक्रम संपन्न

सरगुजा। अंबिकापुर में गुरुवार को गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन धूमधाम से किया गया।इस दौरान पूरे शहर में विशेष तौर पर तैयार झांकियां निकाली गईं।शहर में स्थापित गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन से पहले घड़ी चौक पर लोकमान्य बालगंगाधर तिलक गणपति समिति ने स्वागत किया।इस दौरान गणपति प्रतिमा का पूजन करने के बाद समितियों को सम्मानित किया गया। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान स्थानीय बच्चों समेत बाहर से आए कलाकारों ने परफॉर्मेंस दी।गणपति पूजा समिति ने इसके लिए विशेष इंतजाम किए थे। मंच पर कलाकारों को कला का प्रदर्शन करते देखने के लिए भारी भीड़ भी इकट्ठा हुई।इसके बाद समिति के पदाधिकारी और सदस्यों ने कार्यक्रम में आए कलाकारों का सम्मान भी किया। शहर के अलग-अलग गणपति पंडालों में भजन कीर्तन और जगराता का कार्यक्रम भी हुआ। गणपति प्रतिमा के विसर्जन से पहले गणेश पूजा समितियों ने कई जगहों पर भंडारे का भी आयोजन किया था।

राजनांदगांव में गणपति झांकियों को देखने उमड़े भक्त

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी राजनांदगांव अपनी झांकी के लिए मशहूर है।यहां गणेशोत्सव के बाद निकलने वाली झांकियों को देखने के लिए दूसरे राज्यों से भीड़ इकट्ठा होती है।छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लोग राजनांदगांव शहर की झांकी देखने के लिए आते हैं।शाम ढलने के बाद गणेश प्रतिमाओं के साथ जब झांकी निकलती है तो पूरे शहर का जनसैलाब सड़क के दोनों ओर इकट्ठा हो जाता है।चमचमाती लाइट्स और डीजे की धुन पर थिरकते हुए गणेश उत्सव समितियां झांकी निकालती हैं।

आपको बता दें कि राजनांदगांव में झांकी निकालने की परंपरा 80 साल पुरानी है। अविभाजित मध्यप्रदेश के दौर से राजनांदगांव में झांकी निकालने की परंपरा शुरु हुई।जो आज भी बिना रुके जारी है।

सूर्यकांत जैन, अध्यक्ष झांकी समिति ने कहा राजनांदगांव में सन 1937 से झांकी निकालने की परंपरा शुरु हुई है।जो आज भी पीढ़ी दर पीढ़ी जारी है।आज शहर में 35 से ज्यादा झांकियों को निकाला जा रहा है।

राजनांदगांव शहर में झांकियों का जुलूस शहर के कई हिस्सों से होकर गुजरा। मानव मंदिर चौक से होते हुए झांकियां भारत माता चौक की ओर निकली। इन झांकियों को अलग-अलग थीम में डिजाइन किया गया था।जिसमें रंगीन लाइट्स के साथ अयोध्या का राम मंदिर,शिवलोक, हिरणकश्यप वध, कोविड-19 समेत भगवान शिव का परिवार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। राजनांदगांव में इस बार झांकियों को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी है।संस्कारधानी में बड़े ही शांतिपूर्ण तरीके से झांकी निकाली गई।हमें गर्व है कि हम संस्कारधानी के निवासी है।

गुरुवार शाम करीब 7 बजे से गणेश उत्सव समितियों ने झांकियां निकालनी शुरु की।इन झांकियों को एक के पीछे एक लगाकर निकाला गया।शाम को शुरु हुआ झांकी का सिलसिला शुक्रवार सुबह तक चला। झांकी अपने गंतव्य तक पहुंचने के बाद गणपति प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया।

अरुण वर्मा,एसडीएम ने कहा राजनांदगांव में बड़ी संख्या में झांकियां निकाली जाती है।पिछले साल की तुलना में इस बार ज्यादा झांकी टोटल 35 झांकियां निकाली गई है।जिसे देखते हुए हमने पूरे शहर में पर्याप्त सुरक्षा बल लगाया है।

झांकियों को देखने आई भीड़ के मद्देनजर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद दिखा।शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।झांकी के दौरान 500 से ज्यादा पुलिस बल सुरक्षा के लिए मौजूद था।

पुष्पांजलि को अब पानी लेने नहीं जाना पड़ता घर से बाहर

कोरबा। दूरदराज के गांवों के लोगों को पीने के लिए शुद्ध जल अब उनके घर में ही मिल रहा है। जल जीवन मिशन योजना के तहत कोरबा जिले के प्रत्येक ग्राम बसाहट के हर घर में नल कनेक्शन दिया जा रहा है। जिससे लोगों की पेयजल प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। कोरबा विकासखण्ड के ग्राम पंडरीपानी में ग्रामीणों को उनके घर तक पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन के द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इस व्यवस्था से गांव के सभी लोग बहुत खुश हैं। योजना से पूर्व पंडरीपानी गांव के लोग पीने के पानी के लिए पहले मुख्य रूप से हैंडपंप, कुंआ अदि पर निर्भर रहना पड़ता था हर घर में नल जल मिलने से ग्रामीणों में उत्साह है। लोगो मे जन जागरूकता लाने ग्राम सभा में जल सम्बंधित चर्चा व व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाने लगा। जिससे यहां के लोग में स्वच्छ पीने के पानी की शुद्धता एवं अच्छे स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता आई है। पंडरीपानी की रहने वाली श्रीमती पुष्पांजलि सिंह ने जल जीवन मिशन के तहत अपने घर में ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि घर बैठे ही उन्हें शुद्ध जल मिल जाने से उन्हें एवं उनके परिवार के लोगों को राहत मिली है। घर पर ही पर्याप्त मात्रा में जल मिलता है। पुष्पांजलि कहती है कि पहले उन्हें अपने घर वालो के लिए पेयजल लाने के लिए दूर जाना पड़ता था, जिससे उन्हें परेशानी होती थी। अब घर के आंगन में ही पानी भरने की सुविधा उपलब्ध हो जाने से उन्हें पानी लाने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। उन्होंने बताया कि जल का उपयोग खाना पकाने के साथ ही अन्य घरेलू कार्यो में किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद जारी हो जाएगी सूची : ओम माथुर

रायपुर। दिल्ली रवाना होने से पहले मीडिया से कुछ बात की प्रदेश भाजपा के प्रभारी ओम माथुर ने, कहा कि एक अक्टूबर को केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक है, और बैठक के बाद प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी जाएगी।उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा व राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष के साथ बैठक का ब्यौरा दिया। उन्होंने प्रत्याशी चयन के मसले पर सिर्फ इतना ही कहा कि हमने अपना काम कर दिया है। एक अक्टूबर को केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी, और बैठक के बाद सूची जारी कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि बैठक में 69 सीटों को लेकर विचार-विमर्श किया गया है। कहा जा रहा है कि कुछ विधायकों को लोकसभा का चुनाव लड़ाया जा सकता है। साथ ही दो-तीन सांसदों को विधानसभा चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

2 से कांग्रेस की भरोसा यात्रा, 90 विधानसभा के गांवों तक पहुंचेंगे कांग्रेसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टी तैयारी में जुट गई है। सभी पार्टी के दिग्गज नेता चुनावी रणनीति के मंत्र फूंकने छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। कार्यकर्ता बूथ स्तरों तक पहुंचकर अपने-अपने पार्टियों के काम गिना रहे हैं। वहीं एक तरफ बीजेपी प्रदेश में परिवर्तन यात्रा निकाल रही है तो दूसरी ओर कांग्रेसी भी गांव-गांव तक जाकर चुनावी शंखनाद करेंगे। कांग्रेस 2 अक्टूबर को विधानसभा स्तरीय भरोसा यात्रा निकालेगी। इसके मध्यम से प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्रों के गांवों तक पहुंचेंगे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस एक दिवसीय विधानसभा स्तरीय कांग्रेस भरोसा यात्रा निकालेगी। सभी विधानसभा के गांव-गांव तक पहुंचकर राज्य सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं को अवगत कराएंगे। पूर्व रमन सरकार की कमियों को गिनाएंगे। यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभा करते हुए आमसभा के रूप में समापन होगा। कार्यक्रम में लोकसभा स्तर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव, उप-मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव सरगुजा एवं रायगढ़, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर एवं कांकेर, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू दुर्ग-बिलासपुर, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, कोरबा और जांजगीर। वहीं नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया रायपुर एवं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे।

राजीव गांधी आश्रय योजना अंतर्गत पश्चिम विधानसभा में पट्टा वितरण कार्य प्रारंभ

रायपुर। राजीव गांधी आश्रय योजना अंतर्गत पश्चिम विधानसभा में पट्टा वितरण कार्य का शुभारंभ शुक्रवार को करते हुए संसदीय सचिव व स्थानीय विधायक विकास उपाध्याय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुए कहा कि हमने जो कहा था वह किया,पहली कड़ी में आज बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 18 व दानवीर भामाशाह वार्ड क्रमांक 26 में मिनी माता चौक पर पट्टा वितरण किया गया। इस मौके पर पट्टा पाकर लोगों की खुशी चेहरे पर साफ झलक रही थी। आगे क्रमशःयह जारी रहेगा।

ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को मिली उत्कृष्ट कामयाबी

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत मंडपम, प्रगति मैदान,नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में बेस्ट टूरिज्म विलेज प्रतियोगिता के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सरोदा दादर ग्राम को सर्वश्रेष्ठ ग्रामों की सिल्वर कैटेगरी में सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य अपने नयनाभिराम स्थलों, पर्यटन नवाचारों और पर्यटन विकास गतिविधियों के साथ पर्यटकों को उत्तम सेवा प्रदान करने में सक्षम है। ग्रामीण पर्यटन, सस्टेनेबल टूरिज्म एवं रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म की अवधारणा को विकसित करने में छत्तीसगढ़ अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता चला आ रहा है। सरोदा दादर को ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिली है जिसका प्रतिसाद आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को अवश्य मिलेगा। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ पर्यटन की ओर से डॉ.शुभदा चतुर्वेदी, नोडल ऑफिसर, रूरल टूरिज्म तथा श्री मंगल सिंह धुर्वे, सरोधा दादर ग्राम द्वारा ग्रहण किया गया। इस अवसर पर सुश्री कुमुद मिश्रा एवं सरोदा ग्राम को बेस्ट टूरिज्म विलेज प्रोजेक्ट के महत्वपूर्ण सहयोगी श्री कृष्णा केवट भी उपस्थित थे।

गणेश प्रतिमा विसर्जन झांकी आज पुलिस ने जारी किया रुटमैप

रायपुर। जिला एवं पुलिस प्रशासन ने शनिवार की देर रात को निकलने वाली गणेश विसर्जन झांकी के लिए आम नागरिक जाम की स्थिति में न फंसे इसके लिए एक दिन पहले ही ट्रैफिक का पूरा रुटमैप जारी कर दिया है। झांकी देखने के लिए रायपुर शहर के साथ ही आस पास के ग्रामीणजन लाखों की संख्या में एकत्रित होते है। विसर्जन झांकी एम. जी. रोड-शारदा चौक- जयस्तंभ चौक- मालवीय रोड- चिकनी मंदिर कोतवाली चौक-सदर बाजार सद्दाणी चौक सत्तीबाजार-कंकाली तालाब- पुरानी बस्ती थाना के सामने से होकर लाखेनगर चौक- सुन्दरनगर, रायपुरा चौक होकर महादेव घाट, खारून नदी में संपन्न होगी। पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी रुट मैप के अनुसार महादेव घाट विसर्जन स्थल से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन पश्चात वाहनों की वापसी महादेव घाट तिराहा से एनीकट मार्ग- भाठागांव-भाटागॉव चौक- रिंग रोड - 01 होकर होगा। 30 सितंबर से 1 अक्टूबर तक गणेश विसर्जन कार्यक्रम के दौरान सभी प्रकार के माल वाहक वाहनों का आवागमन रायपुरा चौक से महादेव घाट अमलेश्वर नदी पुल तक रोक दिया जावेगा।

आरक्षण बिल को राजभवन में रोकना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा : बैज

अमित शाह बतायें आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर क्यों नहीं हो रहा?

रायपुर। चुनाव में आरक्षण बिल सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा होगा कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच लेकर जायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह बतायें आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल हस्ताक्षर क्यों नहीं कर रहे है? आरक्षण विधेयक को भाजपा ने राजभवन में रोकवा कर रखा हुआ है। यह भाजपा का गरीब विरोधी, आदिवासी विरोधी, पिछड़ा वर्ग विरोधी, अनुसूचित जाति विरोधी कदम है। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने राज्य के सभी वर्ग के लोगो के हितों में ध्यान रख कर आरक्षण विधेयक बनाया है और सभी जाति वर्ग की उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। कांग्रेस की सरकार और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लोगों को आरक्षण देने का श्रेय न मिले इसी राजनैतिक विद्वेष के कारण भारतीय जनता पार्टी राज्यपाल से हस्ताक्षर नहीं होने दे रही है।

बैज ने कहा कि जो आरक्षण विधेयक राजभवन में अटका हुआ है उसके लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार अमित शाह हैं। राज्यपाल, केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में ही काम करते हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे दुर्भावनावश इसलिए रोक कर रखा है ताकि आरक्षण का लाभ प्रदेश की जनता को ना मिल सके और राजनैतिक लाभ भूपेश सरकार को ना मिल सके। भाजपा को यह डर सता रहा है कि यदि भूपेश सरकार में 76 प्रतिशत आरक्षण लागू कर दिया तो ओबीसी, एसटी, एससी और ईडब्ल्यूएस को आरक्षण का अधिकार मिल जाएगा और उसके बाद भाजपा चुनाव में 14 सीट बचाने की स्थिति में भी नहीं रहेगी। विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हो चुके आरक्षण विधेयक को राजभवन में निरुद्ध करवाकर शाह छत्तीसगढ़ के सर्वसमाज का हित बाधित कर रहे है। शाह बिल्कुल भी नहीं चाहते कि प्रदेश के बेरोजगार युवाओं और जनता को उनका अधिकार मिले। भाजपा और शाह छत्तीसगढ़ के युवाओं को उनके अधिकारों से वंचित और दर-दर भटकते देखना चाहते हैं। भाजपा का आरक्षण विरोधी चरित्र कांग्रेस चुनावी मुद्दा बनायेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी समाज से बदला लेने के लिये आरक्षण बिल को राजभवन में रोकवा कर रखी है। 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी सीटों पर भाजपा की पराजय हुई थी। आदिवासी समाज ने भाजपा को नकार दिया था इसलिये भाजपा आदिवासी समाज के आरक्षण में बाधा उत्पन्न कर रही है। कांग्रेस सरकार ने आदिवासी समाज सहित सभी समाजों के लिये 76 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पारित करवाया है। कांग्रेस सरकार को इसका श्रेय न मिले इसलिये भाजपा विधेयक रोकवा कर स्तरहीन राजनीति कर रही लेकिन भाजपा की हकीकत जनता के सामने आ गयी है। आरक्षण संशोधन विधेयक पर कांग्रेस भाजपा के षडयंत्र को कांग्रेस चुनाव में जनता के बीच ले जायेगी। भाजपा के दबाव के कारण ही राजभवन में आरक्षण संशोधन विधेयक रूका है। यह विधेयक पूरी तरह से संवैधानिक है। विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित है। इस विधेयक में राज्य के सभी वर्गो के हितों का ख्याल रखा गया है। कांग्रेस सरकार को आरक्षण लागू करने का श्रेय न मिले इसलिये भाजपाई आरक्षण संशोधन विधेयक को राजभवन में रोकवाये रखना चाहते है।

कांग्रेस ने घोषित किया मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला कार्यकारणी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की जिला कार्यकारिणी की सूची को अनुमोदित किया है। जिसमें जिला अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी, कोषाध्यक्ष नारायण खंडेलवाल, उपाध्यक्षगण अगनु राम कुमेटी, कृष्णकुमार देशमुख, सुजान सिंह पुरामे, बालचंद कोरेटी, घसियाराम नाग, रामकिशन खंडेलवाल, शिवनारायण खंडेलवाल, रूपचंद अमिला, सुभद्रा नेताम, कविता राणा, कमला देवी पिस्दा, अनिता कोर्राम, महामंत्री गण दिलीप सिंगने, राजेन्द्र जुरेसिया, कन्हैया राजपूत, धनंजय पाण्डेय, शमीम तिगाला, रफिक खान, श्यामसुंदर लाटा, लता साहू, निशु शाह, रामकेवल विश्वकर्मा, श्मसुद्दीन कुरैशी, कार्य. सदस्य गण शाहिदा बेगम, गमीता लोन्हारे, विद्या ताम्रकार, कुमारी बाई जुरेसिया, रामभगवान चंद्रवंशी, दिनेश शाह मंडावी, संयुक्त महामंत्री गण टीभू राम तारम, महेश कुंजाम, राकेश मंडावी, बशीर खान, विनाय कांडे, जगलाल कोमरे, मकसूदन जामड़ा, भूषण तिवारी, तुरीत प्रसाद तिवारी, अजय अग्रवाल, सचिव गण चेतन साहू, परशुराम नायक, अभिमन्यु मंडावी, नारद कचलामे, परसराम निषाद, गंगा साहू, जवाहर बोगा, ममता सिन्हा, राकेश संघोरिया, तिलक तुमरेटी, नरेश चुरेन्द्र, मीडिया प्रवक्ता सुरजीत सिंह ठाकुर, अब्दुल खालिक, देवांनद कौशिक, स्थायी आमंत्रित सदस्य इंद्रशाह मंडावी, छन्नी साहू, तेजकुंवर नेताम, भोलाराम साहू, गोवर्धन नेताम, संजय जैन, वीरेन्द्र मसीया, लगनुराम चंद्रवंशी, नरोत्तम देहारी, रितेश मेश्राम, जिला मोर्चा संगठन के अध्यक्षगण, नगरीय-निकाय, त्रिस्तरीय पंचायत क्षेत्र के निर्वाचित महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पदेन सदस्य होंगे। उक्त आशय के आदेश प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू ने जारी किया।

भाजपा जल्द जारी कर सकती है दूसरी लिस्ट : अरुण साव

■ भारतीय जनता पार्टी जीतने योग्य प्रत्याशी देगी

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को रायपुर दौरे पर रहे। दोनों दिग्गज नेताओं ने बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक ली। यह अहम बैठक करीब 6 घंटे तक चली। जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव सहित बीजेपी के तमाम नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद अमित शाह और जेपी नड्डा एक ही गाड़ी में सवार होकर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव मीडिया से मुखातिब हुए।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण शाह ने कहा, आने वाले समय में 30 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा बिलासपुर में है। फिर 3 अक्टूबर को जगदलपुर में उनकी आमसभा है। इन सब की तैयारी को

लेकर आज विस्तार से बात हुई है। बीजेपी की इस अहम बैठक के बाद बीजेपी प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बीजेपी जल्द ही अपने प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर सकती है।

अरुण साव ने कहा भारतीय जनता पार्टी जीतने योग्य प्रत्याशी देगी। जैसे ही प्रत्याशियों की सूची जारी होगी आपको पता चलेगा कि कौन कौन चुनाव के मैदान में उतर रहे हैं। हम पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में जाने वाले हैं। जल्द सूची जारी होगी। इसमें हर वर्ग के लोगों को शामिल किया जाएगा। हम जीतने योग्य प्रत्याशी को टिकट देंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने आगे कहा, चुनाव की दृष्टि से अब तक जो अभियान संचालित किए गए हैं। दो परिवर्तन यात्रा भी निकल गई है और अन्य अभियान में कार्यक्रम चल रहे हैं, उनकी समीक्षा की गई। भारतीय जनता पार्टी मजबूती से यह चुनाव लड़ेगी। छत्तीसगढ़ की जनता परिवर्तन चाहती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने जीतने वाले उम्मीदवारों के टिकट देने की बात कही है, जिससे राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के महासचिव बीएल संतोष, राज्य प्रभारी ओम माथुर, सह-प्रभारी नितिन नबीन, राज्य इकाई प्रमुख अरुण साव, विधानसभा में विपक्ष के नेता नारायण चंदेल और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सहित अन्य बीजेपी नेता शामिल हुए।

भाजपा महिला मोर्चा ने किया धरसींवा थाने का घेराव

■ रेप मामले में पुलिस पर लापरवाही का आरोप

रायपुर। रायपुर जिले के धरसींवा के तरपोंगी गांव में गुरुवार को 5 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया, इसके विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को धरसींवा थाने का घेराव कर दिया है। भाजपा का आरोप है कि एफआईआर में देरी की गई। साथ ही जांच और कार्रवाई में भी पुलिस ने लापरवाही बरती। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल व रायपुर ग्रामीण महिला मोर्चा के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत के नेतृत्व में धरसीवा थाने का घिराव किया गया व असंवेदनशील थाना प्रभारी को सस्पेंड करने की मांग की।

महिला मोर्चा के विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। वारदात धरसींवा थाना इलाके के तरपोंगी गांव में हुई है। जहां मासूम को 14 साल का नाबालिग पड़ोसी बहला फुसला कर अपने साथ ले गया था। बच्ची की हालत बिगडऩे और वो जोर-जोर से रोने के बाद आरोपी वहां से भाग गया। बच्ची किसी तरह से अपने घर पहुंची। उसकी लहूलुहान हालत देखकर माता-पिता के होश उड़ गए। बच्ची ने पूरी बात बताई, जिसके बाद माता-पिता ने धरसींवा थाने में मामला दर्ज कराया। घटना गुरुवार दोपहर 1 बजे की है। बच्ची के पिता का कहना है कि बेटी को पहले

धरसींवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां उसे बाइक से लेकर आए। वो यहां 5 घंटे के करीब भर्ती रही, लेकिन उचित इलाज नहीं मिल सका। बच्ची की बिगड़ती हालत को देखकर उसे गुरुवार रात 9 बजे मेकाहारा रेफर किया गया, लेकिन वहां तक लाने के लिए भी एंबुलेंस नहीं मिल सकी। जिसके बाद पुलिस ने निजी वाहन से बच्ची को रायपुर के मेकाहारा लाकर भर्ती कराया है। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने धरसींवा थाने का घेराव किया है। इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही पुलिस पर आरोप लगाया है कि, वारदात के बाद पुलिसकर्मी वहां मौजूद थे लेकिन इसके बाद भी बच्ची को बाइक में उनके परिजन को लाना पड़ा। परिवार को 5 घंटे तक थाने में बैठाकर रखा गया। एफआईआर दर्ज करने में भी अनावश्यक देर की गई। आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

शिक्षक पदोन्नति गड़बड़ी में आगे और भी नाम आएंगे तो होगी कार्रवाई: चौबे

बेमेतरा। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री रविन्द्र चौबे गुरुवार को बेमेतरा दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने बेमेतरा में जिला कांग्रेस कमेटी के नवनिर्मित कार्यालय राजीव भवन का लोकार्पण किया। शिक्षा मंत्री ने जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से भी सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मंत्री रविंद्र चौबे ने मीडिया से बातचीत करते हुए शिक्षक पदोन्नति में हुए गड़बड़ी पर कार्रवाई करने की बात कही।

प्रदेश में 75 पार सीट लाकर बनायेंगे सरकार

पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा, अनंत चतुर्दशी के दिन नए राजीव भवन का लोकार्पण हम लोगों ने किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक-एक रुपए जोड़कर इस भव्य भवन का निर्माण कराया है। आने वाले समय में कांग्रेस की रणनीति, राजनीति और जितने भी कार्य होंगे, इसी कांग्रेस भवन से संचालित होंगे।

रविंद्र चौब ने कहा जिस प्रकार हमने

इस भवन की आज शुरुआत की है, यहां हमारे कार्य सार्थक होंगे। आने वाले समय में चुनाव है, छत्तीसगढ़ में हम भूपेश जी के नेतृत्व में 75 पार की सरकार बनाएंगे।

शिक्षक पदोन्नति में हुए घोटाले को लेकर मंत्री रवीन्द्र चौबे ने कहा, 17-18 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आगे कोई जानकारी मिलती है, तो आगे और कार्रवाई की जाएगी।कार्यक्रम को प्रदेश के संसदीय सचिव गुरदयाल सिंह बंजारे एवं बेमेतरा के विधायक आशीष छाबड़ा ने भी संबोधित किया। उन्होंने जिले के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को नए भवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बंसी पटेल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता गणेश राम गौ सेवक समेत कांग्रेसी मौजूद थे।

रमन राज के अत्याचार में ओपी चौधरी थे सहभागी गरीबों के घर दुकानों पर चलाया था बुलडोजर : वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने भाजपा प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी के ऑक्सीजोन के नाम पर हटाये गये व्यवस्थापन को लेकर दिये बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि असलियत यह है कि 70 दुकानदारों को सड़क पर लाने के लिए ओपी चौधरी ही जिम्मेदार हैं और उन्हें अपने इस कृत्य के लिए दुकानदारों से माफी मांगनी चाहिए।

रमन सरकार के दौरान ओपी चौधरी जब रायपुर कलेक्टर थे उस दौरान अनेको प्राचीन मंदिरों को तोड़ा गया। रमन राज में ही प्राचीन और ऐतिहासिक मरही माता मंदिर, मौली माता मंदिर तोड़े। कमीशनखोरी के लालच में डीएमएफ के पैसों से गलत तरीके से कटोरा तालाब का सौंदर्यीकरण किया गया, डीएमएफ के पैसों से वातानुकूलित ऑडिटोरियम, ऑक्सीजोन बनाए, दो-दो मंजिल के बिल्डिंग में चार-चार लिफ्ट लगाई अधिकारी के घरों में स्विमिंग पूल बनाए गए। खनन और उद्योग प्रभावित क्षेत्र के गरीब जनता के हक और

अधिकार को लूट कर खाएं। भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में 5 साल से कांग्रेस की सरकार है लेकिन वह रायपुर शहर में ऑक्सीजोन के नाम पर हटाए गए 70 दुकानदारों का व्यवस्थापन नहीं कर पाई। असलियत यह है कि रमन सरकार के दौरान अनैतिक कार्यो और प्रशासनिक आतंकवाद में ओपी चौधरी की अग्रणी भूमिका थी। बिना व्यवस्थापन के गरीबों के घर, मकान तोड़े गये, बेदखल किया गया। रोजी-रोटी छीनी गयी। सत्ता में रहने के दौरान किये गये पाप पर माफी मांगने के बजाय अब राजनैतिक लाभ के लिये अनर्गल बयानबाजी कर रहे है।

वर्मा ने कहा है कि ओ.पी. चौधरी जब रायपुर कलेक्टर थे उन्हीं के निर्देश पर दिसंबर 2017 में नगर निगम ने ऑक्सीजोन के नाम पर पंडरी रोड पर बनी उन दुकानों को तोड़ गिराया था। उन दुकानों के हटने के एक साल बाद तक प्रदेश में भाजपा की ही सरकार रही थी। उस सरकार में दो मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एवं राजेश मूणत रायपुर शहर के ही थे। जिस जगह से दुकानें हटीं वह एरिया रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र का था तब वहां के विधायक भाजपा के ही श्रीचंद सुंदरानी थे। सारे दुकानदार तब के कलेक्टर ओ.पी. चौधरी से लेकर बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत एवं श्रीचंद सुंदरानी के पास गुहार लगाते रहे थे, लेकिन उनमें से एक ने भी उनकी बात नहीं सुनी थी। प्रदेश में जब कांग्रेस की सत्ता आई तो लंबे समय से भटक रहे दुकानदारों के व्यवस्थापन की दिशा में काम शुरू हुआ। नगर निगम की सामान्य सभा से दुकानदारों के व्यवस्थापन का प्रस्ताव पास हो चुका है। वीरांगना अवंती बाई लोधी चौक पंडरी के पास व्यवस्थापन के लिए राज्य शासन ने अनुमति भी दे दी है। जल्द ही दुकानदारों का व्यवस्थापन हो जाएगा।

परिवहन मंत्री ने किया जिला परिवहन के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट एवं लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को ओर पारदर्शी बनाया : अकबर

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने आज यहां ज़िला मुख्यालय स्थित ज़िला परिवहन कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। मंत्री श्री अकबर ने कार्यालय के विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यालय की साफ़-सफ़ाई पर ज़ोर दिया। मंत्री श्री अकबर ने परिसर में छायादार फलदार पौधों का रोपण करने के अधिकारियों कहा। विधायक श्री आशीष छाबड़ा, कलेक्टर श्री पी.एस.एल्मा ने मंत्री का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया । इस मौके पर परिवहन विभाग के संयुक्त परिवहन आयुक्त श्री वेदव्रत सिरमौर, उप परिवहन आयुक्त श्री अंशुमन सिंह सिसोदिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पटेल, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने अपने संक्षिप्त कार्यक्रम में कहा कि वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट एवं लाइसेंस

जारी करने की प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया गया है। ताकि लोगों को ओर सरल बेहतर सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ड्राइविंग टेस्ट लिए बगैर लाइसेंस जारी नहीं हो। उन्होंने ज़रूरत मुताबिक़ ड्राइविंग टेस्ट और प्राइवेट फिटनेस सेंटर्स की संख्या बढ़ाने पर बल दिया। परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने नये कार्यालय भवन के लिए ज़िले की जानता और अधिकारियों.कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएँ दी।

ज़िला परिवहन अधिकारी श्री अरविंद भगत ने बताया कि कुल एरिया 3.8 एकड़ का है। 1.76 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए यह भवन सर्व सुविधा सम्पन्न है। नये कार्यालय भवन दो मंजिले भवन में गार्ड बैरकए विभिन्न शाखा स्थापना,अवाक-जावक,स्टोर रूम तथा रिकॉर्ड रूम समेत परिवहन विभाग से जुड़े अधिकारियों तथा कर्मियों के कार्यालय के लिए लिए अलग.अलग कमरे बनाए गए हैं। साथ ही परिसर में पर्याप्त गाडियों की पार्किंग की जगह हैं। परिसर में पर्याप्त गाडियों की पार्किंग की जगह है।नए भवन में ज्यादा जगह के साथ साथ जब्त वाहनों को रखे जाने के लिए भी पर्याप्त स्थान मौजूद है। साथ ही सुरक्षा कर्मियों के रहने के लिए भी बैरक बनाए जायेंगे।

ज़िला परिवहन के इस दो मंज़िला नये भवन में नीचे कॉन्फ्रेन्स हाल और दूसरी मंज़िल पर मीटिंग कक्ष निर्मित है। अधिकारी.कर्मचारी कक्ष के अलावा रिकॉर्ड रूमए स्टोर रूम, सर्वर रूम, स्थापना,पंजीयन शाखा भी अलग-अलग व्यवस्था है। लर्निंग लायसेंस,स्थायी लायसेंस, बस आदि परमिट व अन्य कार्य के संबंधित व्यक्ति सीधे कार्यालय न आकर परिसर में खुलने वाली विंडो से कागज़ात जमा करने की व्यवस्था है।इससे कार्यालय के भीतर आने की ज़रूरत नहीं होगी। डिजिटल लाइसेंसी फ़ोटो भी बाहर से खींचे जाएँगे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

डॉ. प्रियंका नितिन वर्मा

भारतीय जनता पार्टी की सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर दोहराया है कि उनकी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास करेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी प्रयास का परिणाम है। हाल ही में लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने महिला आरक्षण विधेयक 2023 अथवा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर दिया। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 21 सितंबर, 2023 को राज्यसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में कहा कि दो दिन से अत्यंत महत्वपूर्ण इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा हो रही है। करीब 132 माननीय सदस्यों ने दोनों सदन में मिलाकर के बहुत ही सार्थक चर्चा की है और भविष्य में भी इस चर्चा के एक-एक शब्द आने वाली हमारी यात्रा में हम सबको काम आने वाला है और इसलिए हर बात का अपना एक महत्व है, मूल्य है। मैं सभी माननीय सांसदों ने अपनी बात के प्रारंभ में तो पहले ही कहा है कि हम इसका समर्थन करते हैं और इसके लिए मैं सबका हृदय से अभिनंदन करता हूँ, हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। ये जो स्पिरिट पैदा हुई है, ये स्पिरिट देश के जन-जन में एक नया आत्मकविश्वामस पैदा करेगा और हम सभी माननीय सांसदों ने और सभी राजनीतिक दलों ने एक बहुत बड़ी अहम भूमिका निभाई है। नारी शक्ति को एक विशेष सम्मान, सिर्फ विधेयक पारित होने से मिल रहा है, ऐसा नहीं है। इस विधेयक के प्रति देश के सभी राजनीतिक दलों की सकारात्मक सोच होना, ये हमारे देश की नारी शक्ति को एक नई ऊर्जा देने वाली है। ये एक नए विश्वास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में नेतृत्व के साथ आगे आएगी, ये अपने आप में भी हमारे उज्ज्वल भविष्य् की गारंटी बनने वाली है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मतदान करने वाले करने वाले सभी राज्यसभा सांसदों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल एक कानून नहीं है, बल्कि उन अनगिनत महिलाओं का सम्मान है जिन्होंने हमारे देश को बनाया है, और यह उनकी आवाज अधिक प्रभावी तरीके से सुना जाना सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे पूर्व केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोक सभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा में भाग लिया। चर्चा में बोलते हुए उन अमित शाह ने कहा था कि 19 सितम्बर 2023 का दिन भारतीय संसद के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा, क्योंकि इस दिन गणेश चतुर्थी के अवसर पर नई संसद में पहली बार कामकाज हुआ और वर्षों से लंबित महिलाओं को आरक्षण का अधिकार देने वाला बिल सदन में पेश हुआ। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से धन्यवाद देना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री जी ने 140 करोड़ की आबादी में 50 प्रतिशत हिस्से वाली मातृशक्ति को सच्चे अर्थों में सम्मानित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुछ दलों के लिए महिला सशक्तिकरण राजनीतिक एजेंडा हो सकता है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण मान्यता का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि 2014 में देश की महान जनता ने 30 साल बाद प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री का पदभार सम्भालने के दिन से ही महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सहभागिता नरेन्द्र मोदी नेतृत्व में सरकार की श्वास और प्राण बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं, पुरुषों से भी अधिक सशक्त हैं और इस विधेयक से अब डिसिजन और पॉलिसी मेकिंग में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ये बिल समाज व्यवस्था की त्रुटि को सुधारने, महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ाने और उनका सम्मान करने के लिए लेकर आई है।

मोदी को संघ की सलाह

अजय सेतिया

भारतीय जनता पार्टी अपने क्षत्रपों को खत्म करके इंदिरा गांधी की रणनीति पर चल निकली है। इंदिरा गांधी ने 1967 से 1975 के बीच कांग्रेस के सभी क्षत्रपों को ठिकाने लगा दिया था। इसलिए जब 1975 में उन्होंने आपातकाल लगाया, तो बहुत सारे कांग्रेसी इंदिरा गांधी का साथ छोड़ गए थे। अपने करिश्मे से 1980 में इंदिरा गांधी सत्ता में वापस लौट आई थी, लेकिन उनके बाद कांग्रेस कमजोर होती गई। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या और 1991 में राजीव गांधी की हत्या के कारण कांग्रेस जीती, लेकिन उसके बाद क्या। कोई भी संगठन जिसमें जन भागीदारी हो, वह तानाशाही से ज्यादा देर नहीं चलता। लोकतंत्र में हर स्तर पर योग्य नेता जरूरी होता है, तभी राजनीतिक दल की जड़ें मजबूत होती है। भारतीय जनता पार्टी वही गलती कर रही है, जो इंदिरा गांधी और कांग्रेस ने की थी।

2015 से भाजपा के क्षत्रपों का कद घटना शुरू हुआ था। 2015 में दिल्ली, 2018 में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में चुनाव हारी, 2022 में हिमाचल और 2023 में कर्नाटक हारी। इस बीच सिर्फ उत्तरप्रदेश में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला। केंद्र सरकार की नाक के नीचे राजधानी दिल्ली में तो भाजपा को लगातार दो बार विधानसभा चुनावों में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। रही सही कसर नगर निगम चुनावों में हार ने पूरी कर दी। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की हार के बाद संघ परिवार से जुड़े ओर्गनाईजर ने दोटूक शब्दों में लिखा कि हिंदुत्व और मोदी करिश्मा चुनाव जीतने के लिए काफी नहीं है। चुनाव जीतने की असली कुंजी क्षत्रपों के हाथ में है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मोदी ने चुनाव डबल ईंजन के नारे के बावजूद सिर्फ अपने नेतृत्व में खुद लड़ा, सारा प्रचारतन्त्र उन्हीं के इर्दगिर्द था। ओर्गनाईजर ने कर्नाटक की हार के बाद लिखा कि क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्व और लोगों की आकांक्षाएं पूरी किए बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता। उसने आगे लिखा कि यही सही वक्त है कि स्थिति की नाजुकता को समझ लिया जाए।

आरएसएस का नेतृत्व भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को यही सलाह दे रहा होगा। लेकिन क्या भाजपा नेतृत्व यानी नरेंद्र मोदी और अमित शाह दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश के टिकट बंटवारे में जो कुछ हुआ है, वह कर्नाटक का ही दोहराव लगता है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और राजस्थान में वसुंधरा राजे की उसी तरह उपेक्षा के संकेत मिल रहे हैं, जैसे कर्नाटक में येदीयुरप्पा की उपेक्षा हुई थी। बाद में येदीयुरप्पा की मान मनोव्वल हुई, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। मध्यप्रदेश में तीन केन्द्रीय मंत्रियों, चार अन्य सांसदों और चुनावी राजनीति से अलग हो चुके पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को चुनाव मैदान में उतार कर साफ़ संकेत दिए गए हैं कि भाजपा जीती तो शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री नहीं होंगे। मुख्यमंत्री केवल मोदी और अमित शाह की पसंद का होगा या जो अपने क्षेत्र से ज्यादा विधायक जीता कर लाएगा, वही मुख्यमंत्री होगा।

मध्य प्रदेश में छह हेवीवेट नेताओं को चुनाव मैदान में उतारकर जहां एक ओर मोदी और अमित शाह ने यह मान लिया है कि मध्यप्रदेश में सिर्फ हिंदुत्व और मोदी के नाम पर चुनाव जीतना आसान नहीं, वहीं हेवीवेट को अलग अलग संभागों में उतार कर उनके आसपास की सीटों को मजबूत करने की चुनावी रणनीति का संकेत भी दिया है। निश्चित ही भाजपा की इस रणनीति ने कांग्रेस को मुश्किल में लाकर खड़ा कर दिया है, जो यह समझ कर बैठी थी कि मध्यप्रदेश उसका सबसे आसान स्टेट है। अगर यह फार्मूला कामयाब हो गया, तो इसे भाजपा का हार को जीत में बदलने का करिश्माई फार्मूला भी कहा जा सकता है। संकेत साफ़ हैं कि जो फार्मूला मध्यप्रदेश में अपनाया गया है, वही फार्मूला राजस्थान में भी अपनाया जाएगा। इस फार्मूले में 15-20 विधायकों के टिकट कटेंगे, तो बड़े पैमाने पर बगावत भी होगी। इसलिए टिकटों का एलान करने से पहले 27 सितंबर को अमित शाह, जेपी नड्डा, बीएल संतोष और अरुण सिंह ने दो दिन सभी बड़े नेताओं वसुंधरा राजे, राजेन्द्र राठौड़, सीपी जोशी और सतीश पूनिया से बंद कमरे में बात की, इससे पहले दोनों ने वसुंधरा राजे से अकेले में बात की। इन दो दौर की बातचीत के बाद फिर बड़े ग्रुप में बात की गई, जिसमें केन्द्रीय प्रभारियों के साथ लगभग 30 नेता थे।

वसुंधरा राजे आज भी राजस्थान में सबसे मजबूत नेता हैं, लेकिन उन्हें न मोदी पसंद करते हैं, न राजस्थान का संघ नेतृत्व। इसलिए पिछले छह-सात साल से उनका विकल्प ढूँढने की कोशिश हो रही है। अमित शाह और जेपी नड्डा ने 28 सितंबर को संघ के नेताओं से भी सलाह ली। वसुंधरा विरोधी होने के बावजूद संघ भी अब यह मानता है कि हिंदुत्व और मोदी चुनाव जीतने की कुंजी नहीं रह गए है। क्षेत्रीय नेतृत्व को तवज्जो दिए बिना और जन आकांक्षाओं की पूर्ति के बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता। लेकिन भाजपा नेतृत्व इस बार भी वही गलती कर रहा है, जो उसने पिछले विधानसभा चुनाव में की थी। पिछले विधानसभा चुनावों में वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री होने के बावजूद मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट नहीं किया गया, अलबत्ता भाजपा के कार्यकर्ताओं से नारे लगवाए गए कि मोदी तुझ से बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं। चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ा गया। अंतिम चुनाव सर्वेक्षण में जब भाजपा 20-25 सीटों पर निपटती दिखी तो वसुंधरा को आगे किया गया, तब सिर्फ एक हफ्ता बचा था, इसके बावजूद भाजपा 70 पार हो गई। इस बार फिर वही हो रहा है 25 सितंबर की रैली में मोदी ने खुद को ही प्रोजेक्ट किया। अपने भाषण में वसुंधरा राजे का जिक्र भी नहीं किया, और उनके कार्यकाल में भाजपा सरकार की ओर से किए गए किसी काम को नहीं गिनाया। जबसे राहुल गांधी ने चुनावों में वोटरों को चार-पांच गारंटियां देना शुरू किया है, तब से मोदी भी डबल ईंजन को छोड़कर कह रहे हैं, मोदी मतलब गारंटी।

मोदी-अमित शाह ने पिछले पांच सालों में वसुंधरा के विकल्प के रूप में कई नेताओं को उभारने की कोशिश की, इससे हुआ यह कि कई छुटके और मझौले नेताओं में भी मुख्यमंत्री बनने की ललक पैदा हो गई। लेकिन कोई भी अपने सीमित क्षेत्र से आगे नहीं बढ़ सका। अभी कुछ ही साल पहले राजनीति में आए गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल मुख्यमंत्री बनने का सपना ले रहे हैं। राजेन्द्र राठौड़ वरिष्ठता के नाते दावेदार है, ओम बिड़ला स्पीकर बनने से पहले राजस्थान के मामूली नेता थे, लेकिन अमित शाह से नजदीकी के कारण वह स्पीकर बन गए और अब मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब देखते हैं। लोकसभा स्पीकर विधानसभा चुनाव लड़ेगा, तो कैसा लगेगा। इनके अलावा केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और सांसदों स्वामी सुमेधानंद, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी, किरोड़ी लाल मीना और सुखबीर जौनपुरिया को भी चुनाव में उतारा जा सकता है। इन सभी ने लोकसभा चुनाव तो मोदी के नाम पर जीत लिया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में इनके सामने अपनी लोकप्रियता दिखाने की चुनौती होगी। लोकसभा चुनाव पार्टी और नेता के नाम पर जीतना आसान होता है, विधानसभा का चुनाव जीतना इतना आसान नहीं होता। वैसे भाजपा सांसदों को लोकसभा चुनाव में उतारने की रणनीति कोई पहली बार नहीं अपना रही। त्रिपुरा में जब चुनाव जीतना मुश्किल लग रहा था, तो भाजपा ने त्रिपुरा की अपनी सांसद प्रतिमा भौमिक को चुनाव में उतारा था। वह जीती भी, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया, तो मोदी उसे वापस लोकसभा में ले आए।

हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के चुनाव नतीजों का संदेश यह है कि मोदी का डबल ईंजन का नारा पिट चुका है। अगर राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में मोदी का यह हेवीवेट उम्मीदवारों वाला फार्मूला भी कामयाब नहीं हुआ, तो भाजपा को संघ और ओर्गनाईजर की सलाह माननी पड़ेगी कि वह अपने क्षत्रपों को ज्यादा तवज्जो देकर उन्हें दुबारा से उभारे, नहीं तो 2024 भी आसान नहीं होगा। राजनीति कई बार सबक सिखाती है, कांग्रेस का नया इंडी एलायंस क्षत्रपों को नेतृत्व सौंपने की रणनीति पर ही आधारित है। इंदिरा गांधी की मौत से करीब 39 साल बाद कांग्रेस ने यह कबूल कर लिया है कि लोकतंत्र में कोई भी राजनीतिक दल या गठबंधन क्षत्रपों और साझा नेतृत्व के बिना ज्यादा देर ज़िंदा नहीं रह सकता। लेकिन भाजपा नेतृत्व अभी अपने ही क्षत्रपों को निपटाने में लगा हुआ है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

तब उन्हें अपने समीप बुलाया। उन्हें प्रसन्नचित्त देखकर राजा ने प्रणाम किया और उनका सत्कार करते हुए बोले- हे शुकदेव जी ! आपने अपने सांसारिक कृत्यों को समाप्त कर दिया है तथा आपको सभी मनोरथ प्राप्त हैं, कृपया बताने का अनुग्रह करें कि अब आपकी क्या अभिलाषा है? श्रीशुकदेव जी ने जिज्ञासा भाव से कहा- हे गुरुवर! कृपया मुझे यह बताने की कृपा करें कि यह सांसारिक प्रपञ्च कैसे प्रादुर्भूत हुआ है तथा किस तरह से विलय को प्राप्त होता है? तब महान् ज्ञानी राजा जनक ने श्रीशुकदेव जी को सभी बातें तत्त्वत: बतला दी, इन्हीं बातों को उनके परम ज्ञानवान् पिता श्रीव्यास जी पहले ही बता चुके थे। इस पर श्रीशुकदेव जी ने कहा- हे गुरुश्रेष्ठ ! हमने स्वयं ही इसकी विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की थी, पूछने पर हमारे पिता श्रीव्यास जी ने भी यही बातें बतलायी थी। आपने भी यही बातें हमें बतायी हैं तथा ठीक ऐसा ही शास्त्रों का भी मत है। मन के विकल्प से ही प्रपञ्च की उत्पत्ति होती है और उस विकल्प के विनष्ट हो जाने पर इस (प्रपञ्च) का भी विनाश हो जाता है। यह जगत् निन्दनीय एवं सार - रहित है, ऐसा निश्चित है, तब हे महान् ज्ञानी राजन् ! यह सब (जीवन आदि) क्या है ? कृपा करके मुझे यथार्थ रूप से समझाने की कृपा करें। मेरा यह चित्त जगत् के विषय में दिग्भ्रान्त हो रहा है, अत: आपके सदुपदेश से ही शान्ति मिल सकती है।

इसके पश्चात् राजा जनक ने कहा- हे शुकदेव जी ! अब मैं आपके प्रति सम्पूर्ण ज्ञान को विस्तारपूर्वक कहता हूँ- सुनो, यह ज्ञान समस्त ज्ञानों का सार एवं सभी रहस्यों का रहस्य है, अत: इसके जान लेने से वह पुरुष अतिशीघ्र मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। विदेहराज ने कहा कि यह दृश्य जगत् है ही नहीं, ऐसा पूर्ण बोध जब हो जाता है, तब दृश्य विषय से मन की शुद्धि हो जाती है। तब यह ज्ञान पूर्ण हो जाता है और तभी उसे निर्वाण रूपी परम शान्ति मिल जाती है। जो वासनाओं का नि:शेष परित्याग कर देता है, वही वास्तविक श्रेष्ठ त्याग है, उसी विशुद्धावस्था को ज्ञानीजनों ने मोक्ष कहा है। पुन: जो शुद्ध वासनाओं से युक्त हैं, जो अनर्थ शून्य जीवन वाले हैं और जो ज्ञेय तत्त्व के ज्ञाता हैं, हे महान् ज्ञानी शुकदेव जी! वे ही मनुष्य पूर्ण जीवन्मुक्त कहे जाते हैं। पदार्थों की भावनात्मक दृढ़ता को ही बन्धन और वासनाओं की क्षीणता को ही मोक्ष कहा गया है।

जिसे तप आदि साधनों के अभाव में स्वभावबश ही सांसारिक भोग अच्छे नहीं लगते, वही पुरुष जीवन्मुक्त कहलाता है। जो प्रतिपल प्राप्त होने वाले सुखों या दु:खों में आसक्त नहीं होता तथा जो न हर्षित होता है और न ही दु:खी होता है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है। जो हर्ष, अमर्ष, भय, काम, क्रोध एवं शोक आदि विकारों से मुक्त रहता है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है।

क्रमश:...

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस

नंदिनी दुबे

दुनिया भर में आज अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस मनाया जा रहा है। हर साल 30 सितंबर को लैंग्वेज प्रोफेशनल्स को उनके काम के प्रति सम्मान देने और अनुवाद के वैश्विक महत्व को स्वीकार करने के लिए इस दिन को सेलिब्रेट किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस हर साल 30 सितंबर को सेंट जेरोम की पुण्य तिथि पर मनाया जाता है। सेंट जेरोम बाइबल अनुवादक हैं, जिन्हें अनुवादकों के संरक्षक संत के रूप में जाना जाता है। इनकी याद में ही इस खास दिन को मनाया जाता है।

दुनिया भर में ट्रांसलेशन कम्युनिटी की एकजुटता दिखाने के लिए एफआईटी द्वारा एक अनुमोदित मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस का उद्देश्य साल 1991 में शुरू किया गया था। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ट्रांसलेटर्स की स्थापना 1953 में हुई थी। साल 1991 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ट्रांसलेटर्स ने पूरी दुनिया में अनुवाद समुदाय की पहचान को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस मनाने की शुरुआत की थी। इसके बाद 24 मई 2017 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 30 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के रूप में घोषित करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। इसके बाद से पूरी दुनिया में इस खास दिन भाषा के प्रति महत्व को

बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

जिस प्रकार संयुक्त राष्ट्र के अन्य दिवस महत्वपूर्ण होते हैं, उसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस भी बहुत महत्त्वपूर्ण दिवस है क्योंकि इस दिवस के माध्यम से सभी देशों की भाषाओं में हो रहे अनुवाद कार्यों एवं अनुवादकों, भाषांतरकारों, दुभाषियों तथा भाषा एवं अनुवाद के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों और संस्थाओं की भूमिका को महत्व दिया जा सके और दुनियाभर के अनुवाद समुदाय के बीच एकता को बढ़ावा दिया जा सके। आज के दिन भारत सहित दुनियाभर के विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और अनुवाद सेवी संस्थाओं में अनुवाद से संबंधित विभिन्न संवाद, परिसंवाद, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है और अनुवाद की स्थिति, परिस्थिति, महत्व, तकनीक, संभावनाओं, इतिहास एवं भविष्य पर सार्थक चर्चा की जाती है।

भारत में विभिन्न धर्म, जाति और वर्ग के लोगों का मिश्रण ही नहीं, बल्कि भाषाओं की भी विविधता है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक विभिन्न प्रांतों में भाषाओं की बोली बदल जाती है, लेकिन उनके भाव यथावत रहते है। जिन्हें हमें समझने के लिए अनुवाद की आवश्यकता होती है। जब हम दक्षिण भारत में जाते है, तो वहां की भाषा हमारे से भिन्न है, लेकिन कोई अनुवादक हमें हमारी भाषा में उसका अनुवाद करके बताए तो हम उसे समझ लेते है। इससे हमें जीवन में अनुवाद की आवश्यकता और महत्ता समझ आती है। अनुवाद कितना जरूरी है, इसके बारे में भी पता चलता है। भारत में अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग हिन्दी के रूप में किया जाता है। यहां लोग हिन्दी ही समझते है, जबकि वास्तविक हिन्दी लोगों को पता नहीं होती है। अंग्रेजी की अपेक्षा उसका हिन्दी कठिन होती है। यूं तो भारतीय संविधान में सिर्फ 22 भाषा को मान्यता प्राप्त है, विभिन्न प्रांतों के अलग अलग क्षेत्र में ही भाषा और उनकी बोलियां बदल जाती है। एक आंकड़े के अनुसार ऐसी 121 भाषाएं देश में बोली और समझी जाती हैं। अपने मातृस्थल से कार्यस्थल पर जाने पर कई बार भाषाओं में अंतर आ जाता है। कार्यस्थल पर मातृभाषा नहीं चलती तो हमें अनुवाद की आवश्यकता होती है।

संयुक्त राष्ट्र में हो बहुपक्षीय सुधार

डॉ राजन कुमार

जो संस्था समय पर सुधार नहीं कर सकती, उसका धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाना निश्चित है। लोकलुभावन राष्ट्रवाद, दुनिया का ध्रुवीकरण, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और पश्चिमी प्रभुत्व ने यूएनओ और अन्य वैश्विक संगठनों को कमजोर कर दिया है। विश्व आर्थिक बदलाव और सामरिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक दक्षिण, विशेषकर चीन और भारत का उदय, उभरती बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है। लेकिन यूएन, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं अभी भी शीत युद्ध के ढांचे में फंसी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और प्रभाव दांव पर है। द्वितीय विश्व युद्ध जैसी स्थिति से बचने और वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया यह संगठन अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, विशेषकर दो घटनाओं ने इसकी छवि खराब कर दी है- कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध।

कोविड के समय संयुक्त राष्ट्र से अपेक्षा थी कि वह इसके मूल स्रोत की पहचान करने, इसके प्रसार को रोकने और अमीरों और गरीबों के लिए समान रूप से वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। पर डब्ल्यूएचओ, जो यूएनओ का एक संबद्ध संगठन है, रस्साकशी में फंस गया। डब्ल्यूएचओ पर चीन के प्रभाव ने उसे निष्पक्ष व्यवहार करने से रोक दिया। दूसरी ओर, डब्ल्यूएचओ पश्चिमी देशों को गरीब देशों के साथ वैक्सीन तकनीक साझा करने के लिए राजी नहीं कर

सका। दूसरी सबसे बड़ी चुनौती रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरुआत के साथ आयी। एक वर्ष, सात महीने से अधिक समय हो गया है, पर संयुक्त राष्ट्र कुछ खंडित और अप्रभावी प्रस्तावों को पारित करने से आगे नहीं बढ़ पाया है। इससे युद्ध विराम शुरू करने, तनाव कम करने और युद्ध के पीड़ितों को मानवीय सहायता प्रदान करने की उम्मीद की गयी थी। परंतु एक अग्रणी वैश्विक संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका निराशाजनक है।

गरीब देशों को भोजन और ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने में यूएन असफल रहा है। संयुक्त राष्ट्र सबसे पुरानी जीवित सार्वभौमिक संस्था है और इसने अपने पूर्ववर्ती लीग ऑफ नेशंस की तुलना में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके पास कई उपलब्धियां हैं, पर यह कई संरचनात्मक खामियों और परिचालन संबंधी कठिनाइयों से ग्रस्त है। सबसे बड़ा संरचनात्मक दोष यह है कि यह कुछ राज्यों को दूसरे राज्यों की तुलना में विशेषाधिकार देता है। इससे संप्रभु राज्यों की समानता की धारणा को वास्तविक झटका लगता है।

पी-5 देश, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं, उनके पास वीटो अधिकार हैं, जो दूसरों को नहीं दिये गये हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के विजेताओं ने अपने लिए विशेष अधिकार सुरक्षित रखे और पिछले 80 वर्षों से अपना प्रभाव बनाये रखा है। वीटो प्रावधान राष्ट्रों के बीच एक पदानुक्रम और गुटीय प्रतिद्वंद्विता पैदा करते हैं। विडंबना है कि फ्रांस और ब्रिटेन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं, जबकि भारत, ब्राजील, जापान, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया अभी भी आकांक्षी देश हैं। वैश्विक आबादी के 12 प्रतिशत आबादी वाले पश्चिमी देशों के तीन सदस्य हैं, जबकि एशिया से एकमात्र सदस्य चीन है। रूस को यदि पश्चिमी राज्य के रूप में देखा जाए, तो यह संख्या चार हो जाती है। वैश्विक जनसंख्या की लगभग 18 प्रतिशत आबादी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला भारत अभी भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं है। सुरक्षा परिषद में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व नहीं है।

भारत के नजरिये से देखें, तो सुरक्षा परिषद का विस्तार और भारत को स्थायी सदस्य बनाना उसका मुख्य मुद्दा है। सभी पी-5 सदस्य संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर विसंगतियों को स्वीकार करते हैं। परंतु वे अपने विशेषाधिकारों को जाने देने को तैयार नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सुरक्षा परिषद को समसामयिक बनाने पर जोर दिया। भारत का मानना है कि वह अपनी जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र, नियम आधारित व्यवस्था के पालन और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपनी भूमिका के कारण प्रमुख दावेदार है। परंतु संयुक्त राष्ट्र सुधार के लिए गंभीर प्रयास नहीं कर रहा है।

भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता ऐसी प्रक्रिया को और जटिल बना देती है। चीन व रूस कई मुद्दों पर पश्चिमी रुख का विरोध करेंगे। पर उभरते मुद्दों से निपटने में इसे प्रभावी बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी देश को एकतरफा हस्तक्षेप करने और दूसरे देश के क्षेत्र पर दावा करने का अधिकार नहीं है। यूक्रेन में जारी संकट और ताइवान में उभरता तनाव, शक्तिशाली देशों द्वारा अपनी सीमाओं को फिर से परिभाषित करने के प्रयासों का परिणाम है। सुरक्षा मुद्दों के अलावा, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और भविष्य की महामारी संबंधी चिंताएं भी हैं। इनसे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मौजूदा संरचना बेहद अपर्याप्त है। संयुक्त राष्ट्र अगले वर्ष भविष्य का शिखर सम्मेलन नामक बैठक आयोजित करेगा। इस संगठन को फिर से प्रासंगिक बनाने के लिए बहुपक्षीय सुधार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

हिन्द स्वराज्य

इटली और हिन्दुस्तान (भाग-3)

गतांक से आगे...

प्रश्न- आप तो बहुत आगे बढ़ गये। सबके हथियारबंद होने की जरूरत नहीं। हम पहले तो कुछ अंग्रेजों का खून करके आतंक फैलायेंगे। फिर जो थोड़े लोग हथियारबंद तैयार होंगे, वे खुल्लमखुल्ला लड़ेंगे। उसमे पहले तो बीस-पचीस लाख हिन्दुस्तानी जरूर मरेंगे। लेकिन आखिर हम देश को अंग्रेजों से जीत लेंगे। हम गुरीला (डाकुओं जैसी) लड़ाई लड़कर अंग्रेजों को हरा देंगे।

उत्तर- आपका खयाल हिन्दुस्तान की पवित्र भूमि को राक्षसी बनाने का लगता है। अंग्रेजों का खून करके हिन्दुस्तान को छुड़ायेंगे, ऐसा विचार करते हुए आपको त्रास क्यों नहीं होता? खून तो हमें अपना करना चाहिए; क्योंकि हम नामर्द बन गये हैं, इसीलिए हम खून का विचार करते है। ऐसा करके आप किसे आजाद करेंगे? हिन्दुस्तान की प्रजा ऐसा कभी नहीं चाहती। हम जैसे लोग ही, जिन्होंने अधम सभ्यता रूपी भाँग पी है, नशे में ऐसा विचार करते हैं। खून करके जो लोग राज करेंगे, वे प्रजा को सुखी नहीं बना सकेंगे। धींगरा ने जो खून किया है उससे या जो खून हिन्दुस्तान में हुए हैं उनसे देश को फायदा हुआ है, ऐसा अगर कोई मानता हो तो वह बड़ी भूल करता है। धींगरा को मैं देशाभिमानी मानता हूँ, लेकिन उसका देश-प्रेम पागलपन से भरा था। उसने अपने शरीर का बलिदान गलत तरीके से दिया। उससे अन्त में तो देश को नुकसान ही होने वाला है।

प्रश्न- लेकिन आपको इतना तो कबूल करना ही होगा कि अंग्रेज इस खून से डर गये हैं, और लॉर्ड मॉर्लेने जो कुछ हमें दिया है वह ऐसे डर से ही दिया है।

उत्तर- अंग्रेज जैसे डरपोक प्रजा हैं वैसे बहादुर भी हैं। गोला-बारूद का असर उन पर तुरन्त होता है, ऐसा मैं मानता हूँ। संभव है, लॉर्ड मॉर्लेने हमें जो कुछ दिया वह डर से दिया हो। लेकिन डर से मिली हुई चीज जब तक डर बना रहता है तभी तक टिक सकती है।

पंडित मुकुटधर पांडेय की जयंती विशेष

प्रतिभाशाली मुकुट काव्य के मुकुट मनोहर

प्रो. अश्विनी केशरवानी

महानदी के तट पर रायगढ़-सारंगढ़ मार्ग के चंद्रपुर से 7 कि.मी. की दूरी पर जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत बालपुर ग्राम स्थित है। यह ग्राम पूर्व चंद्रपुर जमींदारी के अंतर्गत पंडित शालिगराम, पंडित चिंतामणि और पंडित पुरूषोश्रम प्रसाद पांडेय की मालगुजारी में खूब पनपा। पांडेय कुल का घर महानदी के तट पर धार्मिक और साहित्यिक ग्रंथों से युक्त था। यहां का एक मात्र निजी पाठशाला पांडेय कुल की देन थी। इस पाठशाला में पांडेय कुल के बच्चों के अतिरिक्त साहित्यकार पंडित अनंतराम पांडेय ने भी शिक्षा ग्रहण की। धार्मिक ग्रंथों के पठन पाठन और महानदी के प्रकृतिजन्य तट पर इनके साहित्यिक मन को केवल जगाया ही नहीं बल्कि साहित्याकाश की ऊँचाईयों तक पहुंचाया...और आठ भाईयों और चार बहनों का भरापूरा परिवार साहित्य को समर्पित हो गया। पंडित पुरूषोश्रम प्रसाद, पंडित लोचनप्रसाद, बंशीधर, मुरलीधर और मुकुटधर सभी उच्च कोटि के साहित्यकार हुए। साहित्य की सभी विधाओं में इन्होंने रचना की। पंडित लोचनप्रसाद जहां इतिहास, पुरातत्व और साहित्य के ज्ञाता थे वहां पंडित मुकुटधर जी पांडेय साहित्य जगत के मुकुट थे। छायावाद के वे प्रवर्तक माने गये हैं। वे छश्रीसगढ़ के प्रथम साहित्यकार हैं जिन्हें भारत सरकार द्वारा ''पद्मश्री'' अलंकरण प्रदान किया गया है। वे मध्यप्रदेश और छश्रीसगढ़ प्रांत के गौरव हैं। धीरे धीरे पांडेय कुल का घर महानदी में समाता गया और उनका परिवार रायगढ़ में बसता गया। इस प्रकार रायगढ़ नगर साहित्य कुल से जगमगाने लगा।

सन् 1982 में जब मेरी नियुक्ति रायगढ़ के किरोड़ीमल शासकीय कला और विज्ञान महाविद्यालय में हुई थी तब रायगढ़ जाने की इच्छा नहीं हुई थी। लेकिन ''नौकरी करनी है तो कहीं भी जाना हैं'' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए मैंने रायगढ़ ज्वाइन कर लिया। कुछ दिन तो भागमभाग में गुजर गये। जब मन स्थिर हुआ और सपरिवार रायगढ़ में रहने लगा तब मेरा साहित्यिक मन जागृत हआ। दैनिक समाचार पत्रों में मेरी रचनाएं नियमित रूप से छपने लगी। नये नये विषयों पर लिखने की मेरी लाालसा ने मुझे रायगढ़ की साहित्यिक और संगीत परंपरा की पृष्ठभूमि को जानने समझने के लिए प्रेरित किया। यहां के राजा चक्रधरसिंह संगीत और साहित्य को समर्पित थे। उनके दरबार में साहित्यिक पुरूषों का आगमन होते रहता था। पंडित अनंतराम पांडेय और पंडित मेदिनीप्रसाद पांडेय उनके दरबार के जगमगाते नक्षत्र थे। डॉ. बल्देवप्रसाद मिश्र जैसे साहित्यकार उनके दीवान और पंडित मुकुटधर पांडेय जैसे साहित्यकार दंडाधिकारी थे। ऐसे साहित्यिक पृष्ठभूमि में मेरी लेखनी फली फूली। हमारे स्टॉफ के प्रो. अम्बिका वर्मा, डॉ. जी. सी. अग्रवाल, डॉ. बिहारीलाल साहू, प्रो. मेदिनीप्रसाद नायक, कु. शिखा नंदे, प्रो. दिनेशकुमार पांडेय डॉ. मिनकेतन प्रधान से मेरा न केवल सामान्य परिचय हुआ बल्कि मैं उनके स्नेह का भागीदार बना। प्रो. दिनेशकुमार पांडेय साहित्यिक पितृ पुरूष पं. मुकुटधर पांडेय के चिरंजीव हैं। उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया....और मेरी लेखनी सतत् चलने लगी।

मेरे लिए एक सुखद संयोग बना और एक दिन मुझे श्रद्धेय मुकुटधर जी के चरण वंदन करने का सौभाग्य मिला। मेरे मन में इस साहित्यिक पितृ पुरूष से इस तरह से कभी भेंट होगी, इसकी मैंने कल्पना नहीं की थी। उन्हें जानकर आश्चर्य मिश्रित खुशी हुई कि मैं शिवरीनारायण का रहने वाला हूं। थोड़े समय के लिए वे कहीं खो गये। फिर कहने लगे-'शिवरीनारायण तो एक साहित्यिक तीर्थ है, मैं वहां की भूमि को सादर प्रणाम करता हूं जहां पंडित मालिकराम भोगहा और पंडित शुकलाल पांडेय जैसे प्रभृति साहित्यिक पुरूषों ने जन्म लिया और जो ठाकुर जगमोहनसिंह, पंडित हीराराम त्रिपाठी, नरसिंहदास वैष्णव और बटुकसिंह चौहान जैसे साहित्यिक महापुरूषों की कार्य स्थली है। मेरे पुज्याग्रज पंडित पुरूषोश्रम प्रसाद और पंडित लोचनप्रसाद नाव से अक्सर शिवरीनारायण जाया करते थे। उस समय भारतेन्दु हरिश्चंद्र के सहपाठी ठाकुर जगमोहनसिंह वहां के तहसीलदार थे। उन्होंने छश्रीसगढ़ की प्राकृतिक सुषमा से प्रेरित होकर अनेक ग्रंथों की रचना ही नहीं की बल्कि यहां के बिखरे साहित्यकारों को एक सूत्र में पिरोकर लेखन की नई दिशा प्रदान की। उन्होंने काशी के ''भारतेन्दु मंडल'' की तर्ज पर शिवरीनारायण में ''जगमोहन मंडल'' की स्थापना की थी। उस काल के साहित्यकारों में पंडित अनंतराम पांडेय, पं. मेदिनीप्रसाद पांडेय, वेदनाथ शर्मा, पं. हीराराम त्रिपाठी, पं. मालिकराम भोगहा, बटुकसिंह चौहान, आदि प्रमुख थे। मेरे अग्रज पंडित लोचनप्रसाद भी शिवरीनारायण जाने लगे थे और उन्होंने मालिकराम भोगहा जी की अलंकारिक शैली को अपनाया भी था। मैं भी उनके साथ शिवरीनारानायण गया तो भगवान जगन्नाथ के नारायणी रूप का दर्शन कर कृतार्थ हो गया। वहां के साहित्यिक परिवेश ने मुझे भी प्रेरित किया..।'

बालपुर और शिवरीनारायण सहोदर की भांति महानदी के तट पर साहित्यिक तीर्थ कहलाने का गौरव हासिल किया है। यह जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। शिवरीनारायण की पवित्र भूमि में जन्म लेकर मेरा जीवन कृतार्थ हो गया। महानदी का संस्कार मुझे भी मिला। जब मैं लेखन की ओर उद्यत हुआ तब मुझे महानदी का कलकल निनाद प्रफुल्लित कर देता था। महानदी का सुन्दर वर्णन पांडेय जी के शब्दों में:-

कितना सुंदर और मनोहर, महानदी यह तेरा रूप।
कल कलमय निर्मल जलधारा, लहरों की है छटा अनूप।।

इसके बाद श्रद्धेय पांडेय जी से मैं जितने बार भी मिला, मेरा मन उनके प्रति श्रद्धा से भर उठा। उन्होंने भी मुझे बड़ी आत्मीयता से सामीप्य प्रदान किया। संभव है मुझमें उन्हें शिवरीनारयण के साहित्यिक पुरूषों की झलक दिखाई दी हो ? रायगढ़ में ऐसे कई अवसर आये जब मुझे उनका स्नेह भरा सानिध्य मिला। 01 और 02 मार्च 1986 को पंडित मुकुटधर जी पांडेय के सम्मान में रायगढ़ में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा छायावाद पुनर्मूल्यांकन गोष्ठी में डॉ. विनयमोहन शर्मा, डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, श्री शरदचंद्र बेहार आदि अन्यान्य साहित्यकारों का मुझे सानिध्य लाभ मिला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा श्रद्धेय पांडेय जी को डी. लिट् की मानद उपाधि प्रदान किया गया। यह मेरे लिए एक प्रकार से साहित्यिक उत्सव था।

पांडेय जी के सुपुत्र प्रो. दिनेशप्रसाद पांडेय के परिवार का मैं एक सदस्य हो गया। उनके घर अनेक लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकारों के पत्र पं. मुकुटधर पांडेय के नाम देखने को मिला जिसमें साहित्य के अनेक बिंदुओं पर चर्चा की गई थी। डॉ. बल्देवसाव, डॉ. बिहारीलाल, ठाकुर जीवनसिंह, प्रो. जी.सी. अग्रवाल आदि के पास श्रद्धेय पांडेय जी की रचनाओं को पढ़ने का सुअवसर मिला। पांडेय जी की श्रेष्ठ कविताओं का संग्रह ''विश्वबोध'' और ''छायावाद एवं श्रेष्ठ निबंध'' का संपादन डॉ. बल्देव साव ने किया है और श्री शारदा साहित्य सदन रायगढ़ ने इसे प्रकाशित किया है। इसी प्रकार उनकी कालिदास कृत मेघदूत का छश्रीसगढ़ी अनुवाद छश्रीसगढ़ लेखक संघ रायगढ़ द्वारा प्रकाशित की गई है। पांडेय जी की ''छायावाद एवं अन्य निबंध'' शीर्षक से म. प्र. हिन्दी साहित्य समेलन भोपाल द्वारा श्री सतीश चतुर्वेदी के संपादन में प्रकाशित कर स्तुत्य कार्य किया है। इसी कड़ी में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा श्रद्धेय पांडेय जी के जन्म शताब्दी वर्ष 1995 के अवसर पर प्रभृति साहित्यकारों की रचनाओं का संग्रह प्रकाशित कर एक अच्छी परम्परा की शुरूवात की है।

मुझे हाई स्कूल में मधुसंचय में पं. मुकुटधर पांडेय जी की कविता ''विश्वबोध'' पढ़ने को मिली थी। इस कविता में ईश्वर का दर्शन और शास्त्रों के अध्ययन का बहुत अच्छा चित्रण मिलता है:-

खोज में हुआ वृथा हैरान।
यहां भी था तू हे भगवान।।
गीता ने गुरू ज्ञान बखाना।
वेद पुराण जनम भर छाना।।
दर्शन पढ़े, हुआ दीवाना।
मिटा न पर अज्ञान ।।
जोगी बन सिर जटा बढ़ाया।
द्वार द्वार जा अलख जगाया।।
जंगल में बहु काल बिताया।
हुआ न तो भी ज्ञान ।।

ईश्वर को कहां नहीं ढूंढ़ा, मिला तो वे कृषकों और श्रमिकों के श्रम में, दीन दुखियों के श्रम में, परोपकारियों के सात्विक जीवन में और सच्चे हृदय की आराधना में..। कवि की एक बानगी पेश है:-

दीन-हीन के अश्रु नीर में।
पतितो की परिताप पीर में।।
संध्या की चंचल समीर में।
करता था तू गान।।
सरल स्वभाव कृषक के हल में।
पतिव्रता रमणी के बल में।।
श्रम सीकर से सिंचित धन में।

विषय मुक्त हरिजन के मन में।।
कवि के सत्य पवित्र वचन में।
तेरा मिला प्रणाम ।।

ईश्वर दर्शन पाकर कवि का मन प्रफुल्लित हो उठता है। तब उनके मुख से अनायास निकल पड़ता है:-

देखा मैंने यही मुक्ति थी।
यही भोग था, यही भुक्ति थी।।
घर में ही सब योग युक्ति थी।
घर ही था निर्वाण ।।

शिवरीनारायण की पावन धरा पर जन्म लेकर मेरा जीवन धन्य हो गया। मेरा यह भी सौभाग्य है कि मैं स्व. गोविंदसाव जैसे साहित्यकार का छोटा पौध हूं। महानदी का स्नेह संस्कार, महेश्वर महादेव की कुलछाया और भगवान नारायण की प्रेरणा से ही मेरी लेखनी आज तक प्रवाहित है। मुझे ठाकुर जगमोहनसिंह, पंडित मालिकराम भोगहा, पंडित हीराराम त्रिपाठी और पं. शुकलाल पांडेय का साहित्य अगर पढ़ने को नहीं मिला होता तो शायद मैं लेखन की ओर प्रवृश्र नहीं हो पाता। पंडित शुकलाल पांडेय ने ''छश्रीसगढ़ गौरव'' में मेरे पितृ पुरूष गोविंदसाव का उल्लेख किया है:-

नारायण, गोपाल मिश्र, माखन, दलगंजन।
बख्तावर, प्रहलाद दुबे, रेवा, जगमोहन ।
हीरा, गोविंद, उमराव, विज्ञपति भोरा रघुवर।
विष्णुपुरी, दृगपाल, साव गोविंद ब्रज गिरधर।
विश्वनाथ, बिसाहू, उमर, नृप लक्ष्मण छश्रीस कोट छवि।
हो चुके दिवंगत ये सभी प्रेम, मीर, मालिक सुकवि।।

इसी प्रकार उन्होंने पंडित मुकुटधर पांडेय जी के बारे में भी छश्रीसगढ़ गौरव में उल्लेख किया है -

जगन्नाथ है भानु चंद्र बल्देव यशोधर।
प्रतिभाशाली मुकुट काव्य के मुकुट मनोहर।
पदुमलाल स्वर्गीय सुधा सुरसरी प्रवाहक।
परमकृति शिवदास आशुकवि बुध उर शासक।
ज्वालाप्रसाद सत्काव्यमणी तम मोचन लोचन सुघर।
श्री सुन्दरलाल महाकृति कविता कान्ता वर।।

आज जब मैं पंडित मुकुटधर जी पांडेय के बारे में लिखने बैठा हूं तो अनेक विचार-संस्मरण मेरे मन मस्तिष्क में उभर रहे हैं।...फिर वह दिन भी आया जब जीवन के शाश्वत सत्य के सामने सबको हार माननी पड़ती है। 06 नवंबर 1989 को प्रात: 6.20 बजे 95 वर्ष की आयु में उन्होंने महाप्रयाण किया। यह मानते हुये भी कि जीवन नश्वर है, मन अतीव वेदना से भर उठा। विगत अनेक वर्षो से रूग्णता और वृद्धावस्था ने उनकी अविराम लेखनी को यद्यपि विराम दे दिया था। फिर भी उनकी सकाय उपस्थिति से साहित्य जगत अपनी सार्थकता देखता था। एक काया के नहीं रहने से कोई फर्क नहीं पड़ता, परन्तु साहित्य मनीषी पंडित मुकुटधर पांडेय किसी भी मायने में एक सामान्य व्यक्ति नहीं थे। पुराना दरख्त किसी को कुछ नहीं देता परन्तु उनकी उपस्थिति मात्र का एहसास मन को सांत्वना का बोध अवश्य करा देता है। साहित्य जगत में श्रद्धेय पांडेय जी की मौजूदगी प्रेरणा का अलख जगाने जैसी नि:शब्द सेवा का विधान किया था। कोई भी यहां अमरत्व का वरदान लेकर नहीं आया है लेकिन केवल देह त्याग ही अमरत्व का अवसान नहीं होता। श्रद्धेय पांडेय जी के महाप्रयाण के संदर्भ में तो बिल्कुल नहीं होता। शोकातुर करती है तो यह बात कि हिन्दी काव्य में इस मायने में समस्त भारतीय भाषाओं के काव्य में छायावाद की ओजस्वी धारा को सर्जक जनक के नाते पांडेय जी के चिर मौन होने के साथ ही हमारे बीच से छायावाद का अंतिम प्रकाश सदैव के लिए बुझ गया। उन्हीं के शब्दों में:-

जीवन की संध्या में अब तो है केवल इतना मन काम
अपनी ममतामयी गोद में, दे मुझको अंतिम विश्राम
चित्रोत्पले बता तू मुझको वह दिन सचमुच कितना दूर
प्राण प्रतीक्षारत् लूटेंगे, मृत्यु पर्व को सुख भरपूर।

मैं सोचने लगा -

जिसे हो गया आत्म तत्व का ज्ञान
जीवन मरण उसे है एक समान।

पांडेय जी ने तो एक एक को जीया है, भोगा है। देखिये उनकी कुछ मुक्तक:-

जीवन के पल पल का रखे ख्याल,
कोई पल कर सकता हमें निहाल।
चलने वाली सांसे है अनमोल,
काश समझ सकते हम इनके बोल।
माना नश्वर है सारा संसार,
पर अविनश्वर का ही यह विस्तार।

इसी प्रकार उनसे पूर्व छायावाद की अप्रतिम कवियत्री महादेवी वर्मा हमसे छिन जाने वाली इस कड़ी की अंतिम से पहले की कड़ी थी। पहले होने का गौरव तो केवल पांडेय जी का ही था। लेकिन वही अंतिम कड़ी होंगे किसने सोचा और जाना था ? निश्चय ही पांडेय जी ने भी कभी इसकी कल्पना तक नहीं की होगी। छश्रीसगढ़ की माटी से उन्हें अगाध प्रेम था। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य नदी-पहाड़, पशु-पक्षी सबसे लगाव था। देखिये छश्रीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी की एक बानगी:-

कितना सुंदर और मनोहर महानदी यह तेरा रूप
कलकल मय निर्मल जलधारा, लहरों की है छटा अनूप
तुझे देखकर शैशव की है स्मृतियां उर में उठती जाग
लेता है कैशोर काल का, अंगड़ाई अल्हड़ अनुराग
सिकता मय आंचल में तेरे बाल सखाओं सहित समोद
मुक्तहास परिहास युक्त कलक्रीडा कौतुक विविध विनोद।

इसीलिए अपना ऋष्टा उन्होंने काव्य साधना की दिव्य विधा का संस्थापक बनकर उतारा था। इस धरती ने उन्हें जो कुछ भी दिया उसे उन्होंने साहित्य जगत को लौटाया है। प्रणय की यही संवेदना उनकी कविता का सम्पुट वरदान बनी थी, जिसने भी उसे पढ़ा-सुना उसने दिल से सराहा और स्वीकार किया।

''कविर्मनीषी परिभू: स्वयंभू:'' कवि का स्थान बहुत ऊँचा है, ऐसा स्वीकारने वाले इस साहित्य वाचस्पति का कहना है-'' कविता तो हृदय का सहज उद्गार है। वाद तो बदलते रहते हैं पर कविता में एक हृदयवाद होता है जो कभी नहीं बदलता।'' मानव मन में जो भावानुभूति होती है, वही सार्वजनीन है, सर्वकालिक है। ऐसे मानने वाले इस साहित्यानुरागी का जन्म नवगठित जांजगीर-चांपा जिले के अंतिम छोर चंद्रपुर से मात्र 07 कि.मी. दूर बालपुर में 30 सितंबर 1895 ईसवीं को पंडित चिंतामणी पांडेय के आठवें पुत्र के रूप में हुआ। अन्य भाईयों में क्रमश: पुरूषोश्रम प्रसाद, पद्मलोचन, चंद्रशेखर, लोचनप्रसाद, विद्याधर, वंशीधर, मुरलीधर और मुकुटधर तथा बहनों में चंदनकुमारी, यज्ञकुमारी, सूर्यकुमारी और आनंद कुमारी थी। सुसंस्कृत, धार्मिक और परम्परावादी घर में वे सबसे छोटे थे। अत: माता-पिता के अलावा सभी भाई-बहनों का स्नेहानुराग उन्हें स्वाभाविक रूप से मिला। पिता चिंतामणी और पितामह सालिगराम पांडेय जहां साहित्यिक अभिरूचि वाले थे वहीं माता देवहुति देवी धर्म और ममता की प्रतिमूर्ति थी। धार्मिक अनुष्ठान उनके जीवन का एक अंग था। अपने अग्रजों के स्नेह सानिध्य में 12 वर्ष की अल्पायु में ही उन्होंने लिखना शुरू किया। तब कौन जानता था कि यही मुकुट छायावाद का ताज बनेगा...?

पांडेय जी की पहली कविता ''प्रार्थना पंचक'' 14 वर्ष की आयु में स्वदेश बांधव नामक पत्रिका में प्रकाशित हुई। फिर ढेर सारी कविताओं का सृजन हुआ। यहीं से उनकी काव्य यात्रा निर्बाध गति से चलने लगी और उनकी कविताएं हितकारणी, इंदु, स्वदेश बांधव, आर्य महिला, विशाल भारत और सरस्वती जैसे श्रेष्ठ पत्र-पत्रिकाओं में प्रमुखता से प्रकाशित हुई। सन् 1909 से 1915 तक की उनकी कविताएं ''मुरली-मुकुटधर पांडेय'' के नाम से प्रकाशित होती थी। उनकी पहली कविता संग्रह ''पूजाफूल'' सन् 1916 में इटावा के ब्रह्मप्रेस से प्रकाशित हुई। तत्कालीन साहित्य मनीषियों- आचार्य महाबीर प्रसादद्विवेदी, जयशंकर प्रसाद, हजारी प्रसाद द्विवेदी और माखनलाल चतुर्वेदी की प्रशंसा से उन्हें संबल मिला और उनकी काव्यधारा बहने लगी। इसी वर्ष पांडेय जी प्रयाग विश्वविद्यालय की प्रवेशिका में उश्रीर्ण होकर इलाहाबाद चले गये। कवि का किशोर मन बाल्यकाल के छूट जाने से अधीर हो उठता है:-

बाल्यकाल तू मुझसे ऐसी आज विदा क्यों लेता है,
मेरे इस सुखमय जीवन को दुखमय से भर देता है।

तीन माह के अल्प प्रवास के बाद पांडेय जी अस्वस्थ होकर बालपुर लौट आते हैं और यहीं स्वाध्याय से अंग्रेजी, बंगला और उड़िया भाषा पढ़ना और लिखना सीखा। गांव में रहकर उन्होंने सादगी भरा जीवन अपनाया

छोड़ जन संकुल नगर निवास किया क्यों विजन ग्राम गेह,
नहीं प्रसादों की कुछ चाह, कुटीरों से क्यों इतना नेह।

उनकी कविताओं में प्रकृति प्रेम सहज रूप में दर्शनीय है। ''किंशुक कुसुम'' में प्रकृति से उनके अंतरंग लगाव की पद्यबद्धता ने कविता में एक अनोखे भावलोक की सर्जना की है। किंशुक कुसुम से उनकी बातचीत ने प्रकृति का जैसे मानवीकरण ही कर दिया। पांडेय जी महानदी से सीधे बात करते लगते हैं:-

शीतल स्वच्छ नीर ले सुंदर बता कहां से आती है,
इस जल में महानदी तू कहां घूमने जाती है।

''कुररी के प्रति'' में एक विदेशी पक्षी से अपनत्व भाव जगाने उनसे वार्तालाप करने लगते हैं। देखिये उनकी एक कविता:-

अंतरिक्ष में करता है तू क्यों अनवरत विलाप
ऐसी दारूण व्यथा तुझे क्या है किसका परिताप
शून्य गगन में कौन सुनेगा तेरा विपुल विलाप
बता तुझे कौन सी व्यथा तुझे है, है किसका परिताप।

सामाजिक मूल्यों के उत्थान पतन को भी उन्होंने निकट से देखा और जाना है। ग्रामीण जीवन की झांकी उनकी कविताओं में दृष्टव्य है। उनके मुथ्तकों में दार्शनिकता का बोध होता है। त्योहारों को सामान्य लोगों के बीच आकर्षक बनाने का भी उन्होंने प्रयास किया है:-

कपट द्वेष का घट फोड़ेंगे, होली के संग आज
बड़े प्रेम से नित्य रहेंगे हिन्द हिन्द समाज
फूट को लूट भगावेंगे, ऐता का सुख पावेंगे..।

इस प्रकार मुकुटधर जी का समूचा लेखन जनभावना और काव्य धारा से जुड़ा है। छायावादी कवि होने के साथ साथ उन्होंने छायावादी काव्यधारा से जुड़कर अपनी लेखनी में नयापन लाने की साधना जारी रखी और सतत् लेखन के लिए संकल्पित रहे। यही कारण है कि मृत्युपर्यन्त वे चुके नहीं। उन्होंने सात दशक से भी अधिक समय तक मां सरस्वती की साधना की है। इस अंतराल में पांडेय जी ने जीवन की गति को काफी नजदीक से देखा और भोगा है। उनकी रचनाओं में पूजाफूल (1916), शैलबाला (1916), लच्छमा (अनुदित उपन्यास, 1917), परिश्रम (निबंध, 1917), हृदयदान (1918), मामा (1918), छायावाद और अन्य निबंध (1983), स्मृतिपुंज (1983), विश्वबोध (1984), छायावाद और श्रेष्ठ निबंध (1984), मेघदूत (छश्रीसगढ़ी अनुवाद, 1984) आदि प्रमुख है।

अनेक दृष्टांत हैं जो मुकुटधर जी को बेहतर साहित्यकार और कवि के साथ साथ मनुष्य के रूप में स्थापित करते हैं। उनका समग्र जीवन उपलब्धियों की बहुमूल्य धरोहर है जिससे नवागंतुक पीढ़ी नवोन्मेष प्राप्त करती रही है। उनकी प्रदीर्घ साधना ने उन्हें ''पद्म श्री'' से ''भवभूति अलंकरण'' तक अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से विभूषित किया है। सन् 1956-57 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा ''साहित्य वाचस्पति'' से विभूषित किया गया। सन् 1974 में पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर और सन् 1986 में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा डी. लिट् की मानद उपाधि प्रदान किया गया है। 26 जनवरी सन् 1976 को भारत सरकार द्वारा ''पद्म श्री'' का अलंकरण प्रदान किया गया। सन् 1986 में मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा ''भवभूति अलंकरण'' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त अंचल के अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से विभूषित किया गया है। वास्तव में ये पुरस्कार और सम्मान उनके साहित्य के प्रति अवदान को है, छश्रीसगढ़ की माटी को है जिन्होंने हमें मुकुटधर जी जैसे माटी पुत्र को जन्म दिया है। उन्हें हमारा शत् शत् नमन....

काव्य सृजन कर कोई हो कवि मन्य,
जीवन जिसका एक काव्य, वह धन्य।

भाजपा को शिकस्त देने कमलनाथ ने अपनाया मोदी का फॉर्मूला

राहुल संपाल

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में झटका खा चुकी कांग्रेस 2023 में सतर्क नजर आ रही है। एक तरफ जहां सत्ताधारी भाजपा नई योजनाओं और महिलाओं वोटर्स के दम पर चुनाव में जीत हासिल करने का दम भर रही है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने मात देने के लिए पीएम मोदी का ही फॉर्मूला अपना लिया है। कमलनाथ ने इस चुनाव के लिए एफव्ही यानी फर्स्ट वोटर प्लान बना लिया है। कांग्रेस इसी के सहारे एमपी में खेल करने का प्लान बना रही है। इस के तहत पार्टी अब युवाओं पर फोकस करने लगी है। हाल ही में पीएम मोदी 25 सितंबर को मध्यप्रदेश पहुंचे थे। पीएम ने यहां अपने संबोधन में पहली बार वोट करने वाले युवाओं का जिक्र किया था। इसके दूसरे ही दिन मध्यप्रदेश कांग्रेस ने फर्स्ट वोट फ़ॉर कांग्रेस अभियान शुरू कर दिया। इस अभियान के जरिए पार्टी उन वोटर्स पर ज्यादा फोकस कर रही है, जो 2023 के चुनाव में पहली बार मतदान करने जा रहे हैं। ये अभियान कितना जरूरी है, भाजपा भले इसे नहीं समझ पाई, लेकिन कांग्रेस इसे भुनाने जुट गई है। 26 सितंबर को कांग्रेस महासचिव और मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एनएसयूआई का फर्स्ट वोट फ़ॉर कांग्रेस कैंपेन लॉन्च किया। इस अभियान में कांग्रेस की युवा विंग को विशेष रूप से जोड़ा गया है। अब कांग्रेस के कार्यकर्ता उन युवाओं के पास जाकर शिवराज सरकार की नाकामी को गिनाएंगे, जो पहली बार वोट डालने जा रहे हैं। सुरजेवाला का कहना है कि इस कार्यक्रम के जरिए हम युवाओं को यह भी बताएंगे कि अगर प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी तो युवाओं के लिए क्या-क्या किया जाएगा, उन्हें भर्ती में पारदर्शिता सहित कई वचन दिए जाएंगे। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं की संख्या 18 लाख 86 हजार है। 4 अक्तूबर को आने वाली फाइनल मतदाता सूची में यह आंकड़ा 19 लाख पार जा सकता है। मध्यप्रदेश में कुल 230 विधानसभा सीटें हैं। इन सीटों में औसत रूप से 8200 मतदाता हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। कांग्रेस का फर्स्ट वोट फ़ॉर कांग्रेस अभियान इनके लिए ही लॉन्च किया गया है। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में 85 विधानसभा सीटें ऐसी थीं, जिसमें जीत मार्जिन सिर्फ 8 से 9 हजार से भी कम था। 8 सीटें ऐसी हैं, जहां पर 1517 से 511 मतों से ही हार जीत तय हुई। पिछले चुनाव में 35 से अधिक ऐसी सीटें थीं, जहां जीत का अंतर 8 हजार से नीचे रहा। इसी कारण को कांग्रेस समझ गई है। इसलिए पार्टी ने युवा मतदाता पर फोकस करना शुरू कर दिया है। राज्य में 2003 से भाजपा की सरकार है। जबकि 2005 से शिवराज चौहान मुख्यमंत्री हैं। 2018 में कमलनाथ जरूर सीएम बने लेकिन डेढ़ साल बाद हुए उलटफेर के बाद फिर शिवराज लौट आए। आज प्रदेश में जो युवा 18 वर्ष के हैं, वे 2023 के चुनाव में पहली बार वोट करेंगे, उन्होंने पूरे समय बतौर सीएम शिवराज सिंह चौहान को ही देखा है। शिवराज ने अपने शासनकाल में लाखों की संख्या में सरकारी भर्तियां करवाई हों, लेकिन इस चुनाव के एन पहले वे युवाओं को आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। हाल ही में पटवारी भर्ती परीक्षा में करीब 12 लाख युवा बैठे थे। भर्ती घोटालों के आरोप में सरकार घिरी है। 9000 पटवारी नियुक्ति के लिए सरकार के विरोध में खड़े हैं। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग भी कई सालों से चयनित युवाओं को नियुक्ति नहीं दे पाया है। इसलिए भाजपा और शिवराज से युवा खफा दिख रहे हैं।

मोदी के चेहरे पर चुनाव तो हार-जीत की जिम्मेदारी किसकी

अमित शर्मा

अमित शाह और जेपी नड्डा ने जयपुर में दो दिन कैंप कर पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की और उन सभी मुद्दों को बारीकी से समझा जिनका असर चुनाव पर पड़ सकता है। इस पूरी कवायद का परिणाम यह हुआ है कि वसुंधरा राजे सिंधिया को बहुत स्पष्ट ढंग से यह बता दिया गया है कि पार्टी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव में उतरेगी और किसी स्थानीय नेता को चेहरा नहीं बनाया जाएगा। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जाएगा और उन्हीं के नाम पर वोट मांगा जाएगा। छत्तीसगढ़ में पहले ही पार्टी के पास कोई ऐसा नेता नहीं है, जिसके चेहरे पर चुनाव लड़ा जा सके। इसे पार्टी की रणनीति कहें या मजबूरी, यहां भी मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने का निर्णय किया गया है। मध्य प्रदेश में भी पार्टी अभी तक यह कहने का जोखिम नहीं उठा सकी है कि चुनाव के बाद उसकी ओर से मुख्यमंत्री कौन होगा। यानी यहां भी मोदी के चेहरे पर ही वोट मांगा जाएगा। बड़ा प्रश्न यही है कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो इन चुनावों में हार-जीत की जिम्मेदारी किसकी होगी? यदि जीत हुई तब तो सब कुछ ठीक रहेगा, लेकिन यदि हार हुई तो इसका मोदी की छवि पर क्या असर पड़ेगा? इसका असर लोकसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है। जिस समय यह अनुमान लगाया जा रहा है कि राजस्थान को छोड़कर इन सभी राज्यों में भाजपा के लिए परिस्थिति बहुत अनुकूल नहीं है, उस समय भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ऐसा दांव क्यों खेला? जबकि कोई विपरीत परिणाम आने पर इंडिया गठबंधन इसे मजबूती से उछालने की कोशिश अवश्य करेगा, यह माना जा सकता है। विशेषकर यह देखते हुए कि कर्नाटक में भी यही रणनीति अपनाई गई थी। वहां भी येदियुरप्पा जैसे स्थानीय मजबूत चेहरे को किनारे रखकर मोदी के नाम पर ही वोट मांगा गया था। लेकिन पार्टी को कोई सफलता नहीं मिली। इसके पहले हिमाचल प्रदेश में भी प्रेम कुमार धूमल जैसे मजबूत स्थानीय चेहरों को पीछे रखकर केवल मोदी के चेहरे पर वोट मांगा गया, लेकिन पार्टी जीत हासिल नहीं कर सकी। यदि इन परिणामों को देखने के बाद भी पार्टी ने मोदी को चेहरा बनाने की रणनीति अपनाई है तो यह समझने वाली बात है कि आखिर उसने ऐसा क्यों किया? राजनीतिक विश्लेषक धीरेंद्र कुमार ने कहा कि इस प्रश्न का उत्तर भी उसी कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणामों में देखा जा सकता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि कर्नाटक में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के बेहद गंभीर आरोप थे। भाजपा की अपनी आंतरिक रिपोर्ट में कहा गया था कि पार्टी वहां 40 सीटें भी हासिल करने की स्थिति में नहीं थी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई छवि का ही परिणाम था कि भाजपा वहां 66 सीटों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में भी भाजपा के खिलाफ बदलाव की जबरदस्त लहर थी। इसके बाद भी भाजपा ने मोदी के चेहरे को आगे रखकर ही चुनाव लड़ा। तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी भाजपा के वोट प्रतिशत में कांग्रेस की तुलना में एक प्रतिशत से भी कम वोटों का अंतर रहा था। थोड़े बहुत अंतर से भी चनाव परिणाम कुछ भी हो सकता था। इसे मोदी के चेहरे का ही असर कहा जा सकता है। इसके पहले भी गुजरात और उत्तराखंड का पिछला चुनाव, हरियाणा का चुनाव, उत्तर प्रदेश विधानसभा का 2017 का विधानसभा चुनाव और पूर्वोत्तर राज्यों के चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़े गए थे। पार्टी ने यहां भी जीत हासिल किया था। ऐसे में ब्रांड मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता पर कहीं से कोई प्रश्न नहीं है। यदि भाजपा इन राज्यों में मोदी की छवि पर चुनाव में नहीं जाती है, फिर भी मोदी इन राज्यों में पार्टी के प्रचार के लिए अवश्य जाएंगे। यदि इस परिस्थिति में पार्टी को हार मिलती है तो भी विपक्ष इसे भाजपा और मोदी की लोकप्रियता में कमी के रूप में ही प्रचारित करेगा। ऐसे में मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़कर पार्टी की स्थिति सम्मानजनक स्कोर तक लाकर भाजपा 2024 की अपनी लड़ाई ही मजबूत कर रही है, ऐसा माना जा सकता है। धीरेंद्र कुमार ने कहा कि इसलिए इन चुनावी राज्यों में भाजपा के द्वारा मोदी को चेहरा बनाना बहुत सोचा-समझा हुआ और रणनीति के अनुसार उठाया गया निर्णय लगता है। इन्हीं राज्यों के पिछले विधानसभा चुनावों में हार के बाद भी भाजपा को लोकसभा चुनाव में जीत हासिल हुई थी। ऐसे में उन्हें लगता है कि इस बार भी इन चुनाव परिणामों का मोदी की छवि पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

श्राद्ध पक्ष

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन श्राद्ध पक्ष शुरू हो जाते हैं, पितरों का आशीर्वाद हम पर बना रहे इसलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए हर साल श्राद्ध पक्ष आता है जिसमें उनके निमित्त श्राद्ध तर्पण किया जाता है। श्राद्ध कितने प्रकार के होते हैं। साथ ही अगर परिजनों की मृत्यु तिथि ना पता हो तो श्राद्ध किस दिन करना चाहिए...निर्णय सिंधु और भविष्य में पुराण में श्राद्ध के 12 प्रकारों का वर्णन मिलता है। ये हैं नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि, सपिंडन, पार्वण, गोष्ठी, शुद्धयर्थ, कर्मांग, तीर्थ, यात्रार्थ, पुष्ट्यर्थ।

नित्य श्राद्ध-कोई भी व्यक्ति अन्न, जल, दूध, कुश, फूल व फल से हर रोज श्राद्ध करके हर रोज पितरों को प्रसन्न कर सकता है।
नैमित्तिक श्राद्ध- यह श्राद्ध विशेष अवसर पर किया जाता है। जैसे- पिता आदि की मृत्यु तिथि के दिन इसे एकोदिष्ट कहा जाता है।
काम्य श्राद्ध-इस श्राद्ध को किसी कामना विशेष, सिद्धि की प्राप्ति के लिए किया जाता है।
वृद्धि श्राद्ध- इस श्राद्ध को सौभाग्य प्राप्ति के लिए किया जाता है। इसमें वृद्धि की कामना के लिए किया जाता है।
सपिंडन श्राद्ध-इस श्राद्ध को मृत व्यक्ति के 12वें दिन पितरों से मिलने के लिए किया जाता है। इसे स्त्रियां भी कर सकती हैं।
पार्वण श्राद्ध-पिता, दादा, परदादा और दादी, परदादी के निमित्त किया जाता है। इसे पर्व की तिथि पर ही किया जाता है।
गोष्ठी श्राद्ध- इस श्राद्ध को परिवार के सभी लोग मिलकर करते हैं। यह श्राद्ध हमेशा समूह में किया जाता है।
शुद्धयर्थ श्राद्ध- परिवार की शुद्धता के लिए शुद्धयर्थ श्राद्ध किया जाता है।

कर्मांग श्राद्ध-यह श्राद्ध को किसी संस्कार के अवसर पर ही किया जाता है। कर्मांग का अर्थ कर्म के अंग से होता है।
तीर्थ श्राद्ध- यह श्राद्ध हमेशा तीर्थ पर ही किया जाता है।
यात्रार्थ श्राद्ध- यात्रा की सफलता के लिए यात्रार्थ श्राद्ध किया जाता है।
पुष्ट्यर्थ श्राद्ध- आर्थिक उन्नति में बढ़ोतरी, अच्छे स्वास्थ्य के लिए पुष्टि के निमित्त जो श्राद्ध किए जाते हैं वे पुष्ट्यर्थ श्राद्ध कहलाते हैं। जिन लोगों की मृत्यु के दिन की सही-सही जानकारी न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या तिथि को करना चाहिए। सांप काटने से मृत्यु और बीमारी में या अकाल मृत्यु होने पर भी अमावस्या तिथि को श्राद्ध किया जाता है। जिनकी आग से मृत्यु हुई हो या जिनका अंतिम संस्कार न किया जा सका हो, उनका श्राद्ध भी अमावस्या को करते हैं।

तर्पण
तृप्त करने की क्रिया। देवताओं, ऋषियों या पितरों को तंडुल या तिल मिश्रित जल अर्पित करने की क्रिया। श्राद्ध पक्ष के रूप में मनाया जाता है। इसे महालय और पितृ पक्ष भी कहते हैं। श्राद्ध की महिमा एवं विधि का वर्णन विष्णु, वायु, वराह, मत्स्य आदि पुराणों एवं महाभारत, मनुस्मृति आदि शास्त्रों में यथास्थान किया गया है। श्राद्ध का अर्थ अपने देवों, परिवार, वंश परंपरा, संस्कृति और इष्ट के प्रति श्रद्धा रखना है। हिंदू शास्त्रों में कहा गया है कि जो स्वजन अपने शरीर को छोड़कर चले गए हैं चाहे वे किसी भी रूप में अथवा किसी भी लोक में हों, उनकी तृप्ति और उन्नति के लिए श्रद्धा के साथ जो शुभ संकल्प और तर्पण किया जाता है, वह श्राद्ध है। माना जाता है कि सावन की पूर्णिमा से ही पितर मृत्यु लोक में आ जाते हैं और नवांकुरित कुशा की नोकों पर विराजमान हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृ पक्ष में हम जो भी पितरों के नाम का निकालते हैं, उसे वे सूक्ष्म रूप में आकर ग्रहण करते हैं। केवल तीन पीढ़ियों का श्राद्ध और पिंड दान करने का ही विधान है। पुराणों के अनुसार मुताबिक मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। श्राद्ध पक्ष में मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं। श्राद्ध स्त्री या पुरुष, कोई भी कर सकता है। श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है। ज्यादातर लोग अपने घरों में ही तर्पण करते हैं। श्राद्ध का अनुष्ठान करते समय दिवंगत प्राणी का नाम और उसके गोत्र का उच्चारण किया जाता है। हाथों में कुश की पैंती (उंगली में पहनने के लिए कुश का अंगूठी जैसा आकार बनाना) डालकर काले तिल से मिले हुए जल से पितरों को तर्पण किया जाता है। मान्यता है कि एक तिल का दान बत्तीस सेर स्वर्ण तिलों के बराबर है। परिवार का उत्तराधिकारी या ज्येष्ठ पुत्र ही श्राद्ध करता है। जिसके घर में कोई पुरुष न हो, वहां स्त्रियां ही इस रिवाज को निभाती हैं। परिवार का अंतिम पुरुष सदस्य अपना श्राद्ध जीते जी करने के लिए स्वतंत्र माना गया है। संन्यासी वर्ग अपना श्राद्ध अपने जीवन में कर ही लेते हैं। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर साढ़े बारह बजे से एक बजे के बीच उपयुक्त माना गया है।

अपनी जिंदगी

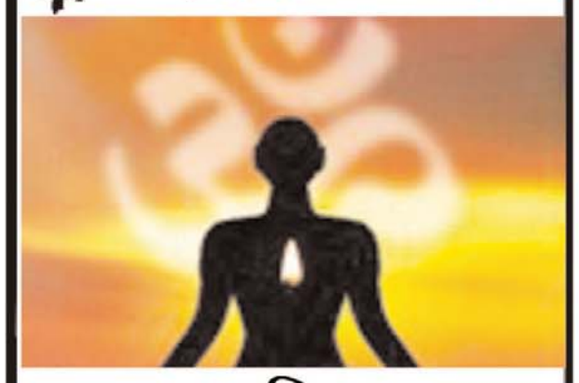

कठिन

शिव के पास एक त्रिशूल है जो तीन गुणों- सत्त्व, रज और तम - गुणों का प्रतीक है। सत्त्व एक विशुद्ध गुणवत्ता है, रजोगुण कार्य-कलाप से जुड़ा है जहां अहम एक भूमिका निभाता है,तमोगुण अंधकार, आलस्य है। तीनों गुणो की अपनी अपनी एक भूमिका है, लेकिन किसी भी एक का शिकार मत बनो। तुम सोते हो तो यह तमो गुण है, नींद तुम्हारे नित्य कर्म का हिस्सा होना चाहिये, लेकिन मेरी बात सुनते वक्त नहीं। अपने गुणों पर नियंत्रण रखो से मेरा तात्पर्य यही है।रजो गुण क्रियाशीलता का चिन्ह है, अत तुम्हे सक्रियरूप से ध्यान मे बैठना चाहिये। लेकिन ध्यान के दौरान अपना सिर खुजलाना क्रियाशीलता नहीं है। रजो गुण को यहां ग़लत जगह पर रखा गया है। इन भूमिकाओं को सही स्थानों पर क्रमानुसार निभाना चाहिये। कुछ लोगों के लिये सत्त्व गुण का मतलब शुद्धता की लत लगाना है। चार लोग एक नाव में थे। किनारे पर पहुंचने जाने के बाद वे नाव को अपने सिरों पर रख कर अपने साथ ले गये। एक भिक्षु ने उनसे पूछा, तुम नाव को क्यों लाद कर ले जा रहे हो? उन्होने कहा, नाव ने नदी पार करने में हमारी सहायता की है। हम इसने कृतज्ञ हैं कि हम जहां भी जाते हैं इसको साथ लेकर जाते हैं। लेकिन इस्तेमाल करने के बाद नाव को लाद कर इधर उधर ले जाने के बजाय किनारे पर लंगर डालकर रख देना चाहिये। नहीं तो कृतज्ञता एक प्रकार की दासता बन जाती है। अगर आप ने जनेऊ पहना है तो परंपरा के अनुसार जब आप संन्यास ग्रहण करते हैं तो आपको उसे तोड़ कर फेक देना होता है। ऐसा करना मुश्किल लगता है क्योंकि आप अब तक जनेऊ पहन कर गायत्री मंत्र का जाप करते रहे हैं। संन्यास लेने पर आपको अचानक जनेऊ को तोड़ कर फेक देना होता है! उस मोह का भी त्याग करना होगा। अच्छे और बुरे दोनों ही के प्रति मोह को छोड़ना होगा। ...9

शहरको निगल रही है धरती

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक, न्यूयॉर्क शहर लगातार डूब रहा है। इसकी वजह शहर का भार है। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के आर्थर ऐश स्टेडियम, कोनी द्वीप और लागार्डिया हवाई अड्डा आने वाले संभावित आपदा से तबाह होने वाले जगहों में सबसे पहले होंगे। इस रिपोर्ट को नासा के जेट प्रोपल्शन लैबरोटरी और रुटगर्स यूनिवर्सिटी ने साथ मिलकर तैयार किया. इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2016 से 2023 के बीच आर्थर ऐश स्टेडियम और लागार्डिया हवाई अड्डा 4.6 मिलीमीटर और 3.7 मिलीमीटर तक धंस चुका है। समुद्र के लगातार बढ़ते जलस्तर के बाद न्यूयॉर्क के डूबने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं ने रिपोर्ट में लिखा, न्यूयॉर्क के तटीय इलाके को बाढ़ से बचाना एक सतत चुनौती है। न्यूयॉर्क के इलाके जो तेजी से डूब रहे हैं उनमें गवर्नर्स द्वीप का दक्षिणी भाग, स्टेटन द्वीप में मिडलैंड और साउथ बीच, और दक्षिणी क्वींस शामिल है। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की हालिया रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि न्यूयॉर्क शहर की 10 लाख से ज्यादा इमारतों का वजन लगभग 1.7 ट्रिलियन पाउंड है, इस वजह से ही शहर को धरती धीरे-धीरे निगल रही है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि न्यूयॉर्क का शहरी इलाका हर साल लगभग 1.6 मिलीमीटर हो गया है, ये उतना ही है जितना हर महीने पैर का नाखून बढ़ता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने सेंटिनल -1 उपग्रहों के रडार के जरिए डेटा प्रोसेसिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया। स्पेस एजेंसी ने आसपास के इलाकों और धरती के लगातार धंसने को लेकर स्टडी किया। स्टडी में पता चला कि शहर औसत से ज्यादा तेजी से कम हो रहा हैं। जेपीएल वैज्ञानिक डेविड बेकर्ट ने कहा है कि शहर के लगातार धंसने के साथ-साथ समुद्र स्तर पर नजर रखना महत्वपूर्ण है। ये इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पृथ्वी की बदलती जलवायु दुनिया भर के महासागरों को दबाव बनाती है जिससे बाढ़ जैसी घटनाएं ज्यादा होती हैं और विनाशकारी तूफान की संभावनाएं बनती हैं।

दुनिया के इस इकलौते देश की नहीं है कोई राजधानी

आप सोचते होंगे कि हर देश की अपनी राजधानी होगी, है ना? कुछ देशों में दो मुख्यालय होता है, जैसे बोलीविया की संसद ला पाज में मिलती है, लेकिन इसका सर्वोच्च न्यायालय सुक्रे में है। कुछ छोटे देश हैं जहां राष्ट्र स्वयं अपनी राजधानी है, जैसे वेटिकन सिटी या मोनाको या सिंगापुर। लेकिन बिना राजधानी का कोई देश हो सकता है, यह सोचकर एक बार थोड़ा अजीब लगता है। आज की स्टोरी में हम आपको सबसे छोटे देश के बारे में नहीं बताने वाले हैं, बल्कि बिना राजधानी वाले उस देश के बारे में बता रहे हैं, जो दुनिया में उस तरह का इकलौता देश है। वेटिकन सिटी से भी बड़े नाउरू की कोई आधिकारिक राजधानी नहीं है। देश के सभी प्रशासनिक और सरकारी कार्य येरेन शहर में होते हैं। नाउरू प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीप देश है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह तीसरा सबसे छोटा देश है। वहां आने वाले पहले यूरोपीय पर्यटकों द्वारा उसे प्लेजेंट आइलैंड नाम दिया गया, मध्य प्रशांत में नाउरू दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य है। 21वीं सदी में यह ऑस्ट्रेलिया की विवादास्पद अपतटीय हिरासत केंद्र नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मानवाधिकारों के हनन और भीड़भाड़ के आरोपों के साथ ऑस्ट्रेलिया द्वारा संचालित शरण-चाहने वाले हिरासत शिविर को लेकर सवाल उठते रहे हैं। नाउरू ऑस्ट्रेलिया से लगभग 3,000 किमी उत्तर-पूर्व में है। द्वीप की मुख्य फॉस्फेट खदानें 1980 के दशक में बंद हो गईं, हालांकि 2005 में फॉस्फेट खनन और निर्यात फिर से शुरू हुआ। सरकार का अनुमान है कि द्वितीयक जमाओं का शेष जीवन लगभग 30 वर्षों का है, लेकिन एक शताब्दी से अधिक फॉस्फेट स्ट्रिप खनन के कारण द्वीप का परिदृश्य तबाह हो गया है। उस आइलैंड पर हजारों पर्यटक आनंद लेने और गर्मी में छुट्टियां बिताने के लिए आते हैं। वहां के आबादी की कमाई सबसे अधिक पर्यटकों पर आधारित है। सरकार वहां आने वालों को सुविधा भी मुहैया कराती है।

जाह्नवी कपूर ने किया शॉकिंग खुलासा

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से लोगों का जीत लिया है. फिल्मों के साथ-साथ जाह्नवी अपने लुक्स को लेकर भी खूब चर्चा में बनी रहती है, वहीं हमेशा लाइमलाइट में रहने वाली जाह्नवी कपूर ने खुद को लेकर एक शॉकिंग खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि एक स्टारकिड होना उनके लिए आसान नहीं था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जाह्नवी ने कहा कि हमेशा से कैमरा और मीडिया मेरे आसपास रहे हैं। स्कूल में भी बिना बताए वहां के बच्चे मेरी और मेरी छोटी बहन खुशी कपूर की तस्वीरें खींच लिया करते थे। इतना ही नहीं, एक बार तो मेरी तस्वीरों को फोटोशॉप करके न्यूड फोटो पर लगा दिया गया था। फिर इन फोटोज को पूरे स्कूल में सर्कुलेट कर दिया गया था। एक्ट्रेस ने बताया कि इस शर्मनाक हरकत के बाद उनके सारे दोस्त उन्हें गंदी नजर से देखने लगे थे.वहीं जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आई हैं। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई. इसके अलावा एक्ट्रेस ने मिली, गुडलक जेरी, गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल जैसी फिल्मों के जरिए अपने अभिनय का लोहा मनवाया चुकी हैं। वहीं आज की तारीख में उनका नाम बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार है। उन्होंने काफी कम समय में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं, वहीं अपनी फिल्मों के लिए वह जीतोड़ मेहनत करने से पीछे नहीं रहतीं। वहीं सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज से जाह्नवी कपूर ने आए दिन सबसे होश उड़ा दिए हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें आग लगाती रहती हैं।

सब्जियां बेचने के लिए ऑडी में आया किसान

अमीरी और लैविश लाइफस्टाइल कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम अक्सर किसानों से जोड़ते हैं। आमतौर पर हम अपने मन में खेतों में कड़ी मेहनत करने वाले व्यक्तियों की तस्वीर बनाते हैं। इसमें धीरे-धीरे बदलाव आना शुरू हो गया है। देश के कई हिस्सों में कई युवा खेती के लिए आगे आने लगे हैं और वे खेती के लिए आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल करते हैं। इससे उन्हें बेहतर परिणाम और बेहतर मुनाफा प्राप्त हुआ है। उनमें से कई वास्तव में अपने लिए एक अच्छी जीवनशैली का खर्च उठा सकते हैं। यहां हमारे पास एक युवा किसान का वीडियो है जो ऑडी ए4 सेडान में सड़क किनारे सब्जियां बेचने आता है। वीडियो को वैरायटी के एक किसान ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। इस वीडियो में हम एक किसान को अपने खेत में पत्तेदार सब्जियों की खेती करते हुए देखते हैं। वीडियो की अगली क्लिप में ऑडी ए4 लक्ज़री सेडान दिखाई गई है। कार एक दुकान के सामने आकर रुकती है। यह एक मार्केट एरिया जैसा दिखता है जहां स्थानीय लोग आमतौर पर स्थानीय उपज खरीदने आते हैं।

ऐसा पशु जो सांप का दुश्मन नंबर एक है

मार्खोर एक ऐसी पहाड़ी बकरी है, जो हिमालयन क्षेत्र में पाई जाती है। इसके बारे में माना जाता है कि ये सांपों की दुश्मन होती है। उन्हें चबाकर फेंक देती है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने तो सांप चबाती मार्खोर बकरी को अपना प्रतीक चिन्ह बनाया हुआ है। मार्खोर जंगली बकरी है, जो हिमालयन इलाकों में पाई जाती है। जिसे लेकर बहुत सी किंवदंतियां हैं। ये माना जाता है कि ये ऐसा पशु है जो सांप का दुश्मन नंबर एक है। उन्हें खोजता है और मारकर चबा लेता है। अगर आप पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का प्रतीक चिंह देखेंगे तो ये सांप चबाता हुआ एक मार्खोर है। वैसे ये पशु पाकिस्तान का नेशनल एनीमल भी है। आगे हम जानेंगे कि क्या ये वास्तव में सांप खाता है। दरअसल मार्खोर एक फ़ारसी शब्द है जिसका अर्थ होता सांप खाने वाला या सांप-हत्यारा। लोककथाएं कहती हैं कि ये जानवर कथित तौर पर अपने सर्पिल सींगों से सांपों को मारने और फिर सांपों को खा जाने में सक्षम है। लोग ये भी मानते हैं कि यह सर्पदंश से जहर निकालने में मदद करता है। हालांकि मार्खोर द्वारा सांपों को खाने या उन्हें सींगों से मारने का कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन एक सच्चाई जरूर है.सच्चाई ये है कि मार्खोर जहां भी सांप को देख लेता है, उन्हें अपने शक्तिशाली खुरों से मार देता है। कई बार सांप को मारने के लिए अपनी घुमावदार मजबूत सींगों का भी इस्तेमाल करता है। माना जाता है कि जहां मार्खोर रहते हैं, वहां सांप नजर नहीं आते। चार्ल्स डार्विन ने अनुमान लगाया था कि समकालीन बकरी की शुरुआत मार्खोर से हुई होगी। ये ताकतवर होता है। ये06 फीट तक ऊंचा खड़ा होता है, जिसका वजन 240 पाउंड तक होता है। इसके जबड़े से पेट के नीचे तक फैली हुई एक घनी दाढी होती हैउत्तरी भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान से लेकर तुर्किस्तान तक मार्खोर 2,000 से 11,800 फीट की ऊंचाई तक के पहाड़ों में रहते हैं। वे आम तौर पर झाड़ियों वाले जंगलों में रहते हैं। मुख्य तौर पर वो शाकाहारी ही होते हैं लेकिन लड़ाकू होते हैं. आपस में ये तब खूब लड़ते हैं जब ग्रुप की मादा पर इन्हें अधिकार जमाना होता है। आमतौर पर ये झुंड में रहते हैं। झुंड में मार्खोर की औसत संख्या 09 के आसपास होती है।

भीगी हुई मूंगफली के गजब के फायदे

आपके दिन की शुरुआत अगर अंकुरित या किसी अन्य किस्म के पौष्टिक खाने के साथ होती है तो उसमें भीगी हुई मूंगफली को भी शामिल कर लीजिए। कई लोग भीगे हुए बादाम और किशमिशन या अंजीर जैसी चीजें भी सुबह की शुरूआत में शामिल करते हैं। भीगी हुई मूंगफली भी ऐसी ही बहुत से पौष्टिक गुणों से भरपूर है। जिसे सही समय और सही मात्रा में खाकर आप कई फायदे हासिल कर सकते हैं। मूंगफली एक फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ है। इसे खाने से डाइजेशन भी बेहतर होता है। मूंगफली भिगा कर रखने से उसका छिलका भी अच्छी तरह से पानी सोख लेता है। ये छिलका ब्लड फ्लो सही रखने में मददगार होता है। इस छिलके की वजह से दिल का दौरा पड़ने का खतरा कम होता है। इससे शरीर का मेटाबॉलिक रेट भी बहुत अच्छा रहता है। जिन्हें पीठ दर्द की शिकायत रहती है उन्हें भीगी हुई मूंगफली गुड़ के साथ खानी चाहिए। जिससे दिन भर बैठे रहने की वजह से पीठ में होने वाले दर्द में राहत मिलती है। भीगी हुई मूंगफली से याद्दाश्त भी बेहतर होती है। इसके अलावा जिन लोगों की नजर कमजोर होती है या आंखों पर खूब स्ट्रेस पड़ता है उन्हें भी भीगी हुई मूंगफली अच्छी मात्रा में खानी चाहिए। इस मूंगफली से याद्दाश्त मजबूत होती है और नजर साफ। इन दिनों वायरल के बाद होने वाली खांसी बहुत ज्यादा दिनों तक परेशान करती है। इस खांसी से निजात पाने के लिए भीगी मूंगफली खाना चाहिए। इसस इम्यूनिटी बूस्ट होती है और इंफेक्शन जल्दी ठीक होता है। जिन्हें एसिडिटी और गैस की शिकायत हो भी भीगी मूंगफली खाकर राहत पा सकते हैं। ये मूंगफली मैंगनीज, कॉपर, पोटैशियम सहित आयरन, कैल्शियम और सेलेनियम से भी भरपूर होती है। खाली पेट इसे खाकर गैस से निजात मिल सकती है।

पिंजरे में कैद राजकुमारी

2022 की बात है। गर्मियों की लंबी छुट्टियों के बाद नीदरलैंड की राजकुमारी देश के सबसे बड़े शहर एम्स्टर्डम के यूनिवर्सिटी में आगे की पढ़ाई करने के लिए गईं। वहां उन्हें बाकी लड़कियों के साथ छात्रावास में रहना था। कुछ दिनों तक वह सामान्य नियम के मुताबिक वह क्लास में जाती रही, लेकिन 2022 के अक्टूबर का मध्य आते-आते उनका विश्वविद्यालय जाना बंद हो गया। दरअसल, डच सिंहासन की उत्तराधिकारी राजकुमारी अमालिया को लेकर अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली कि इनके जान का खतरा है। उसके बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा में रखा गया है कि वह अपहरण की साजिश का निशाना हो सकती हैं। साल 2021 में प्रधानमंत्री मार्क रुटे के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, क्योंकि उन्हें डर था कि वह भी एक लक्ष्य थे। कथित डच अपराध सरगना रिदौआन ताघी, जिसे 2019 में दुबई में गिरफ्तार किया गया था, नीदरलैंड में कई हत्याओं के मुकदमे का सामना कर रहा है। उस पर हिंसक जेल ब्रेक की साजिश रचने के साथ-साथ अपने सेल से हत्याओं और अन्य आपराधिक आरोप है। ताघी पर 16 अन्य लोगों के साथ मोत्रो माफिया नामक क्राइम ग्रुप का हिस्सा होने का आरोप है और उन पर हत्या और हत्या के प्रयास का भी आरोप है। उसे 2019 में दुबई में उसके लक्जरी अपार्टमेंट पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया था और मुकदमे का सामना करने के लिए नीदरलैंड भेजा गया था। फिलहाल, उसे वुघ्ट में एक्स्ट्रा सिक्योर इंस्टीट्यूशन में रखा जा रहा है, जहां उसकी सुरक्षा में मदद के लिए सैन्य कर्मियों को तैनात किया गया है। उसने इस बात से इनकार किया कि वह राजकुमारी को नुकसान पहुंचाने की साजिश में शामिल था और दावा किया कि आरोप झूठे और निराधार थे। उसके वकील, इनेज़ वेस्की ने कहा कि श्री ताघी ने दावों का जोरदार ढंग से खंडन किया और कहा कि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी राजकुमारी अमालिया को नुकसान पहुंचाने की कोई इच्छा नहीं है और वह कभी भी किसी बच्चे को खतरे में नहीं डालेगा।

60 साल के बूढ़े या 60 साल के जवान

कुछ साल पहले अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर स्टारर फिल्म आई '102 नॉट आउट', जिसमें 102 साल का पिता अपने 75 साल के बेटे को जिंदगी जीने का सही तरीका बताता है। उसे सिखाता है कि जिंदगी की समस्याएं कम नहीं होंगी, हमें जीने का नजरिया बदलना होगा। फिल्म का फलसफा ही यही है कि जिंदगी काटनी नहीं, जीनी चाहिए। बड़ी उम्र में भी जवां दिखने वाले और उम्र से पहले बूढ़े नजर आने वाले लोगों में यही एक अंतर है- 'एक जिंदगी जी रहा होता है और दूसरा जिंदगी काट रहा होता है।' जिंदगी जीने और काटने का यही फर्क लोगों के चेहरे, शरीर और व्यवहार में नजर आता है।

बढ़ती उम्र में ऐसे बढ़ता है ग्रेस

हमें अपने आसपास कई ऐसे लोग मिल जाते हैं जो अपनी उम्र से बहुत छोटे और स्मार्ट नजर आते हैं। कई लोग ऐसे भी दिखते हैं जिनके चेहरे में छोटी उम्र में ही बुढ़ापा नजर आने लगता है। उम्र तो अपनी स्पीड से ही बढ़ती है। लेकिन ऐसा क्या है कि कुछ लोग बढ़ती उम्र की रफ्तार का असर चेहरे और शरीर पर नहीं पड़ने देते। शायद उन्हीं को देखकर हम कहते हैं- 60 साल के बूढ़े या 60 साल के जवान। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसकी सबसे बड़ी वजह जिंदगी को देखने, समझने का नजरिया है। फिटनेस की फिक्र, शौक और अपने अंदर की क्रिएटिविटी को जिंदा रखना, फैमिली और फ्रेंड्स के बीच अच्छे रिश्ते बनाना, दूसरों की मदद को आगे आना,ऐसी कई क्वालिटीज हैं जो अंदर से खुशी देती हैं और बुढ़ापा पास फटकने नहीं पाता। बिहेवियरल काउंसलर और लाइफ ट्रांसफॉर्मेशन कोच उम्र को माइंडसेट से जोड़कर देखती हैं। उनका कहना है कि फिजिकल एज सबकी एक जैसी होती है और एक जैसी रफ्तार से ही बढ़ती है। इस बढ़ती उम्र को हम कम नहीं कर सकते, लेकिन अपनी मेंटल एज को व्यक्ति अपने रहन-सहन, खानपान, सोच के सहारे कंट्रोल कर सकता है। और यही उम्र बढ़ने के बावजूद उसकी पर्सनैलिटी को ग्रेसफुल बनाता है। आप जिंदगी को कैसे जीते हैं, बुरे समय और तनाव को कैसे हैंडल करते हैं, इसका असर आपकी मेंटल हेल्थ या यूं कहें 'मेंटल एजिंग' पर पड़ता है। कई बार 70 साल का व्यक्ति जिंदादिल लगता है और 30 साल का व्यक्ति 70 साल का बुजुर्ग मालूम देता है। बुजुर्गीयत बुरी नहीं, लेकिन इसे व्यवहार की मैच्योरिटी और अपनी समझ से जोड़ें, न कि अपनी उम्र के नंबर्स से जोड़कर देखें। जो लोग मानसिक रूप से मजबूत होते हैं, जीवन की तकलीफों और तनाव को खुद पर हावी नहीं होने देते और इन सबके रहते हंसना मुस्कराना नहीं छोड़ते, उन पर उम्र का असर नजर नहीं आता। माइंडसेट और लाइफस्टाइल बदलकर उम्र के असर को आसानी से कम किया जा सकता है। उम्र दिमाग में होती है। जो लोग ये मानकर चलते हैं कि उम्र के साथ शरीर थकने लगा है, वे खुद बीमारियों को निमंत्रण देते हैं। उनका शरीर उसी तरह रिएक्ट करता है और बीमारियां उन्हें घेर लेती हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भारत लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने में सफल रहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विज्ञान भवन में पीएचडीसीसीआई के 118वें वार्षिक सत्र 2023 में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं राइजिंग इंडिया- यही समय है, सही समय है थीम चुनने के लिए टीम को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि जी20, चंद्रयान-3 की सफलता, मिशन आदित्य एल-1 और महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना इन सभी घटनाओं ने देश को नई ऊर्जा से भर दिया है। देश 75 साल का सफर पूरा कर चुका है और पिछले 75 इन वर्षों में हमने हर क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। हमने अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित किया है। पिछले 75 वर्षों में हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि देश लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने में सफल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह 25 साल संकल्प लेने का और संकल्प को सिद्धि में बदलने का समय है। हम ऐसा देश चाहते हैं जिसका स्वप्न प्रधानमंत्री मोदी ने हमें दिखाया है।

कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा में आज शामिल होंगे राहुल

भोपाल। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 30 सितंबर को मध्य प्रदेश के विरोध में चल रही जन आक्रोश यात्रा में शामिल होंगे। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक ने यात्रा में राहुल गांधी के शामिल होने की बात पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा है कि शाजापुर जिले की कालापीपल विधानसभा में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष यात्रा करने जा रहे हैं। जीतू पटवारी ने वीडियो शेयर कर कहा है कि एमपी कांग्रेस लोगों के दुखों को सुनने के लिए राज्यभर में जन आक्रोश यात्रा अभियान चला रही है। उन्होंने कहा, यात्रा युवाओं, महिलाओं, किसानों, कर्मचारियों और आम लोगों के दर्द को राज्य सरकार के खिलाफ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में राज्य के 7 स्थानों से यह यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा 19 सितंबर से शुरू हो चुकी है जो 11 हजार 400 किलोमीटर का सफर कर रास्ते में पड़ने वाली सभी विधानसभाओं से गुजरेगी। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभआ चुनाव होने हैं।

अभिषेक बनर्जी 3 को ईडी की पूछताछ में शामिल नहीं होंगे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि वह 3 अक्टूबर को कोलकाता में स्कूल नौकरियों घोटाले के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ में शामिल नहीं होंगे और मनरेगा के तहत राज्य का बकाया रोकने के केंद्र के फैसले के खिलाफ नई दिल्ली में एक विरोध रैली में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की वंचना और उसके उचित बकाये के खिलाफ लड़ाई बाधाओं के बावजूद जारी रहेगी। विश्व की कोई भी ताकत पश्चिम बंगाल के लोगों और उनके मौलिक अधिकारों के लिए लड़ने के मेरे समर्पण में बाधा नहीं बन सकती। मैं 2 और 3 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाऊंगा। अगर रोक सकते हो तो मुझे रोक लो। इससे पहले, बनर्जी ने 3 अक्टूबर को ईडी द्वारा अपने समन के बाद केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया था, उसी दिन जब टीएमसी केंद्र सरकार से लंबित बकाया के खिलाफ आंदोलन करने वाली है।

शिवसेना में फूट के लिए राउत ने भाजपा को ठहराया जिम्मेदार

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को शिंदे सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लोकतंत्र की हत्या हो रही है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पूरी तरह से संविधान और कानून के खिलाफ सरकार चला रही है। उन्होंने ये भी कहा कि भाजपा शिवसेना में फूट के लिए जिम्मेदार हैं। राउत ने कहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए ओम बिरला के नेतृत्व में जो प्रतिनिधिमंडल घाना जा रहा है, उसमें महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष शामिल नहीं हैं। यहां लोकतंत्र की क्या स्थिति है? लोकतंत्र की हत्या हो चुकी है, एक साल से ये पूरी तरह से संविधान, कानून और सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ सरकार चला रहे हैं। मणिपुर के हालात पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने कहा, सरकार, गृह मंत्रालय, रक्षा, प्रधानमंत्री, सब कुछ विफल हो गया है। यहां तक कि छात्रों को भी पीटा गया है।

मेनका के खिलाफ मानहानि का दावा करेगा इस्कॉन

नईदिल्ली। भाजपा सांसद मेनका गांधी ने हाल ही में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। इस्कॉन पर बयान देना मेनका गांधी को भारी पड़ गया है। बीजेपी सांसद मेनका गांधी की टिप्पणी पर इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि मेनका गांधी की टिप्पणी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी। दुनिया भर में हमारे भक्त बहुत आहत हैं। हम उनके खिलाफ 100 करोड़ रुपये की मानहानि की कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। हमने आज उन्हें नोटिस भेजा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस्कॉन के भक्त, समर्थक इन अपमानजनक, निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण आरोपों से बहुत दुखी है। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर मेनका गांधी का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्होंने इस्कॉन पर कसाइयों को गाय बेचने का बेहद संगीन आरोप लगाया था। इतना ही नहीं उन्होंने इस्कॉन को देश की सबसे बड़ी धोखेबाज संस्था बताया था।

पंजाब में विधायक सुखपाल सिंह खैरा की गिरफ्तारी के बाद आप और कांग्रेस आमने-सामने

क्या इंडिया गठबंधन से अलग होगी आप?

नईदिल्ली। क्या 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन से आम आदमी पार्टी (आप) अलग होगी? यह एक ऐसा सवाल है जो इन दिनों लोगों के जेहन में आ रहा है। इस सवाल का जवाब आप के संयोजक और दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिया है। उन्होंने कहा है कि उनकी पार्टी विपक्षी गुट को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी 'इंडिया' गठबंधन से अलग नहीं होगी। हम गठबंधन का धर्म निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपको बता दें कि कांग्रेस की पंजाब इकाई ने मादक पदार्थों की तस्करी के 2015 के मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा की गिरफ्तारी के बाद, राज्य की 'आप' सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध लेने का आरोप लगा दिया जिसके बाद से कयासों का बाजार गरम है। 'आप' ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि भुलथ से विधायक के खिलाफ कार्रवाई कानून के अनुसार की गई है। इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में पार्टी संयोजक केजरीवाल का यह बयान मायने रखता है। यहां चर्चा कर दें कि लोकसभा चुनाव के पहले विपक्षी पार्टियों ने मिलकर एक गठबंधन बनाया है जो मिलकर 2024 में एनडीए को टक्कर देगी।

'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आप 'इंडिया' गठबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। हम गठबंधन से अलग नहीं होंगे। हम गठबंधन के धर्म का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केजरीवाल ने खैरा के मामले पर कहा कि मैंने इस बारे में सुना है, लेकिन मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। आपको पंजाब पुलिस से बात करने की जरूरत है। आगे उन्होंने कहा कि (पंजाब के मुख्यमंत्री) भगवंत मान की सरकार राज्य में नशीले पदार्थों की समस्या को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि यह एक ऐसा मामला है जो प्रदेश के युवाओं को बर्बाद कर रहा है। चाहे कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो या कोई मामूली व्यक्ति हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। मैं किसी विशेष घटना पर टिप्पणी नहीं कर रहा हूं क्योंकि मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है।

'इंडिया' गठबंधन द्वारा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में किसी को पेश नहीं करने को लेकर जब अरविंद केजरीवाल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हमें एक ऐसी प्रणाली तैयार करनी होगी ताकि 140 करोड़ भारतीयों को लगे कि वे प्रधानमंत्री हैं। हमें किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि लोगों को सशक्त करना होगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की पंजाब इकाई 2024 के आम चुनावों के लिए राज्य में सत्तारूढ़ 'आप' के साथ किसी भी गठबंधन का पहले ही विरोध कर चुकी है।

2015 के मादक पदार्थ मामले में विधायक सुखपाल सिंह खैरा को गिरफ्तार किया गया है जो कांग्रेस के नेता हैं। कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेताओं ने खैरा को गिरफ्तार करने के लिए आप सरकार की आलोचना की और पूछा कि क्या यह इस पार्टी की उस ''बदलाव'' की राजनीति है जिसका उसने वादा किया था। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के राज्यपाल से भी मुलाकात की और मामले में उनसे हस्तक्षेप की मांग की।

अकाली नेता का भी मिला समर्थन

कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और राजिंदर कौर भट्टल समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने खैरा का समर्थन किया और राजनीतिक प्रतिशोध में कथित तौर पर शामिल होने के लिए 'आप' सरकार पर निशाना साधा। खैरा को वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया का भी समर्थन मिला जिन्होंने भोलाथ क्षेत्र से विधायक के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की आलोचना की।

कांग्रेस अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी : खड़गे

पंजाब में कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा की गिरफ्तारी के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी। खैरा की गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा कि उन्हें अभी मामले की विस्तृत जानकारी नहीं मिली है क्योंकि वह बेंगलुरु से सीधे छत्तीसगढ़ आए हैं। उन्होंने कहा, मैं इसका ब्योरा लूंगा। लेकिन मामला कुछ भी हो, अगर कोई अन्याय करता है तो वह ज्यादा दिन तक टिकता नहीं है। अगर कोई हमारे साथ अन्याय करेगा, तो हम अन्याय सहने वालों में से नहीं हैं।

आप सरकार बदले की राजनीति कर रही है : प्रताप सिंह बाजवा

फाजिल्का। पंजाब में कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा की गिरफ्तारी से सियासत बेहद गर्म हो गई है। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने सुखपाल खैरा से मिलने की इजाजत न देने के बाद शुक्रवार को कहा कि वे भगवंत मान सरकार के प्रतिशोध की लड़ाई के खिलाफ सड़कों पर और कानूनी तौर पर लड़ेंगे। विधायक खैरा की गिरफ्तारी का मामला उस समय सियासी तुफान में बदल गया, जब पंजाब कंग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग और प्रताप सिंह बाजवा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता फाजिल्का सीआईए कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए थे लेकिन शासन ने उन्हें खैरा से मिलाने से इनकार कर दिया। प्रताप सिंह बाजवा ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर किये एक पोस्ट में कहा, आज पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ फाजिल्का में हमारे विधायक सुखपाल खैरा से मिलने गए। पुलिस ने हमें उनसे मिलने से रोक दिया। हम आप पार्टी के इस प्रतिशोध से कानूनी तौर पर और सड़कों पर लड़ेंगे। इस तरह की दबाव रणनीति से हम डरेंगे नहीं। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब पुलिस और मुख्यमंत्री भगवंत मान की बेहद कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पंजाब में इस तरह की स्थिति कभी नहीं देखी थी। उन्होंने सरदार पुलिस स्टेशन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं भवंत मान की कार्रवाई की निंदा करना चाहता हूं। मान सोचते हैं कि वह हमेशा सरकार में रहेंगे, लेकिन वह गलत हैं। सभी को जाना होता है और उनकी सरकार भी जाएगी।

विपक्षी गठबंधन में मतभेद की संभावनाओं पर शरद पवार का बड़ा बयान

गठबंधन पार्टियों के बीच विवाद न हो इस पर सावधानी बरतना जरूरी

मुंबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार बारामति में मीडिया से बातचीत करते हुए आने वाले दिनों में इंडिया गठबंधन की पार्टियों के बीच मतभेद होने की संभावनाओं पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा भविष्य में इंडिया गठबंधन में किसी प्रकार का कोई विवाद न हो इस पर सावधानी बरता जाएगा। दरअसल, कुछ महीनों में राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुनाव होने वाला है, ऐसे में इंडिया गठबंधन पार्टियों के बीच कोई विवाद न हो इसके लिए अभी से सावधानी बरतना जरूरी है।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव चुनाव में मोदी सरकार को हराने के लिए दो दर्ज से भी ज्यादा विपक्षी पार्टी इंडिया गटबंधन में शामिल हुई है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के कुछ सीटों पर अपना दावा करने के बाद हुए मतभेद पर सवाल पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, %जब चुनाव नजदीक आता है तो, उस दौरान मतभेद की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। हम गठबंधन में तटस्थ नेताओं को भेजकर इस मुद्दे को सुलझाएंगे।%

राकांपा प्रमुख ने आगे कहा कि कुछ ही महीनों में चार से पांच राज्यों में चुनाव होने वाला है, जो कि उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, %इंडिया गठबंधन पहले यह देखेगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में कैसे सभी पार्टियां एक साथ आती है। मुंबई वापस जाने के बाद मैं कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ बैठक करूंगा, जिसमें हम आने वाले चुनावों में विवाद न होने के लिए सावधानी बरतेंगें।% शरद पवार ने बताया वह यह सब आठ से दस दिनों में करने वाले हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाला है।

इंडिया गठबंधन के बिहार के घटक दल मांग रहे अधिक सीट

बिहार मे लोकसभा की चालीस सीटें हैं। इनमें 16 सीटों पर जदयू काबिज है। सूत्रों के अनुसार इंडिया गठबंधन के बिहार के घटक दल द्वारा आधी से अधिक सीटें मांगी जा रही है। भाकपा माले, माकपा, भाकपा और कांग्रेस की ओर से दो दर्जन से अधिक सीटों पर दावा किया जा रहा है। ऐसे में सीट शेयरिंग के मसले पर दोनों बड़े दलों की आपसी समन्वय को लेकर भी बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। बताते चलें की सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा बुधवार को पटना पहुंचे थे जहां राजद सुप्रीमो लालू यादव से उन्होंने मुलाकात की थी। डी राजा ने इंडिया गठबंधन की मजबूती और एनडीए की हार का दावा किया था। वहीं दूसरी ओर बक्सर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने फिर एकबार 9 से अधिक सीटों पर दावेदारी पेश करने की बात कही है। इस बीच अब सीट शेयरिंग का पेंच सुलझाना महागठबंधन की प्राथमिकता होगी।

सूत्रों के अनुसार, इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग बड़ा मुद्दा है, इसे लेकर रणनीति तैयार की जा रही है। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच आगामी चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग, बिहार में बोर्ड और निगम सहित 20 सूत्री कमेटी का गठन सहित ताजा राजनीतिक बयानबाजी को लेकर चर्चा होने की जानकारी मिली है। दरअसल इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को कितनी सीटें दी जाएं और इसका क्या फॉर्मूला हो, इस पर निर्णय बड़ा मसला है।

खेल
प्रमुख समाचार

विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया-भारत ने किया एक-एक बदलाव

नई दिल्ली। भारत में कुछ दिन बाद वनडे विश्व कप की शुरुआत होगी। टूर्नामेंट के 13वें संस्करण की शुरुआत पांच अक्तूबर को होगी। फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा। विश्व कप में इस बार 10 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत के अलावा गत विजेता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का खेलना तय है। इनमें से कई टीमें तो भारत पहुंच भी चुकी हैं। 2019 वनडे विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। इस बार जोस बटलर की अगुआई में यह टीम अपने खिताब की रक्षा करने उतरेगी। अब तक सभी 10 टीमों ने अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। 28 सितंबर टीमों में बदलाव करने की आखिरी तारीख थी। अब किसी भी देश को अपनी टीम में बदलाव करने के लिए पहले आईसीसी से इजाजत लेनी होगी। 28 सितंबर यानी गुरुवार को दो टीमों ने अपने-अपने स्क्वॉड में एक-एक बदलाव किए। इनमें भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में ऑलराउंडर एश्टन एगर की जगह बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को और भारत ने चोटिल ऑलराउंडर अक्षर पटेल की जगह ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अपने स्क्वॉड में शामिल किया है।

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, ईशान किशन ,सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलिया-पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, शॉन एबॉट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा, मिचेल स्टार्क।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 320 अंक चढ़ा निफ्टी भी 19,600 के पार

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले मजबूत रूझानों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 320 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 105 अंकों की बढ़त देखी गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 320.09 अंक यानी 0.49 फीसदी की गिरावट के साथ 65,828.41 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,151.65 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 65,570.38 तक आया। इस तरह से इंट्रा-डे ट्रेड में आज सेंसेक्स ने 581 अंको की बढ़त दर्ज की और 66 हजार के स्तर को भी पार किया मगर आखिर में 320 अंको की बढ़त के साथ सेंसेक्स हरे निशान पर बंद हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 105.75 अंक यानी 0.54 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने किया 100 करोड़ का निवेश

नईदिल्ली। जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज का ऑपरेशन फिर से शुरू करने के लिए अदालत द्वारा अप्रूव्ड समाधान योजना के तहत एयरलाइन में अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। जेकेसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इसके साथ कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज एयरलाइन को फिर से चालू करने के लिए 350 करोड़ रुपये की अपनी कुल वित्तीय प्रतिबद्धता को 'पूरा' कर दिया है। यह जेट एयरवेज का स्वामित्व संभालने का मार्ग प्रशस्त करेगा। कंपनी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि एयरलाइन अगले साल शुरू हो जाएगी। इसकी सेवाएं शुरू होने की तारीख अगले कुछ दिनों में घोषित किए जाने की संभावना है। जेट एयरवेज का ऑपरेशन 17 अप्रैल 2019 से बंद हैं।

स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी को मिला 1,535 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट

नईदिल्ली। रिन्यूबल एनर्जी सॉल्यूशन्स प्रोवाइडर स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी को एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी से 1,535 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, स्टर्लिंग ऐंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को गुजरात में कच्छ के रण, खावड़ा आरई पावर पार्क में एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की 300 मेगावाट की ईपीसी परियोजना का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कॉन्ट्रैक्ट के तीन साल का कुल मूल्य 1,535 करोड़ रुपये (टैक्स सहित) होगा। कंपनी को एक साल से अधिक समय में एनटीपीसी आरईएल से तीसरा ऑर्डर मिला है। स्टर्लिंग और विल्सन नवीकरणीय ऊर्जा समूह के वैश्विक मुख्य कार्याधिकारी अमित जैन ने कहा, '300 मेगावाट एसी का नया ऑर्डर के साथ हमारी मौजूदा वित्त वर्ष में ऑर्डर बुकिंग 3,100 करोड़ रुपये की हो गई है।'

अशोक लीलैंड को 1,282 डीजल बसों का मिला ऑर्डर

नईदिल्ली। हिंदुजा ग्रुप की भारतीय प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने शुक्रवार को कहा कि उसे गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के लिए 1,282 बसें बनाने का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने कहा, यह ऑर्डर, सिंगल ओरिजिनल एक्विपमेंट मेकर के लिए किसी राज्य परिवहन द्वारा सबसे बड़े ऑर्डर में से एक है। इससे अशोक लीलैंड को भारतीय बस मार्केट में अपनी प्रमुख स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, 'हमें जीएसआरटीसी से सबसे बड़े ओईएम-बिल्ट पूरी तरह से निर्मित बस ऑर्डर में से एक हासिल करने की खुशी है। हमारी बसें ज्यादा समय तक चलने, मजबूती और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के लिए जानी जाती हैं और यही कारण है कि हमारी बसें सरकार के साथ-साथ निजी ग्राहकों के साथ भी अशोक लीलैंड को बस सेगमेंट में एक पसंदीदा विकल्प बनाती है।

घरेलू बचत गिरती जा रही है, अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा ही

ललित गर्ग

आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के मध्यनजर महंगाई का लगातार बढ़ते रहना चिंता का विषय है। घरेलू बचत, महंगाई, बढ़ता व्यक्तिगत कर्ज, बढ़ते व्यक्तिगत खर्चे आदि को लेकर निम्न एवं मध्यम वर्ग परेशान है। इस परेशानी के समाधान की बजाय सत्ता एवं विपक्ष दल एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मासिक बुलेटिन में माना है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की घरेलू बचत दर वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशकों के निचले स्तर पर पहुंच गई। 18 सितंबर को जारी इन आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में देश की शुद्ध घरेलू बचत पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी कम रही है। 2021-22 में देश की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के 7.2 फीसदी पर थी जो इस साल और घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5 दशक के निचले स्तर 5.1 प्रतिशत पर आ गई है।

अनेक मोर्चों पर भारत की तस्वीर आशा का संचार कर रही है, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर चिन्ता का सबब लगातार बना हुआ है, हालांकि समूची दुनिया में आर्थिक असंतुलन बना हुआ है, भारत ने फिर भी खुद को काफी संभाले हुए हैं। किसी देश की अर्थव्यवस्था इस पैमाने पर भी आंकी जाती है कि उसकी घरेलू बचत, प्रति व्यक्ति आय और क्रयशक्ति की स्थिति क्या है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब पचपन फीसद की गिरावट आई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 फीसद पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट पर सफाई देते हुए कहा है कि लोग अब आवास और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियों में अधिक निवेश कर रहे है। इसका असर घरेलू बचत पर पड़ा है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि संकट जैसी कोई बात नहीं है। सरकार ने यह भी कहा है कि पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 फीसद आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है।

परिवारों के स्तर पर वित्त वर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध संपत्ति जोड़ी गई थी। 2021-22 में लगभग सत्रह लाख करोड़ और वित्तवर्ष 2022-23 में 13.8 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय संपत्तियां बढ़ी हैं। इसका मतलब है कि लोगों ने एक साल पहले और उससे पहले के साल की तुलना में इस साल कम वित्तीय संपत्तियां जोड़ी हैं। सरकार के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वे अब कर्ज लेकर घर और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियां खरीद रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में आवास और वाहन ऋण में दोहरे अंक में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि महामारी के बाद से लोग काफी सचेत हुए हैं। वे जोखिम वाले निवेश से बच रहे हैं। दूसरी बात बचत खातों पर ब्याज पर दर बहुत आकर्षक नहीं हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित बी-20 बैठक में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी कि ब्याज दरें बढ़ाकर महंगाई नियंत्रित करने की कीमत आर्थिक विकास को चुकानी भारी पड़ सकती है। सरकार चाहे जो तर्क दे पर घरेलू बचत गिरना कोई शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता। घरेलू बचत सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रभावी जरिया होती है। देश की कुल बचत में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाली बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यमवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात है।

लगातार महंगाई का बढ़ना भी न केवल आमजन के लिये बल्कि सरकार के लिये चिन्ता का कारण है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुमानों से पता चलता है कि जुलाई (7.4 प्रतिशत) की तुलना में अगस्त में यह घटकर 6.8 फीसदी हो गई है। यहां तक कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई के उच्चतम स्तर पर 11.5 फीसदी से घटकर अगस्त में 9.94 प्रतिशत हो गई।

ऊँची ईमारतों से मकां मेरा छिप गया....

देश में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का श्रेय लेने के लिये विभिन्न राजनीतिक दल श्रेय लेने प्रयासरत हैं,पंचायत में आरक्षण का श्रेय तो राजीव गाँधी को जाता ही है और आज लगभग 11लाख महिला प्रतिनिधि हैं। आजादी के बाद जहाँ तक लगातार कांग्रेस की सरकार बनती रही तो पहली महिला केंद्रीय मंत्री,पीएम,राष्ट्रपति, राज्यपाल,सीएम, लोस अध्यक्ष,राज्यसभा की सभापति

आदि कांग्रेस के कार्यकाल में बने थे। वहीं भाजपा के कार्यकाल में पहली महिला राष्ट्रपति लोक सभाअध्यक्ष ,नेता प्रतिपक्ष, वित्त मंत्री, सीएम आदि बनाया गया, यह बात और है कि तब की लोस अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा पूर्व सीएम उमा भारती की टिकट काटने का भी भाजपा ने रिकार्ड बनाया है।भारत रत्न से सम्मानित होने वाली पहली तथा पहली भारतीय महिला पीएम इंदिरा गाँधी(कॉंग्रेस) भारत की पहली महिला राज्यपाल सरोजनी नायडू(कांग्रेस)भारत में पहली महिला सीएम सुचेता कृपलानी(कांग्रेस) पहली केंद्रीय मंत्री श्रीमती राजकुमारी अमृत कौर (कॉंग्रेस)भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष एनी बेसेंट,मुख्य चुनाव आयुक्त बनने वाली पहली महिला रमादेवी,उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश लीला सेठ,सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश एम फातिमा बीवी,लोक सभा के अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला मीरा कुमार (कांग्रेस)राज्यसभा के उप सभापति पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला श्रीमती वाइलेट अल्वा (मरग्रेट आल्वा की मां (कांग्रेस)संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली अध्यक्ष विजयलक्ष्मी पंडित,मुख्य सूचना आयुक्त का पद भार सँभालने वाली पहली महिला दीपक संधू,जहाँ तक भाजपा की बात है तो केंद्रीय विदेश मंत्री का पदभार सँभालने वाली पहली महिला सुष्मा स्वराज (इससे पहले श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधान मंत्री रहते हुए विदेश मंत्री का अतिरिक्त प्रभार सँभाला था)लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन,राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, पहली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (वैसे भारत की पहली वित्त मंत्री इंदिरा गांधी,पीएम के साथ)जरूर भाजपा के अपने समय की महिलाओं को श्रेय देने के उदाहरण हो सकते हैं।

भूपेश के भांचा राम और भाजपा की चिंता.....

छत्तीसगढ़ में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव है। राजनीतिक दल चुनावी नूरा-कुश्ती में उलझने वाले हैं।भूपेश बघेल ने ही कांग्रेस को,राम को राम से जीतने की रणनीति सुझाई है।भाजपा के रामलला को टक्कर देने के लिए बघेल ने भगवान राम को अपना भांजा बता दिया।संबंध की नींव में हैं माता कौशल्या,जो कि छत्तीसगढ़ से ही थीं,भाजपा अपने हिंदुत्व को धार देने के लिए अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना रही है तो बघेल जवाब में राम वन गमन पथ तैयार कर रहे हैं।कौशल्या उत्सव हो या रामायण उत्सव,राम वन गमन पथ हो या राम से जुड़े मंदिरों का जीर्णोद्धार, खुद को राम से जोड़ने के लिए बघेल की सरकार करोड़ों खर्च करने से हाथ पीछे नहीं खींच रही।राज्य में भगवान राम की 7 विशाल प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं।इनमें से एक की ऊंचाई 51 फीट तक है।राम को छत्तीसगढ़ का भांचा (भांजा) बनाया सो बनाया, सरकार माता कौशल्या का भव्य मंदिर का जीर्णोद्धार भी करा चुकी है।भूपेश बघेल सॉफ्ट हिंदुत्व का चेहरा बन चुके हैं। छत्तीसगढ़ में उन्होंने भाजपा के मुददे छीन लिए हैं। श्री राम छत्तीसगढ़ के भांजे हैं,ये तथ्य तो सब जानते थे, लेकिन इस तथ्य को दुनिया के दिलो-दिमाग में बैठाने का काम भूपेश बघेल ने किया है।राम वन गमन पथ सौंदर्यीकरण कर रहे हैं,किसान को धान का समर्थन मूल्य और बोनस पूरे पांच बरस दिया है। पिछली भाजपा सरकारें केवल चुनाव के बाद वाले वर्ष में और चुनाव के वर्ष में धान का बोनस देती थीं।गाय, गौठान, गोबर और गौ मूत्र को राज्य की राजनीति का केंद्र बिंदु बना दिया है।छत्तीसगढ़ महतारी (माता) का चित्र सरकारी दफ्तरों में लगाकर छत्तीसगढी अस्मिता को बढ़ाया है। सम्भवत: ऐसा पहला प्रदेश है छग जहां सरकारी तौर पर जिलों में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्तियां स्थापित की जा रही हैं।छत्तीसगढी भाषा, खेल, त्यौहार और लोक पर्वों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है।जब गोबर के ब्रीफकेस में भूपेश बघेल राज्य का बजट पेश करते हैं, तो पूरे देश मे उनकी वाहवाही होती है। पहला ऐसा प्रदेश है, जहां तीजा, पोरा जैसे लोक पर्व पर मुख्यमंत्री निवास के दरवाजे सभी बहन बेटियों के लिए खुल जाते हैं।महिलाएं आकर सीएम और उनके परिवार के साथ तीज और पोला जैसे त्यौहार मनाती हैं।इधर विपक्षी दल भाजपा राज्य सरकार पर कोयला, शराब,डीएमएफ फंड व महादेव सट्टा एप में करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है।ईडी ने मुख्यमंत्री सचिवालय की अफसर,दो आईएएस समेत कई लोगों की गिरफ्तारी की है।कई इलाकों में साम्प्रदायिक तनाव

बढ़ा है बेमेतरा-कवर्धा का हिन्दू मुस्लिम विवाद/बस्तर में धर्मांतरण भी चर्चा में है।अफसरशाही पर बेलगाम होने का आरोप भी भाजपा का है। सरकार पर तबादला उद्योग चलाने के आरोप भी भाजपा लगाती रहती है।एक बात तो तय है कि भूपेश बघेल के मुकाबले भाजपा के पास कोई स्थानीय चेहरा नहीं है, पूर्व सीएम डॉ रमनसिँह को वह तवज्जो नहीं मिल रही है जिसके वे हकदार हैँ बहरहाल छग में भूपेश के मुकाबले भाजपा पीएम नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही अगला चुनाव लड़ेगी,अभी तक तो ऐसा ही लग रहा है?

राहुल ने किया बिलासपुर से रायपुर रेल से सफर...

छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्रेन में सफर किया। उन्होंने बिलासपुर से रायपुर तक 117 किलोमीटर तक का सफर किया। इस दौरान यात्रियों से उनकी समस्याओं पर बात भी की। राहुल ने रेल में मौजूद महिला हॉकी खिलाड़ियों से बात की। उनकी ट्रेनिंग और उनको मिल रही सुविधाओं के बारे में पूछा...बिलासपुर में हुए कांग्रेस के आवास सम्मेलन में शामिल होने के बाद राहुल बिलासपुर से इंटरसिटी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सवार हुए। वे शाम करीब पौने छह बजे रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान ट्रेन में उनके साथ सीएम भूपेश बघेल और प्रभारी कुमारी सैलजा भी थीं। राहुल ने ट्रेन में सामान्य यात्रियों की तरह सफर किया और घूम-घूमकर लोगों से भी मिले और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

छग में भी कुछ और सांसद बनेंगे विस प्रत्याशी.....

मप्र जहाँ लगभग 18सालों से (कुछ माह की कमलनाथ सरकार को छोड़कर)भाजपा की लगातार सरकार है वहाँ भाजपा ने मोदी सरकार के 3 मंत्रियों सहित 7सांसदों को विधानसभा प्रत्याशी बनाया है तो छग जहाँ कांग्रेस की मजबूत सरकार है वहाँ लोस संसद विजय बघेल के बाद कुछ और लोस, रास सदस्यों को भाजपा प्रत्याशी बना दे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा?मप्र विस चुनाव में भाजपा ने मोदी सरकार में शामिल तीन केंद्रीय मंत्रियों, मुरैना की दिमनी सीट से नरेंद्र सिंह तोमर,नरसिंहपुर से प्रह्लाद पटेल और निवास से फग्गन सिंह कुलस्ते को प्रत्याशी बनाया गया है।साथ ही अपने चार सांसद जबलपुर पश्चिम से राकेश सिंह,सतना से गणेश सिंह,सीधी से रीति पाठक और गाडरवारा से उदय प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर विधानसभा क्रमांक 1 से टिकट दिया गया है।वैसे छग में सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ संसद विजय बघेल, पूर्व रास सदस्य रामविचार नेताम को प्रत्याशी पहले ही बना चुकी है वहीं संसद रेणुका सिंह (केंद्रीय राज्य मंत्री) अरुण साव, संतोष पांडे,सुनील सोनी, गुहाराम अजगले, मोहन मंडावी,गोमती साय, आदि को विधानसभा चुनाव लड़ा सकती है। इसके दो फायदे हैं, विधायक बन गये तो ठीक, नहीं तो लोस की टिकट कट ही जाएगी....?

और अब बस....

- क्या ईडी अब अचार संहिता लगने के बाद कोई बड़ी कार्यवाही करेगी...?
- कांग्रेस के किस बड़े नेता के खिलाफ पार्टी के लोग ही टिकट का विरोध कर रहे हैं?
- कॉंग्रेस हर लोकसभा से 2महिला प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रही है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री विपक्ष को कोसने के बजाय अपनी उपलब्धि बताने का साहस दिखाएं:दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर छत्तीसगढ़ चुनावी दौरे पर आ रहे है। प्रधानमंत्री अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम वर्ष को भी पूरा करने वाले है लेकिन प्रधानमंत्री अपने साढ़े 9 साल के कार्यों के बारे में अपने भाषणों में चर्चा भी नहीं करते है। प्रधानमंत्री सिर्फ विपक्ष को कोसते है। उनके पास अपनी उपलब्धियों के बारे में कुछ बोलने को है ही नहीं। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय, कालाधन के बारे में प्रधानमंत्री चुप रहते है। प्रधानमंत्री के द्वारा भाजपा के द्वारा किये गये वायदों से ही कुछ सवालों के जवाब जनता जानना चाहती है। प्रधानमंत्री जवाब दें-छत्तीसगढ़ की यात्री ट्रेनों को लगातार रद्द क्यों किया जा रहा है? छत्तीसगढ़ के चावल का कोटा 86 लाख मीट्रिक टन से घटाकर 61 लाख क्यों किया? छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा मांगे गये बारदाने की पूरी स्वीकृति क्यों नहीं दे रहे? छत्तीसगढ़ के रमन सिंह के घोटाले 36000 करोड़ के नान, 6200 करोड़ के चिटफंड घोटाले की जांच केंद्र सरकार क्यों नहीं करवाती है?अच्छे दिन कब आयेंगे? किसके अकाउंट में 15 लाख जमा किए? महंगाई कब कम होगी? पेट्रोल-डीजल के दाम कब कम होंगे? 2 करोड़ बेरोजगारों को रोजगार क्यों नहीं मिला?चीन को लाल आंख कब दिखाएंगे।

मुख्यमंत्री बघेल के आगे मोदी, शाह, नड्डा भी थक गये : ठाकुर

रायपुर। देशभर के 220 भाजपा बड़े नेताओं को छत्तीसगढ़ चुनाव में लगाने पर तंज करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि आज पता चला कि भाजपा में मोदी शाह और नड्डा से भी कोई बड़ा नेता हैं जिनको ड्यूटी अब छत्तीसगढ़ के चुनाव में भाजपा लगा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चेहरा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां और जनता का कांग्रेस के प्रति भरोसा के आगे मोदी शाह नड्डा का झूठ प्रपंच प्रोपोगंडा नहीं चला। भाजपा के तीनो टाप लीडर फेल हो गये।भाजपा के तीनों बड़े नेता प्रदेश की जनता को भरमाने में असफल हो गए तो अब भाजपा नया प्रयोग कर रही है।मोदी शाह नड्डा से भी बड़े नेता हैं उनको अब छत्तीसगढ़ बुलाकर चुनावी वैतरणी पार लगाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व छत्तीसगढ़ के नेताओं को अविश्वसनीय और ढपोरशंख समझता है। इसीलिए भाजपा के छोटी-छोटी बैठकों के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष को आना पड़ता है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा॑ रमन सिंह, सरोज पांडेय, लता उसेंडी एवं प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव इस लायक भी नहीं कि वे मंडल की बैठक ले सके। 2018 के विधानसभा चुनाव में 15 साल की सत्ता के बाद 15 सीट में सिमटी भाजपा इस कदर बिखर गई है कि ना तो उनके पास नेता है ना तो नेतृत्वकर्ता ना कार्यकर्ता और भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी इन नेताओं को इस लायक नहीं समझता।

मोदी ने महिलाओं को झुनझुना थमा दिया: वंदना राजपूत

रायपुर। लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने केंद्र सरकार के नियत पर सवाल खड़े करते हुये कहा कि मोदी जी की नीयत और नीति स्पष्ट होती तो 2024 के चुनाव में महिला आरक्षण का 33 प्रतिशत बिल लागू करने का प्रावधान होता। भाजपा की नीयत में खोट है इसलिए केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 82-81(3) का हवाला दिया जिसके अनुसार 2026 का परिसीमन उसके बाद वाली जनगणना मतलब 2031 वाली जनगणना पर ही संभव है यानि महिला आरक्षण संभवत: 2039 तक ही हो सकती, 2019 में वादा में भी था महिला आरक्षण का 9 साल इसके बारे में एक कदम नहीं उठाये 2021 को जनगणना होनी थी वह भी नहीं हुआ। कहीं नरेंद्र मोदी सरकार के ये षड़यंत्र तो नहीं था इसलिए 2021 की जनगणना हुई होती तो 2024 के लोकसभा के चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देना पड़ता। भाजपा हमेशा महिलाओं से ही षड़यंत्र रचने का काम किये है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दौरान 73वें संविधान संशोधन के बाद स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए पंचायती स्तरों पर एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया था। सिर्फ राजनीति ही नहीं बल्कि सेना, नौसेना और वायुसेना में महिलाओं को 11 प्रतिशत आरक्षण भी दिया गया था।

जूते का कीड़ा कहना भाजपा को पड़ेगा भारी, माफ़ी मांगे: वर्मा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में बहुसंख्यक आबादी के नेता, पिछड़ा वर्ग के किसान पुत्र भूपेश बघेल का मुख्यमंत्री होना भारतीय जनता पार्टी के नेता नेताओं को बर्दास्त नहीं हो रहा है। यही वजह है कि भाजपाई लगातार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ व्यक्तिगत तौर पर स्तरहीन टिप्पणी कर रहे हैं। पहले प्रतापगढ़िया रमन सिंह ने भूपेश बघेल को छोटा आदमी कहा, चूहा, बिल्ली और कुत्ता तक कहा, फिर भाजपा प्रभारी डी पुरंदेश्वरी ने थूक में बहाने की धमकी दी और अब इसी क्रम में विगत दिनों भाजपा के पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने सार्वजनिक मंच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जूते का कीड़ा कहकर अपमानित किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सत्ता में रहने के दौरान छत्तीसगढ़िया संस्कृति, प्रथा, परंपरा, रीति रिवाज, खान पान को हिकारत भरी नजरों से देखने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री का मुकाबला कर पाने में पूरी तरह अक्षम है। भूपेश सरकार में छत्तीसगढ़ में जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक समृद्धि आई है, छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान और आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना हुई है तो भाजपाईयों को पीड़ा हो रही है। भाजपा ने सदैव ही ओबीसी वर्ग का अहित ही किया है। पिछड़ा वर्ग के खिलाफ़ षड्यंत्र करने वाले भाजपाई दुर्भावना पूर्वक पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर मुख्यमंत्री के खिलाफ़ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

महिलाओं को सुरक्षा देने में सरकार फेल : लक्ष्मी वर्मा

रायपुर। महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा देने में भूपेश सरकार फेल हो गई है। लगातार बढ़ रही अनाचार की घटना ने पूरे छत्तीसगढ़ के जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। गुरुवार को धरसींवा थाना क्षेत्र में हुई नाबालिग से रेप की घटना को लेकर शुक्रवार को प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने भाजपा महिला मोर्चा (ग्रामीण) ने संयुक्त रूप से भूपेश सरकार पर जमकर हमला बोला। पुलिस प्रशासन के रवैए को लेकर धरसींवा थाने का घेराव करके जमकर नारेबाजी की और नेशनल हाई-वे पर चक्काजाम कर आक्रोश व्यक्त किया। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी भाजपा शासित राज्यों में हुए अनाचार की घटना का विरोध करने पहुंच जाती हैं, लेकिन जब प्रियंका गांधी छत्तीसगढ़ आईं थीं, उसी दिन राजधानी के जयस्तंभ चौक के पास एएसपी ऑफिस के नीचे बने मल्टीलेवल पर्किंग में एक नाबलिग के साथ तीन लोगों के द्वारा गैंगरेप की घटना हो जाती है और वे अनाचार पीड़िता और उसके परिजनों से मिलने का वक्त नहीं निकाल पाती हैं। उन्हें भिलाई की सभा में जाना ज्यादा जरूरी लगा था। उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार हमर बेटी-हमर अभिमान की बात करती है, उसकी जमीनी हकीकत खुलकर सामने आ गई है। आज भूपेश सरकार छत्तीसगढ़ की महिलाओं की सुरक्षा तक नहीं कर पा रही है।

कृषि अनुसंधानों को किसानों तक

रायपुर। इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में हिंदी पखवाड़ा के समापन के अवसर पर कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों में हिंदी की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित नारा, कविता, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण भी किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रायपुर संभाग आयुक्त डॉ. संजय अलंग थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल के सदस्य आनंद मिश्रा और वल्लरी चंद्राकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. संजय अलंग ने कहा कि कविता, कहानी, निबंध आदि के लेखन से भाषा का प्रसार नहीं होता, बल्कि व्यवहार में लाने से होता है। आज हम डिजिटल युग में संप्रेषण कर रहे हैं। हमारा संप्रेषण आसान हो गया है, लेकिन हमारी हिंदी कमजोर हो गई है और शब्दावली में कमी आ गई है। अच्छे संप्रेषण के लिए भाषा का चयन जरूरी है। कृषि विश्वविद्यालय और यहां के वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे नवीन कृषि अनुसंधानों को किसानों और हितग्राहियों तक

संप्रेषित करने के लिए उनकी स्थानीय भाषा का प्रयोग लाना चाहिए। जिससे किसान और हितग्राही आसानी से समझ सकें और अपने उपयोग में शामिल कर सकें। उन्होंने कहा कि यदि हमें अनुसंधान उपलब्धियों से किसानों को जोड़ना है तो यह आवश्यक है कि अपनी बातों को उनकी भाषा और बोली में उन तक पहुंचायी जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि भारत में हिन्दी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह देश की बहुसंख्यक आबादी द्वारा बोली एवं समझी जाने वाली प्रमुख भाषा है। इसलिए यह आवश्यक है कि कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों में हिन्दी भाषा को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्य अभियंता श्री विनय दुबे को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में मुख्य अभियन्ता (मानव संसाधन) श्री विनय दुबे को सेवानिवृत्ति पश्चात् भावभीनी विदाई दी गई। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल एवं पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.के.कटियार ने उन्हें सेवानिवृत्ति के लिए शुभकामनाएं दी एवं पॉवर कंपनी की ओर से प्रतीकात्मक भेंट, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पॉवर कंपनी के डंगनिया स्थित सेवाभवन में आयोजित समारोह में मुख्य अभियंता श्री विनय दुबे को सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने बधाई दी। एम.डी. श्री कटियार ने कहा कि सेवा यात्रा के दौरान मिली जिम्मेदारियों का श्री दुबे ने बखूबी निर्वहन किया। कंपनी हित में उन्हें जो लक्ष्य दिये गए उसे अपनी बेहतर कार्यशैली से हासिल किया और अच्छी कार्यसंस्कृति विकसित की।

इस अवसर पर श्री दुबे ने भी अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया तथा सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण एम.एस. कंवर, सी.एल. नेताम, संदीप मोदी, एम.आर. बागड़े उपस्थित थे।इसी प्रकार एक अन्य कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल कुमार श्रीवास्तव को प्रबंध निदेशक (जनरेशन) कार्यालय में एवं अति.मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से स्टाफ नर्स श्रीमती नीलमणि पंचारी को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल व सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मंडावी ने किया।

आत्मानंद स्कूलों में भारी अनियमितताएं: कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व शिक्षा मंत्री एवम भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश में दो वर्ष पूर्व खोले स्वामी आत्मानंद स्कूलों में भारी अनियमितताओं की शिकायत मिल रही हैं यहां काम करने वाले शिक्षकों को समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा हैं और शिक्षकों सहित आवश्यक पदों पर भर्ती भी नहीं की जा रही हैं पद रिक्त होने के कारण पढ़ाई ठप्प हो रही हैं जिसका खामियाजा छात्रों को उठाना पड़ रहा हैं। उन्होने कहा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केवल स्वामी आत्मानंद स्कूलों के मॉडल का उदाहरण देश भर में देते रहते है पर जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बड़े बड़े विज्ञापन देकर अपना चेहरा चमका रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि आधा शिक्षण सत्र बीत गया है पर प्रदेश के अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हुए हैं। जिसका सीधा असर यहां पढ़ने वाले बच्चों पर पड़ रहा हैं बहुत से जिलों में तो पालकों ने इसकी शिकायत तक अधिकारियों से की हैं। शिक्षकों को समय पर वेतन का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। दो से तीन महीने विलंब से ही वेतन दिया जाता है । लाइब्रेरियन का वेतन भी ज़िलों में एक समान नहीं है। नॉन टीचिंग स्टाफ बताकर उन्हें कम वेतन दिया जा रहा हैं। वहीं आत्मानंद स्कूलों के संचालन में नियमों में भी भिन्नता है मुख्यमंत्री की घोषणा और राजपत्र में प्रकाशन के बावजूद इनके संचालन के नियम भिन्न भिन्न है।

कांग्रेस की सूची जारी होते ही उनमें गदर मचेगा : नारायण चंदेल

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस में जबरदस्त घमासान मचा है। उनके नेताओं में आपसी खींचतान चरम पर है। इसलिए वे विधानसभा प्रत्याशियों के नाम फाइनल नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पहली सूची लगभग 45 दिन पहले जारी हो गई है तब कांग्रेस ने कहा था की 5 सितंबर को हमारी सूची भी जारी हो जाएगी। इस बात को 20 दिन से अधिक हो गए। लेकिन कांग्रेसी विधानसभा प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सूची जारी होते ही उनमें गदर मचेगा जो संभाले नहीं संभलेगा। और यह बात कांग्रेस के नेता भली-भांति जानते हैं और इसी भय से वे सूची जारी करने से बच रहे हैं।

खनिज परिवहन नीति के कारण पूर्णत ठप्प: बीएआई

रायपुर। छ.ग. राज्य शासन नयी खनिज परिवहन नीति लागू होने से प्रदेश के शासकीय, अशासकीय ठेकेदारों के कार्य ट्रान्सपोर्टरों की विगत 15 दिवस से जारी हड़ताल के कारण निर्माण कार्य बंद होने से प्रदेश भर में रेत, गिट्टी, मुरूम एवं ईंट की सप्लाई बंद होने के कारण रायपुर, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर, अम्बिकापुर, नारायणपुर, जगदलपुर, धमतरी, बालोद, सुकमा, कांकेर, बीजापुर सहित प्रदेश भर में निर्माण कार्य बंद हो गये हैं। जिसके फलस्वरूप निर्माण एवं ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में बेरोजगारी की स्थिति निर्मित हो गई है। निर्माण कार्यों में लिप्त ठेकेदारों के ऑपरेटर, ड्राइवर, मिस्त्री, श्रमिकों को बेरोजगारी की गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ठेकेदारों द्वारा अपना पक्ष रखते हुए कहा जा रहा है कि उन्हें जब तक गिट्टी, रेत, मुरूम, ईंट आदि की सप्लाई प्राप्त नही होगी तब तक निर्माण कार्य कैसे संपादित किया जा सकता है। उन्हें मजबूरीवश कार्य बंद करना पड़ रहा है। विभाग का आगामी चुनाव को देखते हुए ठेकेदारों पर शीघ्र कार्य करने हेतु दबाव बनाया जा रहा है। जबकि ठेकेदार नई खनिज नीति के कारण भारी जुर्माना एवं जेल जाने के नियम के कारण किसी भी कीमत पर कार्य करने को तैयार नही है। ठेकेदारों का कथन है कि छत्तीसगढ़ राज्य में शासकीय, अशासकीय निर्माण कार्यों में खनिज की जितनी मात्रा की खपत है।उतनी मात्रा में खनिज पट्टों का माइनिंग प्लान ही नहीं है। कोई भी ठेकेदार या परिवहनकर्ता बिना रायल्टी पर्ची के काम नहीं करना चाहता, किंतु पर्याप्त मात्रा में माइनिंग प्लान की स्वीकृति न होने कारण यह स्थिति बन रही है।

मासूम बच्ची से दुष्कर्म, भाजपा ने घेरा थाना

रायपुर। राजधानी से सटे धरसीवां में 6 साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी की गई हैं। पुलिस ने 14 वर्षीय आरोपी नाबालिग पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं इस घटना के विरोध में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को धरसींवा थाने का घेराव कर दिया है। बीजेपी महिला मोर्चा के विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.